ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस किसी भी हद तक जा सकती है: जोशी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 22 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-112

राजस्थान के जालौर में पीएम मोदी ने जनसभा को किया संबोधित

कांग्रेस को उसके पापों की सजा दे रहा देश

- *कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को किया खोखला*
- *आज कांग्रेस पार्टी की जो हालत हुई है, उसकी गुनहगार वो खुद है*

जालौर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर परिव-रवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश उसे इन्हीं पापों की सजा दे रहा है। श्री मोदी रविवार को राजस्थान में जालौर के भीनमाल में जालौर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी लुंबाराम चौधरी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी के कभी 400 सांसद जीते थे, आज वो 300 सीट पर चुनाव नहीं लड़ पा रही है। आज कांग्रेस की हालत यह है कि उन्हें उम्मीदवार नहीं मिल पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी की जो हालत हुई है, उसकी गुनहगार वो खुद है। कांग्रेस ने देश पर 60 वर्षों तक राज किया। इसी कांग्रेस ने हमारी माताओं बहनों को शौचालय, गैस, बिजली, पानी, बैंक अकाउंट जैसी छोटी-छोटी चीजों के लिए तरसाया। उन्होंने कहा कि इसी कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया। इन्हीं पापों की सजा देश उनको दे रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस की कमजोर सरकार को आते-जाते लोग भी धमकाते थे, हर कोई देश को लूटने में जुटा था। प्रधानमंत्री को तो कोई पूछता ही नहीं था, सरकार रिमोट कंट्रोल से चला करती थी। उन्होंने कहा कि कैबिनेट से पास हुए अध्यादेश को उनकी पार्टी के ही एक नेता मीडिया की मीटिंग बुला कर फाड़ कर फेंक देते हैं। प्रधानमंत्री ने सवाल करते हुए कहा कि अस्थिरता की प्रतीक कांग्रेस पार्टी और उनका कुनबा, देश को चला सकता है क्या। उन्होंने कहा कि इन्होंने अव-सरवादी इंडी अलायंस बना लिया है, जिसकी पतंग उड़ने से पहले ही कट गई है।

श्री मोदी ने कहा कि पहले चरण के मतदान में आधे राजस्थान ने कांग्रेस को बराबर की सजा दी है। राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत राजस्थान यह जानता है कि कांग्रेस कभी भी मजबूत भारत बना ही नहीं सकती। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी कांग्रेस सरकार नहीं चाहिए। देश को 2014 के पहले जो हालात थे, वो हालात दोबारा नहीं चाहिए। उन्होंने भाजपा और जालोर सिरोही का रिश्ता बहुत खास बताते हुए कहा आपने हर बार भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है और इस बार भी जालोर सिरोही यही कह रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पांच वर्ष तक जो कांग्रेस की सरकार थी उसने पानी की योजना में भी घोटाला किया जबकि हम हर घर पानी पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

इंडी गठबंधन पिछड़ों के अधिकार समाप्त कर देगा : अमित शाह

- लालू यादव ने बिहार को जंगलराज में बदल दिया था
- पीएम मोदी ने गरीबों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया

कटिहार, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने देश में अपने दस वर्षों के कार्यकाल के दौरान पिछड़े अति पिछड़े लोगों के अधिकारों को बढ़ावा दिया और उनकी रक्षा की लेकिन इस लोकसभा चुनाव के बाद यदि इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो पिछड़ों के अधिकार समाप्त हो जाएंगे और उन्हें दंगा, अत्याचार, गरीबी और भुखमरी मिलेगी

श्री शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में कटिहार लोकसभा सीट से जनता दल (जदयू) उम्मीदवार दुलालचंद्र गोस्वामी के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछड़े वर्ग से हैं और यह भाजपा ही थी जिसने उन्हें प्रधानमंत्री बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरी ओर कई दशकों तक केंद्र की सत्ता में रहने वाली कांग्रेस ने पिछड़ों के हितों की अनदेखी की।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान काका कालेकर समिति की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया ताकि पिछड़ों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा सके। साथ ही उसने ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने के कदम का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पिछड़ा वर्ग आयोग को नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा वैधानिक दर्जा दिया गया लेकिन कांग्रेस सरकार ने आयोग को वैधानिक अधिकार नहीं दिया। श्री शाह ने कहा कि यह केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार है, जिसने अपने मंत्रिमंडल में अन्य पिछड़ा वर्ग को अधिक प्रतिनिधित्व दिया है। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि यदि लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो पिछड़ों के खिलाफ अत्याचार फिर से बढ़ेंगे और उनके अधिकार छीन लिए जाएंगे। राजद के लालटेन और कांग्रेस के हाथ ने सिर्फ दंगा, अत्याचार, गरीबी और भुखमरी ही दी है उसे वोट करने पर यही वापस मिलेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के रुख पर निशाना साधते हुए कहा कि श्री खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान एवं अन्य राज्यों में भाजपा नेताओं द्वारा अनुच्छेद 370 का संदर्भ दिए जाने पर आपत्ति जताई थी। श्री खड़गे ने कहा था कि अन्य राज्यों में अनुच्छेद 370 के बारे में बात करने की क्या जरूरत है। उन्होंने पूछा कि क्या जम्मू-कश्मीर भारत का अंग नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार और अन्य राज्यों के युवाओं ने कश्मीर में देश की सीमा की रक्षा करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया है।

श्री शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने कश्मीर में पुलवामा हमले के बाद सीमा पार आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाने के लिए हवाई हमले और सर्जिकल स्ट्राइक कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि राजग के सत्ता में आने के बाद आतंकवाद के खतरे को काफी हद तक नियंत्रित किया गया जबकि केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान आतंकवाद से निपटने के लिए कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत हर महीने 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है और यह अगले पांच वर्षों तक जारी रहेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के लिए चार करोड़ पक्के मकान बनाए गए और उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ गरीब परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर कनेक्शन दिए गए।

इंडी गठबंधन की रैली में

भिड़े राजद-कांग्रेस के कार्यकर्ता, जमकर चलीं कुर्सियां

रांची, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के रांची में इंडिया गंठबंधन की तरफ आयोजित उलगुलान न्याय महारैली में विभिन्न जगहों से आए कार्यकर्ताओं की भीड़ में दो गुटों की बीच झड़प हो गयी है जिसमें चतरा से कांग्रेस उम्मीदवार के. एन त्रिपाठी के भाई भी घायल हो गए। घटना के बाद तुरंत घायल को अस्पताल ले जाया गया। वहीं प्रशासन ने मामले को शांत कराया।

इंडिया गठबंधन के सभी दिग्गज नेताओं के मंच पर आने के बाद स्वागत संबोधन शुरू हुआ तभी विभिन्न इलाकों से आए दो गुटों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गये। आक्रोशित कार्यकर्ता के हाथ में जो आया उसी से दे मारा। कार्यकर्ताओं ने कुर्सियों को भी तोड़ डाली। इस घटना में के.एन त्रिपाठी के भाई समेत कई लोग घायल हो गये। बताया जाता है कि जिन्हें चोट लगी है उसका नाम गोपाल है। इस दौरान जब उन्हें घटनास्थल से बाहर ले जाया जा रहा था तब उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मारपीट करने वाला भाजपा का एजेंट है।

बंगाल में गुंडे राज कर रहे और लोग डर रहे : राजनाथ

मुर्शिदाबाद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार हमला करते हुए उन पर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के बारे में झूठ फैलाने और लोगों, खासकर मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने का आरोप लगाया।

श्री सिंह ने कहा कि दुनिया में कोई भी उन शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देने के कार्यान्वयन को नहीं रोक सकता, जिन्होंने धार्मिक आधार पर बंगलादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान छोड़ा है। उन्होंने बंगाल में अपनी पहली चुनावी रैली के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार गौरी शंकर घोष के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए संदेश-खाली में महिलाओं पर हुए अत्याचार का हवाला दिया और कहा कि सुश्री बनर्जी के नेतृत्व में राज्य में अराजकता है। उन्होंने कहा, यह आश्चर्य की बात है कि एक महिला मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बंगाल जैसे राज्य में समाज की माताओं और बहनों के साथ इतनी अमानवीयता और क्रूरता कैसे हो सकती है। सिंह ने दावा किया, यहां गुंडे राज कर रहे हैं और लोग डरे हुए हैं। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद संदेशखाली के अपराधी छूट नहीं पाएंगे।

- **सीएए पर झूठ बोलकर लोगों को गुमराह कर रही हैं सीएम बनर्जी**
- **गरीबों और आम लोगों के प्रति अपनी सारी करुणा खो चुकी हैं ममता**
- **बंगाल अब अपराध और सांप्रदायिक तनाव के केंद्र के रूप में हो गया कुख्यात**

श्री सिंह ने कहा कि पिछले एक दशक से अधिक समय से तृणमूल कांग्रेस के शासन के कारण बंगाल अब अपराध और सांप्रदायिक तनाव के केंद्र के रूप में कुख्यात है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो कोई भी संदेशखाली जैसा अपराध दोहराने की हिम्मत नहीं करेगा। रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया, वह किस तरह की ममता हैं, उनका केवल नाम ममता है लेकिन दिल और दिमाग से उन्होंने गरीबों और आम लोगों के प्रति अपनी सारी करुणा खो दी है। श्री सिंह ने आरोप लगाया कि सुश्री बनर्जी उन अल्पसंख्यक लोगों को, जो एक महीने के रमजान के बाद ईद मनाने के लिए घर लौटे थे, वोट नहीं देने और राज्य के बाहर अपने-अपने कार्यस्थलों पर वापस जाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

पुंछ में आतंकियों का मददगार हेडमास्टर गिरफ्तार

दो चाइनीज हैंड ग्रेनेड एवं पाक निर्मित पिस्तौल बरामद

जम्मू, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आगामी चुनाव से पहले एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने रविवार को एक हेडमास्टर को गिरफ्तार किया है, जो ओजीडब्ल्यू के तौर पर आतंकवादियों के लिए काम कर रहा था। उसके पास से पाकिस्तानी पिस्तौल और दो चीनी ग्रेनेड भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में रविवार को सेना के 6 सेक्टर के 39 आरआर, रोमियो फोर्स ने पुलिस और एसओजी पुंछ के साथ हरि बुड्ढा में एक संयुक्त अभियान में चलाया। इस दौरान कमरुद्दीन को गिरफ्तार किया गया, जो ओवर-ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) के तौर पर दहशतगर्दों के साथ काम कर रहा था।

पकड़ा गया कमरुद्दीन पेशे से एक स्कूल में हेडमास्टर के पद पर कार्यरत है। उसके घर से जांच के दौरान एक पाकिस्तान निर्मित पिस्तौल और चीन निर्मित दो ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। इस खेप का इस्तेमाल पुंछ क्षेत्र में आगामी चुनाव में गड़बड़ी करने के लिए किए जाने का संदेह है।

तलाशी अभियान जारी है। इससे पहले शनिवार को रियासी जिले के दलास बरनेली इलाके में एक आतंकी ठिकाना ध्वस्त कर चुनाव में गड़बड़ी फैलाने की साजिश को विफल कर दिया। इस ठिकाने से दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) व अन्य विस्फोटक बरामद किया गया है। एक आईईडी टेप रिकॉर्डर व दूसरी कैलकुलेटर से जुड़ी हुई थी। रियासी जम्मू संसदीय सीट का हिस्सा है। रियासी जिले के माहौर के लांचा इलाके में 13 अप्रैल को सुरक्षा बलों ने एक आतंकी ठिकाने को ध्वस्त कर एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), दो पिस्तौल, 400 ग्राम विस्फोटक पाउडर, कारतूस व अन्य सामान बरामद किया था। आईईडी को एक टिफिन बॉक्स में छिपा कर रखा गया था।

शराब घोटाला: ईडी ने पूर्व आईएएस टुटेजा को किया गिरफ्तार

रायपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी अनिल टुटेजा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। शराब घोटाला मामले में बयान दर्ज करवाने के लिए पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और उनके पुत्र यश टुटेजा ईओडब्ल्यू-एसीबी कार्यालय पहुंचे थे जहां से टुटेजा की गिरफ़्तारी की गई है।

दरअसल कुछ दिनों पहले शराब घोटाला मामले में ईडी ने नई एफआईआर दर्ज की थी। उच्चतम नयायालय से श्री टुटेजा और उनके बेटे को राहत मिलने के बाद यह एफआईआर दर्ज की गई थी। छत्तीसगढ़ में ईडी ने शराब घोटाले की नए सिरे से जांच करने के लिए यह नया मामला दर्ज किया है। वित्तीय अपराधों की जांच करने वाली एजेंसी ने एक ईसीआईआर दायर किया है जो एफआईआर की तरह ही होता है। यह छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 17 जनवरी को दर्ज की गई एफआईआर पर आधारित है। इसमें श्री अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा सहित कई कांग्रेस नेताओं, नौकरशाहों और व्यापारियों सहित 70 लोगों को नामजद किया गया है। शीर्ष अदालत ने गत सोमवार को छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से संबंधित मामले में आरोपियों को बड़ी राहत दे दी। शीर्ष अदालत ने आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले को रद्द कर दिया और कहा कि शिकायत आयकर अधिनियम के अपराध पर आधारित थी, यह पीएमएलए के अनुसार शेड्यूल अपराध नहीं है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35^0
न्यूनतम : 24^0

मुफ्तखोर जेएनयू की सबसे बड़ी समस्या : कुलपति धूलीपुडी

छात्र अपने कोर्स की अवधि से ज्यादा रुकते हैं, बिना अनुमति गेस्ट आते हैं

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी की कुलपति शांतिश्री धूलीपुडी पंडित ने बताया कि यूनिवर्सिटी फ्रीलोडर्स यानी मुफ्-तखोरों से परेशान है। यहां कई स्टूडेंट अपने कोर्स की अवधि पूरी होने के बाद भी हॉस्टल में रह रहे हैं, वहीं कई अवैध मेहमान भी यहां रुके हुए हैं। कुलपति पंडित ने ये बातें एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहीं। उन्होंने बताया कि हॉस्टल एडमिनिस्ट्रेशन को सख्त हिदायत दी गई है कि किसी भी स्टूडेंट को पांच साल से ज्यादा हॉस्टल में न रहने दें। पंडित से पूछा गया कि ऐसे आरोप लगते हैं कि जेएनयू में टैक्सपेयर्स के पैसों पर कई मुफ्तखोर रह रहे हैं। इसके

जवाब में उन्होंने कहा कि ये बात बिल्कुल सही है। यूनिवर्सिटी में मुफ्तखोरों की संख्या बढ़ गई है।

पंडित खुद इसी यूनिवर्सिटी से पढ़ी हुई हैं। पंडित ने चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज से मास्टर्स करने के बाद 1985 से 1990 के बीच जेएनयू से एमफिल और पीएचडी किया था। उन्होंने कहा कि जब मैं स्टूडेंट हुआ करती थी, ये समस्या तब भी थी, पर अब ये बढ़ गई है। तब भी कई स्टूडेंट समय पूरा होने के बाद भी यहां रुकते थे, पर तब उनकी संख्या कम हुआ करती थी। जेएनयू में कुछ स्टूडेंट्स को सब कुछ मुफ्त और सब्सिडी पर चाहिए। जेएनयू की कैंटीन लोकसभा की कैंटीन से सस्ती है, पर हमारे समय में टीचर्स काफी स्ट्रिक्ट हुआ करते थे। जब मैं पीसचडी कर रही थी, तो मेरी रिसर्च को सुपरवाइज करने वाले प्रोफेसर ने कहा था कि अगर तुमने साढ़े चार साल में अपनी रिसर्च पूरी नहीं की, तो तुम्हें यहां से जाना पड़ेगा। मुझे पता था कि प्रोफेसर मेरी फेलोशिप को एक्सटेंड करने की एप्लिकेशन पर साइन नहीं करेंगे। तब से अब तक हालात काफी बदल गए हैं। कई प्रोफेसर अब इस तरह के एक्सटेंशन की इजाजत दे रहे हैं। इसलिए मुफ्तखोरों की संख्या बढ़ गई है।

पंडित ने कहा कि कैंपस में ऐसे लोग भी हैं जो अवैध गेस्ट हैं, जो जेएनयू के स्टूडेंट नहीं हैं, पर यहां रह रहे हैं। वे या तो यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं, या किसी और एग्जाम की। ऐसे लोगों के लिए जेएनयू रहने की सबसे सस्ती जगह है। जबकि साउथ-वेस्ट दिल्ली में आपको रहने की ऐसे कई जगहें मिलेंगी, जहां हरियाली हो और ऐसे ढाबे हों जहां सस्ता खाना मिलता हो।

कुलपति ने कहा कि हम इस परेशानी को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। रूम के अंदर जाना तो हमारे लिए बहुत मुश्किल है, पर हम नियमों का पालन करते हुए किसी के रूम में दाखिल होते हैं। हम स्टूडेंट की अच्छाई पर भी यकीन करते हैं और उम्मीद करते हैं कि अगर वे किसी गेस्ट को लेकर आते हैं तो कम से कम हमें सूचना दें। उन्होंने कहा कि हमने हॉस्टल एडमिनिस्ट्रेशन को भी सख्त हिदायत दी है कि किसी स्टूडेंट को पांच साल से ज्यादा समय लिए रहने न दें।

द पॉवर ऑफ सेल्फ क्लोथिंग एंड ग्रूमिंग कार्यशाला

कपड़ों के बिना फैशन की कल्पना भी नहीं की जा सकती: अपर्णा एस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट सेंटर फॉर एक्सिलेंस के तहत एलिगेंस विद एक्स्पर्टीज डिस्कवर द पॉवर ऑफ सेल्फ क्लोथिंग एंड ग्रूमिंग कार्यशाला कोरमंगला स्थित द ऐटिक ग्रे स्टूडियों में अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में आयोजित हुई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य फैशन के मायने समझना और उसे सही तरीके से उपयोग में लाना था।

फैशन डिजाइन कपड़ों और एक्सेसरीज पर डिजाइन और सौंदर्य को साकार करने की कला है। जो सांस्कृतिक और सामाजिक व्यवहार से प्रभावित होते हैं और समय और जगह के साथ बदलते रहे हैं। मिलान फैशन इंस्टिट्यूट से स्नातक, देश-विदेश के नामी-गिरानी ब्रांड्स के साथ कार्य करने वाली ऐटिक ग्रे स्टूडियो की संस्थापिका अपर्णा एस ने कहा कि कपड़ों के बिना फैशन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह निसंदेह फैशन डिजाइनिंग में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। कपड़े मौलिक हैं क्योंकि फैशन डिजा-इनिंग प्रक्रिया में पहनावे का निर्माण कपड़े के एक टुकड़े से शुरू होता है। कपड़े और बनावट का सही चयन पूरे परिधान के लिए टोन सेट करता है। यह एक कला है और कल्पना शक्ति से आगे बढ़ती हुए हमारी रचनात्मकता को बढ़ाती है। हर प्रकार के डील-डौल व्यक्तित्व को फैशन सूट करता है यदि वह सही तरीके से हो। उपस्थित सदस्यों के रुझान को देखते हुए अपर्णा ने अपने व्यवसाय की कहानी साझा करते हुए कहा अब तक कई देश- विदेश ब्रांड और डिजाइनर के साथ कार्य करते हुए आज यह मुकाम हासिल हुआ है। सदस्यों को इस व्यवसाय में आने की प्रेरणा देते हुए कहा कि कपड़ा एक ऐसी चीज है जिसमें हम महिलाएँ कमाल कर सकती है। जिसमें भारत इस हद तक फल-फूल रहा है कि हर राज्य, हर जिले की अपनी विशिष्ट पोशाक शैली और उससे जुड़ी एक अलग संस्कृति सबको लुभा रही है। हर कोई चाहता है कि उसका स्टाइल और लुक ऐसा हो, जिससे वह न सिर्फ सबके दिल पर छा जाए बल्कि अपनों का मन भी मोह ले। सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट ग्लॉस एंड ग्लास की संस्थापिका गीता ने कहा कि सब से पहले हमें अपनी पर्सनालिटी, स्किन टाइप, बालों का टैक्स्चर, कलर, आईब्रोज शेप और फेस कट को परखना चाहिए। अगर इस में कहीं किसी तरह की कमी है, तो ऐक्सरसाइज और स्किन केयर रूटीन में आना चाहिए। ताकि मेकअप से पहले स्किन और जवां व निखरी निखरी दिखाई दे। मेकअप करना हर लड़की का हक भी होता है जो हमारे फीचर्स को शार्प करने के साथ ही चेहरे पर एक अलग ग्लो ले आता है। मेकअप कई तरह का होता है। डे मेकअप, नाइट मेकअप, नॉर्मल मेकअप और पार्टी मेकअप आदि। सही मेकअप करके आप अपने लुक्स से हर पार्टी की जान बन सकती हैं।

इनका रहा सहयोग

गीता ने दो सदस्यों पर प्रायोगिक मेकअप करते हुए सभी को सुझाव दिया कि एक समय में 1 से 2 बेसिक चीजों को शामिल करके धीरे-धीरे शुरुआत करें। उदाहरण के लिए, आप कंसीलर और फाउंडेशन से शुरुआत कर सकते हैं। फिर आप मस्कारा और प्राइमर को अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकती हैं। अंत में ब्लशर और लिप उत्पाद। बस आपको अपनी स्किन टाइप के बारे में पता होना बेहद जरूरी है। उस हिसाब से प्रयोग करते जाये। पूर्व अध्यक्ष मधु डोशी ने अपने विचारों को साझा करते हुए सदस्यों को प्रशिक्षण से आर्थिक सुदृढ़ता की ओर एक कदम की प्रेरणा दी। जीतो की ओर से प्रशिक्षक का सम्मान किया गया। प्रशिक्षकों का परिचय एवं संचालन संयोजिका सुमन रांका एवं सह-संयोजिका सारिका जैन ने दिया। कार्यशाला का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। रत्नी बाई मेहता, मेंटर सरिता खिंवेसरा, कार्यसमिति सदस्य सूर्यकला सियाल, साधना धोका, सुमन सिंघवी, जिग्ना कपासी, संगीता मुथा का सहयोग रहा। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने विश्व विरासत दिवस मनाया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने शुक्रवार को विश्व विरासत दिवस मनाया। हुब्बल्ली और मैसूरु रेल संग्रहालय में रेलवे प्रणाली की समृद्ध विरासत को उजागर करने वाली आकर्षक गतिविधियों की एक श्रृंखला के संबंध में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत रेलवे विरासत पर केंद्रित एक ज्ञानवर्धक सेमिनार के साथ हुई, जिससे उत्साही लोगों को आकर्षित किया गया। हमारी सांस्कृतिक विरासत के इस अभिन्न पहलू के संरक्षण और सराहना की आवश्यकता पर बल देते हुए, रेलवे के ऐतिहासिक महत्व को बच्चों के साथ साझा किया गया। हुब्बल्ली और मैसूरु रेल संग्रहालय में सेमिनार के बाद, रेलवे विरासत पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगियों ने पूरे रेलवे इतिहास से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए रेलवे के प्रति अपने ज्ञान और जुनून का प्रदर्शन किया। उनके असाधारण प्रदर्शन की मान्यता में, विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिससे नई पीढ़ी को रेलवे विरासत को संजोने और उसका जश्न मनाने की प्रेरणा मिली। मैसूरु में वेनिस चार्टर के लेंस के माध्यम से आपदाएं और संघर्ष विषय पर केंद्रित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एक गोलमेज चर्चा हुई जहां विरासत संरक्षण के क्षेत्र के विशेषज्ञ संरक्षण के लिए विरासत संपत्तियों के दस्तावेजीकरण के महत्व पर जोर देने के लिए एकत्र हुए। मैसूरु मंडल रेल प्रबंधक शिल्पी अग्रवाल ने मैसूरु में आयोजित ड्राइंग, पेंटिंग और क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

धर्म को प्राप्त करके ही बना जा सकता है धर्मी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जारी नवपद जी को ओली आराधना के छठे दिवस साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि सम्यग् दर्शन पद की आराधना के लिए उसके बारे में जानना आवश्यक है। पिछले 5 दिन तक हमने देव और गुरु तत्व की आराधना की और धर्म तत्व की आराधना प्रारम्भ हुई। धर्म को प्राप्त करके ही धर्मी बना जा सकता है। धर्म तत्व में पहला सम्यग् दर्शन है, जिसके बिना सभी प्रकार का ज्ञान मिथ्या ज्ञान कहलाता है। किसी भी प्रकार की क्रिया मिथ्या कहलाती है। इसलिए सबसे जरुरी और मुख्य तत्व है सम्यग् दर्शन। हमारे हृदय में देव गुरु के प्रति अखंड श्रद्धा जब प्रकट होगी तब हम सम्यक्तवी कहलायेंगे। सम्यक् दर्शन यानि विचारों का शुद्धिकरण, अध्यवसायों का निर्मलीकरण, भावनाओं का उर्ध्विकरण, सम्यक दर्शन आते ही संसार के प्रति मोह कम हो जाता है और संयम त्याग धर्म क्रिया आराधना की भावना होने लगती है। सम्यग् दर्शन ऐसा पद है जिसके बिना शुरू के पांच पदों में से कोई भी पद प्राप्त नही हो सकता। इसलिए मूल तत्व यही कह सकते है। हमें केवल धर्म के प्रति राग रखना है। संसार के प्रति राग वालों को संसार ही दिखता है। धर्म के प्रति राग वालों को मोक्ष दिखता है। सम्यग् दर्शन की प्राप्ति के बाद हम कह सकते हैं कि मैं मोक्ष में जाऊंगा। अर्थात् मोक्ष गति में रिजर्वेशन हो जाता है। हमारे हृदय में सम्यग् श्रद्धा विराजमान हो, देव गुरु धर्म की शुद्ध आराधना हमारे मन में रमती रहे। सम्यग् दर्शन आने के बाद हमारी भावना शुद्ध हो जाती है।

तहसील कार्यालय में मनाया भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रमण भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव (महावीर जयंती) समारोह हुब्बल्ली के तह-सीलदार कार्यालय में मनाया गया। इस दौरान तहसीलदार के आर पाटिल ने महावीर जन्म कल्याणक की बधाई देते हुए भगवान महावीर के जियो और जीने दो सिद्धांत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा भगवान महावीर सदैव अहिंसा और दुसरों का भला हो इसके लिए प्रेरित करते थे।

प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण समिति के सदस्य व ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन के अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने बताया कि 599 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुण्डलपुर में पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के यहाँ तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को वर्धमान का जन्म हुआ। वही वर्द्धमान बाद में हमारे जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर श्रमण भगवान महावीर स्वामी बने। इस अवसर पर श्री जैन मरुधर संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल जैन, ट्रस्टी पारसमल भंसाली, दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र बिलगी, उपाध्यक्ष विमल तालिकोटि, स्थानकवासी समाज के अध्यक्ष उकचंद बाफना, कार्य अध्यक्ष गौतम भुरट, महामंत्री प्रकाश कटारिया, कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा, महावीर लिंब सेंटर चेयरमैन गौतम गोलेछा, संतोष पाटिल, अभय सूजी, अजित सिरगूपी, अरहन तालिकोटि, भारत जैन, महामंडल हुब्बल्ली के अध्यक्ष व् विश्व हिन्दू परिषद हुब्बल्ली महानगर जिला सेवा प्रमुख सुभाष चंद्र डंक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। समारोह के पश्चात तहसीलदार के आर पाटिल ने सभी का आभार जताया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयनगर क्लब रोड में डॉक्टर शंकर लिंगेया के नेतृत्व में निशुल्क स्वास्थ्य परिक्षण शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया। डॉ शंकर लिंगेया एवं उनकी टीम ने सेवाएं दी। जिससे सैकड़ों जरूरतमंद लाभान्वित हुए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने चिकित्सकों को सम्मानित किया।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भगवान महावीर स्वामी के 2623 वें जन्म कल्याणक महोत्सव के तहत श्री सिटी बहु मंडल चिकपेट द्वारा फ्रीडम पार्क में डॉ. नरपत सोलंकी एवं उनके सहयोगियों के कुशल नेतृत्व में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के सदस्यों ने नेत्र परीक्षण कराया। बहु मंडल अध्यक्षा प्रमिला डूंगरवाल, मंत्री सुनीता मार्लेचा, मार्गदर्शिका सुमित्रा कोठरी एवं समस्त सदस्यों के सहयोग से सम्पूर्ण कार्यक्रम बड़ी सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। जीवराज, पारसमल, मनीष मरलेचा एवं चेतन प्रकाश, शांतिलाल डूंगरवाल परिवार कार्यक्रम के प्रायोजक थे।

जन्म कल्याणक पर कई कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री पौषधशाला भवन चामराजपेट में श्री महावीर जन्म कल्याणक दिवस पर विविध धार्मिक कार्यक्रमों के तहत तप, त्याग, सामायिक साधना और ज्ञान आराधना के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रातः सात से आठ बजे तक प्रार्थना और स्वाध्याय श्रावक दानमल लोढ़ा ने सम्पन्न कराया। महेन्द्र बांठिया द्वारा दैनिक धार्मिक कक्षा ली गई।

9 से 12 तक श्रमण भगवान श्री महावीर स्वामी के जीवन चरित्र और उपदेशों पर विवेचन चला। 9 से 10 तक प्रवचन चला।

उसके बाद श्रावक ज्ञानराज मेहता, दुलीचंद टोडरवाल, ताराचंद लुणावत, सुनील दलाल आदि कई लोगों ने श्रमण भगवान श्री महावीर स्वामी के जीवन और सिद्धांतों पर अपने अपने विचार रखे।

महावीर जन्म कल्याणक पर निकाला भव्य वरघोड़ा

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। भगवान महावीर का 2623वां जन्म कल्याणक बड़ी धूमधाम से श्रद्धा भक्ति के साथ गदग में मनाया गया। रविवार सुबह मुलगूंद नाका में स्थित महावीर सर्किल से भव्य वरघोड़ा पूज्य आचार्य हिरचंद्र सुरिश्वर की निश्रा में निकाला गया। कुशलधाम दादावाड़ी, गुजराती मंदिर, स्टेशन मार्ग स्थित पार्श्वनाथ मंदिर में दर्शन वंदन कर भगवान महावीर गौशाला पहुंच कर वरघोड़ा धर्मसभा में तब्दील हो गया। वहां पर कई लोगों नें गौशाला में सहयोग दिया। वरघोड़े में पूजा के वस्त्र में युवा सदस्य भगवान की पालकी लिए चल रहे थे। जगह जगह पर रंगोली द्वारा वरघोड़े का स्वागत किया गया। वरघोड़े में बडी संख्या में पुरुष महिला व बच्चे पारंपरिक वेश भूषा में सज धज कर शामिल हुए।

लोकसभा चुनाव 2024 : कांग्रेस ने भाजपा के उम्मीदवार वाडियार के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन में रिश्वतखोरी में कथित संलिप्तता के लिए भाजपा के मैसूरु-कोडागु लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज की है। शनिवार को कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे एक पत्र में, केपीसीसी ने आरोप लगाया कि वाडियार ऐसे कार्यों में लगे हुए हैं जो एमसीसी का घोर उल्लंघन करते हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। वाडियार ने अपने चुनावी अभियान के लिए समर्थन और प्रभाव मांगने के स्पष्ट उद्देश्य से सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर कई प्रभावशाली हस्तियों के साथ एक बैठक आयोजित की है। इस बैठक के दौरान, जो गुप्त रूप से आयोजित की गई थी, वाडियार ने इन प्रभावशाली लोगों को व्यक्तिगत नोटबुक, पेन, चॉकलेट, साड़ी और मिठाइयाँ सहित भौतिकवादी प्रलोभन का प्रस्ताव देकर प्रभावित करने के गंभीर प्रयास किए। पत्र में कहा गया है कि इस बैठक का सबसे चिंत-ाजनक पहलू इन प्रभावशाली लोगों को उनकी उम्मीदवारी के स्पष्ट समर्थन और प्रचार के बदले में पर्याप्त मात्रा में धन का निर्लज्ज वितरण था। पत्र में आरोप लगाया गया कि प्रभावशाली लोगों को पैसे बांटने का यह निंदनीय कृत्य न केवल स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, बल्कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और भारतीय दंड संहिता के तहत एक गंभीर अपराध भी है। केपीसीसी ने चुनाव निकाय से इस मामले में गहन और निष्पक्ष जांच शुरू करने और एमसीसी और संबंधित चुनावी कानूनों का उल्लंघन करने के दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

महावीर जयंती पर गौशाला में सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रमण भगवान श्री महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री एंवता बाल मंडल शूले द्वारा जीव दया के तहत गौशाला में गायों और कबूतरों के लिए घास एवं धान वितरित किया गया। व्यवस्थापिका तारा बाई सांखला ने बताया बच्चों ने अपने जेब खर्च को इकट्ठा कर दान राशि संग्रहीत की थी। कोरमंगला स्थित गौशाला में गायों को चारा और कबूतरों को दाना दिया गया। धार्मिक टीचर शीतल गादिया जैन ने बताया कि हर शनिवार को सायंकाल बच्चों की धार्मिक कक्षा में शूले के अनेक बालक बालिकाएं उत्साह पूर्वक भाग लेती हैं। कर्नाटक स्वाध्याय संघ के सहयोग से शूले स्थित श्री महावीर जैन स्थानक भवन में 25 अप्रैल से दस दिवसीय धार्मिक बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

कांग्रेस की गारंटी समुदाय विशेष के गुंडों द्वारा किए गए उत्पीड़न और हमले की रक्षा करना: येदियुरप्पा

भूलकर जनविरोधी सरकार चला रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की गारंटी समुदाय विशेष के गुंडों द्वारा किए गए उत्पीड़न और हमले की रक्षा करना है। लोगों की जान लेना और उन्हें दिवालिया बनाना सरकार की उपलब्धि है। उन्होंने कांग्रेस के विज्ञापन के जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की और अपने पूरे भाषण में कांग्रेस सरकार पर आरोपों की झड़ी लगा दी। सरकार लुटेरों और आतंकवादियों को सहायता और बढ़ावा दे रही है। साम्प्रदायिक शांति का उद्यान कर्नाटक एक ही वर्ष में कट्टरपंथियों की रणभूमि में तब्दील हो गया है। उन्होंने सिद्धरामैया सरकार पर कट्टर शक्ति को अपने शासन का हिस्सा बनाने का गंभीर आरोप लगाया। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद प्रदेश में हत्या, रंगदारी, हिंसा और उत्पीड़न का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। तुष्टीकरण की नीति के फलस्वरूप सरकार स्वयं समुदाय विशेष के गुंडों को संरक्षण की गारंटी दे रही है। उन्होंने सवाल किया कि लोगों के शांतिपूर्ण जीवन की गारंटी कौन देगा? मांड्या की दीवार पर हनुमान ध्वज को झुकाना, पाक समर्थक नारे, छात्रा नेहा की हत्या, जयश्रीराम के नारे पर हमला, हर्षिता पुत्राच दम्पति का बलात्कार, उडुपी कॉलेज में छात्रों का वीडियो मामला, ये सब कांग्रेस सरकार के दौरान हुआ। उन्होंने विरोध किया कि महिलाओं, बच्चों ने जीवन की उम्मीद खो दी है। गैंगस्टरों, आतंकवादियों का उत्पात दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। हालांकि उनके जीवन की कोई गारंटी है। सरकार में कन्नडिगाओं के जीवन की कोई गारंटी नहीं है। यह इंसानियत, मानवता विहीन सरकार है। पत्थर की सरकार है। वे विकास को पूरी तरह भूलकर जनविरोधी सरकार चला रहे हैं। सरकार पूरी तरह से दिवालिया हो चुकी है। एक भी विकास कार्य नहीं हो रहा है। सत्ता में आने के बाद एक किलोमीटर भी सड़क नहीं बनी। सिंचाई परियोजनाएं पूरी तरह से ध्वस्त हो गई हैं। हर जगह लोग फटकार लगा रहे हैं। येदियुरप्पा ने आलोचना की कि तुगलक दरबार चल रहा है। कांग्रेस नेताओं को पता है कि बीजेपी-जेडीएस गठबंधन राज्य की 28 में से 28 सीटें जीतेगा। इस प्रकार वे भ्रामक विज्ञापन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को इन सब बातों से कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस नेता इस उम्मीद में हैं कि लोकसभा चुनाव में वे 20 सीटें जीतेंगे। उन्होंने चुनौती दी कि कम से कम 4 से 5 लोकसभा क्षेत्रों के नाम बताएं जहां आप 28 निर्वाचन क्षेत्रों में से जीत सकते हैं। आप इस भ्रम में हैं कि आपकी जीत निश्चित है। लेकिन असल तस्वीर कुछ और ही है। उन्होंने कहा कि जनता आपके झूठे प्रचार को स्वीकार नहीं करेगी। कराधान के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने खुद कहा है कि केंद्र ने कर्नाटक को कितना अनुदान दिया है। इसके अलावा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पहले ही यह स्पष्ट कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इस बारे में अमित शाह सोमवार को बात करेंगे।

गुंडों का गारंटर कौन है?

पूर्व केंद्रीय मंत्री सदानंद गौड़ा ने कहा, हम एक विशेष काल में हैं। यह चुनाव आतंकवादी और हिंदू धार्मिक रीति-रिवाजों के खिलाफ जा रहा है। हिंदुओं को तीसरे दर्जे का नागरिक माना जाता है। उन्होंने समुदाय विशेष के कट्टरपंथियों और आतंकवादियों को अपने काम करने का तरीका बना लिया है। कुकर ब्लास्ट से लेकर सब कुछ है। सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार उनके पक्ष में हैं। कर्नाटक विश्व मानव का संदेश देने वाली भूमि है। कर्नाटक में ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि कोई भी महिला वोट देने नहीं आएगी। गुंडों का गारंटर कौन है? जो हिंदुओं पर सवारी करते हैं? शनिवार को मोदी आये तो कुछ बोले। हमारा लक्ष्य जीवन को आश्वस्त करना है। इस चुनाव से बहुत बड़ा संदेश जाना चाहिए।

अगले दो दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में पूर्वी मॉनसून की बारिश फिर से शुरू हो गई है और पिछले दो दिनों से कई हिस्सों में छिटपुट बारिश हो रही है और अगले दो दिनों तक जारी रहेगी। वातावरण में जाल के परिणामस्वरूप, आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, और शाम और रात में छिटपुट गरज, बिजली और तूफानी बारिश की संभावना बढ़ जाएगी। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। लेकिन मौसम विभाग ने कहा कि राज्य भर में व्यापक बारिश नहीं होगी। राजधानी बेंगलूरु समेत राज्य के अधिकांश जिलों में बारिश का अनुमान है। शनिवार को तटिय कारवार 8, गोकर्ण 10.3, मुंडगोडा 6.4, अलियाला 3.2, होन्नावारा 2.8 और सिद्धपुर 1.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा गदग 65.5, कलबुर्गी 86.4, हुक्कनूर 49, शिगावी 37.5, कलबुर्गी 31.7, शिरहट्टी 26.6, अब्जलपुरा 13.5, कलागतगी 16.6, हुब्बल्ली 10.5, यालाबुर्गा 10, मुदागल 4.8, बिलागी 3.5, हावेरी 2.2, बादामी 1.6, मगदी 1.8 और अनावत्ती में 1.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई। अन्य जगहों पर कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की खबर थी।

जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में व्यापारी और पत्नी गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला पुलिस ने जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में एक व्यापारी और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया है। रफीक बेपारी और उनकी पत्नी को एक पीड़िता पर बुर्का पहनने और माथे पर बिंदी न लगाने का दबाव डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एक गांव की एक विवाहित महिला ने सौंदत्ती पुलिस से शिकायत की थी कि उसे सात लोगों ने फंसाया था, जिन्होंने उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की। जिस महिला की शादी को 10 साल हो गए थे, उसने नौकरी के लिए रफीक से संपर्क किया था। उसने मुझसे नौकरी दिलाने का वादा किया और मुझे बेलगावी ले आया। फिर उन्होंने मुझ पर धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव डाला। एसपी भीमा शंकर गुलेड़ ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

तैराकी के दौरान नेत्रावती नदी में डूबा लड़का

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। करकला में स्थित नेत्रावती नदी में तैरने गया एक लड़का शनिवार की शाम काद-शवालया के पास नेचाबेट्टू में डूब गया। मृतक स्थानीय निवासी साहिर का पुत्र सुहैल (13) है। वह केमैन पालिके स्कूल में पढ़ रहा था और उसने सातवीं कक्षा पास कर ली थी। बताया जा रहा है कि सुहैल ने नेचाबेट्टू स्थित अपने घर के पास शादी समारोह में हिस्सा लिया था और फिर अपने दोस्तों के साथ तैरने के लिए नदी में गया था। इसी दौरान यह हादसा हुआ। कुछ युवक नदी के किनारे क्रिकेट खेल रहे थे और उन्होंने मदद के लिए सुहैल के दोस्त की चीखें सुनीं। वे दौड़े और सुहैल को नदी से बाहर ले आए। हालांकि, प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तब तक वह मर चुका था। सुहैल के शव को पोस्टमार्टम के लिए बंटवाल सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। बंटवाल ग्रामीण पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस किसी भी हद तक जा सकती है: जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि राज्य सरकार लव जिहाद के पक्ष में है। वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस किसी भी हद तक जा सकती है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने सलाह दी कि समाज को तैयार रहना चाहिए और बहुत सावधान रहना चाहिए। सीएम, डीसीएम, गृह मंत्री तुष्टिकरण की नीति के कारण कुछ नहीं कर रहे हैं। उन्होंने उन पर वोट बैंक की राजनीति के लिए गैरजिम्मेदाराना बयान देने का आरोप लगाया। मंत्री जोशी ने कहा कि आरोपी ने नेहा का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की। लेकिन उनके पिता ने उनसे कहा था कि वह सहमत नहीं हैं। आरोपी फैयाज ने नेहा का धर्म परिवर्तन कराकर उससे शादी करने की कोशिश की। नेहा ने इसका कड़ा विरोध किया था। मंत्री जोशी ने कहा कि नेहा के पिता निरंजन हिरेमथ ने खुद मुझे बताया है कि जब वह नहीं माने तो आरोपी ने हत्या कर दी। कांग्रेस पार्षद की बेटी के मामले में भी आप ऐसा व्यवहार कर रहे हैं, तो आम लोगों की क्या गति होगी? जोशी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने प्रदेश को इतनी बुरी स्थिति में पहुंचा दिया है। दिनदहाड़े नेहा को नौ-दस बार चाकू मारकर हत्या करने का मंजर देखने के बाद भी इन कांग्रेसियों को कोई दया नहीं आई। जोशी ने नेहा के परिवार को न्याय दिलाने की जरा सी भी जिम्मेदारी न होने पर सरकार को आड़े हाथों लिया। डीजे हल्ली-केजे हल्ली, रामेश्वर कैफे बम विस्फोट, पाकिस्तान जिंदाबाद की घोषणा, उडुपी शौचालय कैमरा मामला आदि सभी घटनाओं में उनकी तुष्टिकरण की नीति अत्यधिक है। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे लोगों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया है।

राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त : आर अशोक

नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए सीएम दें इस्तीफा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गयी है। हुब्बल्ली में कांग्रेस पार्षद की बेटी नेहा की हत्या कर दी गई और पिता की मदद नहीं की जा रही है। ₹

उन्होंने मांग की है कि सीएम सिद्धरामैया को नैतिक जिम्मेदारी के तौर पर इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से एनडीए उम्मीदवार डॉ. सी.एन मंजूनाथ के लिए चुनाव प्रचार में भाग लिया और फिर एक संवाददाता सम्मेलन में बात की। राज्य में तालिबान सरकार शासन कर रही है। इस सरकार में समुदाय विशेष के कट्टरपंथियों का बहुत सम्मान किया जाता है। जय श्रीराम का मतलब है कि मोदी के बारे में गाओगे तो पिटोगे। उन्होंने कहा कि वे पाक जिंदाबाद कहने वालों को बिरयानी के साथ पास भी देंगे। सांसद डीके सुरेश की रैली में कुछ लोगों ने पाकिस्तान जय के नारे लगाए। लेकिन डीके सुरेश बिना कुछ बोले वहीं खड़े रहे। वह पहले ही देश को तोड़ने की बात कह चुके हैं।

उन्होंने कहा कि भारत माता से प्रेम करने वाले बेंगलूरु देहात के लोग उन्हें सही सबक सिखाएंगे। हुब्बल्ली की घटना को देखकर साफ है कि कॉलेज परिसर में कोई सुरक्षा नहीं है। नेहा के पिता कांग्रेस पार्षद ने हत्या को लव जिहाद बताया है। परिवार ने कहा कि अगर कांग्रेस नेता इस तरह की बातें करेंगे तो वे आत्महत्या कर लेंगे। हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने इस पर पर्दा डालने की कोशिश में इसे एक प्रेम मामला बताया। रामेश्वरम कैफे की घटना एक आतंकवादी गतिविधि थी। कुकर बम फोड़ने वाले को भाई कैसे कहेंगे डीके शिवकुमार? उन्होंने सवाल किया कि ओक्कालिगा नेता होने का दावा करके वोट मांगना कैसे संभव है। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री एक जिम्मेदार पद पर हैं और बयान देने के बाद माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के नेता अपने कार्यकर्ताओं को पीछे छोड़ देंगे। राहुल गांधी हारने के बाद विदेश जरूर जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आई, आतंकवाद आया, नक्सल आया, बम आया। हिंदुओं की रक्षा करने की शक्ति केवल शक्तिमान नरेंद्र मोदी में है। मोदी सरकार आने के बाद आतंकवाद पर लगाम लगी है। लोग तय करेंगे कि उन्हें बेंगलूरु देहात में मंजूनाथ चाहिए या पत्थर दिल डीके सुरेश। हालांकि उन्होंने दावा किया कि मंजूनाथ तीन लाख के अंतर से जीतेंगे।

शिवकुमार, कुमारस्वामी के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है और नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है, चुनाव आयोग अलर्ट पर है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और जद (एस) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के खिलाफ चुनाव आयोग ने अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग कारणों से मामला दर्ज किया है। कुमारस्वामी के खिलाफ डीके सुरेश के खिलाफ व्यक्तिगत दुर्व्यवहार के आरोपों के संबंध में तुमकुर जिले के गुब्बी तालुक में स्थानीय पुलिस स्टेशन में फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा बेंगलूरु के आरआर नगर में अपार्टमेंट मालिकों को संबोधित करते समय आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए शिवकुमार के खिलाफ बेंगलूरु में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

इंडि गठबंधन में दोस्त कौन हैं और दुश्मन कौन पता नहीं: देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले भारतीय गठबंधन की आलोचना करते हुए इसे एक दिखावा बताया है। यह गठबंधन की स्थिति को स्पष्ट रूप से बताता है। अखबारों की सुर्खियों पर नजर डालते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि भारत गठबंधन के सहयोगी और दुश्मन कौन हैं। गौड़ा ने अपने पोस्ट के साथ अखबारों में छपे अहम बिंदुओं को टैग किया और आलोचना की। भारतीय गठबंधन के सहयोगी दलों के नेताओं के विरोधाभासी बयान देने पर गौर करने के बाद गौड़ा ने इस तरह की प्रतिक्रिया दी है।

हुब्बल्ली हत्याकांड का मामला

राजनीतिकरण करने की भाजपा की कोशिश नहीं होगी सफल: सतीश जारकीहोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा हुब्बल्ली हत्याकांड का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रही है। लेकिन यह कांग्रेस की संभावनाओं को कम करने में सफल नहीं होगा। मंत्री और कांग्रेस नेता सतीश जारकीहोली ने रविवार को हुक्केरी में यह बात कही। उन्होंने कहा यह पहली बार नहीं है कि भाजपा इस तरह की घटना का राजनीतिकरण कर रही है। वे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं। लेकिन जब उनके शासनकाल में ऐसा कुछ होता है तो वे इसे नजरअंदाज कर देते हैं। उत्तर प्रदेश में मनीषा वाल्मिकी के बलात्कार और हत्या पर उन्होंने आवाज नहीं उठाई। कर्नाटक में भाजपा शासन के दौरान, विजयपुरा जिले में गंगम्मा नामक एक महिला को इसी तरह का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने इसके बारे में बात नहीं की। वे राजनीतिक लाभ के लिए कई समस्याओं का उपयोग करते हैं। लेकिन वे सफल नहीं होंगे। भाजपा के इस अभियान के बारे में पूछे जाने पर कि 'कांग्रेस शासन में हिंदू लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं, उन्होंने कहा कि यह भी भाजपा की पुरानी राजनीतिक चालों में से एक है। लेकिन ऐसी चालें काम नहीं करेंगी। राज्य तीव्र गति से विकास कर रहा है और कांग्रेस जैसे कल्याणकारी उपायों की गारंटी देती है। मुझे यकीन है कि लोग भाजपा के झूठ को समझ जायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा हुब्बल्ली मामले को चुनावी मुद्दा बनाने से कांग्रेस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि लोग भावनात्मक प्रचार के लिए नहीं बल्कि वास्तविक मुद्दों के लिए वोट करेंगे। यह एक जघन्य अपराध है जिसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। अपराधी को कानून के मुताबिक अधिकतम सजा मिलनी चाहिए। हालाँकि, यह दो व्यक्तियों के बीच की समस्या है, कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं। हत्या और चुनाव के बीच कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा पुलिस की जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी। इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है कि चुनाव के बाद कांग्रेस सरकार गिर जाएगी। यह सब भाजपा का बेबुनियाद प्रचार है। उन्होंने कहा उन्होंने पहले भी ऐसा प्रचार किया है और विफल रहे हैं। हमारे पास अपेक्षित बहुमत है और हम अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। भाजपा यह भी झूठ फैला रही है कि लोकसभा चुनाव के बाद गारंटी बंद हो जाएगी। गारंटी के बारे में भाजपा के बड़बोलेपन का दिलचस्प असर हुआ। इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि उन्होंने गारंटी योजनाओं को व्यापक प्रचार दिया। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी और कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका जारकीहोली के चिक्कोडी से जीतने की प्रबल संभावना है। तीन दशकों से अधिक समय से जारकीहोली परिवार लोगों के साथ है। मुझे यकीन है कि हमारी अगली पीढ़ी भी ऐसा ही करती रहेगी। प्रियंका जारकीहोली पहले से ही सतीश जारकीहोली फाउंडेशन और अन्य संगठनों में धर्मार्थ कार्यों को संभाल रही हैं। उन्होंने कहा, अगर वह चुनी गईं तो वह अपनी सामाजिक और राजनीतिक जिम्मेदारियों को पर्याप्त रूप से निभाएंगी।

हम इसे और विकसित करेंगे

वह पिछले 4-5 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं और गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रही हैं। वह न केवल इसे जारी रखेंगी, बल्कि राजनीतिक शक्ति का उपयोग करके निर्वाचन क्षेत्र के विकास और लोगों के कल्याण के लिए भी कड़ी मेहनत करेंगी। चिक्कोडी का विकास पूर्व मंत्री प्रकाश हुक्केरी जैसे नेताओं के प्रयासों के कारण हुआ है। हालांकि, इसे और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है। अगर हम चुने गए तो हम इसे और विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जो गरीबों और राज्य के विकास का समर्थन करती है। यह हमारे कार्यों में परिलक्षित होता है। उनका मानना है कि जिले में कोई मोदी लहर नहीं है। यह मोदी फैक्टर और कांग्रेस की गारंटी के बीच लड़ा जाने वाला चुनाव नहीं है। उन्होंने कहा यह लड़ाई दो उम्मीदवारों के बीच है।

हुब्बल्ली हत्याकांड के आरोपियों को पकड़ने वाली पुलिस टीम का अभिनंदन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हुब्बल्ली धारवाड़ शहर की पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार ने पुलिस अधिकारियों की उस टीम को सम्मानित किया है जिनकी त्वरित कार्रवाई के कारण हालिया हत्या मामले में आरोपियों की सफल गिरफ्तारी हुई। कमिश्नर ने उस टीम के प्रत्येक सदस्य को कॉप ऑफ द मंथ का पुरस्कार दिया, जिसने फैयाज बाबासाहेब (23) को पकड़ा था, जो 18 अप्रैल को बीवीबी कॉलेज परिसर में नेहा हिरेमठ को बेरहमी से चाकू मारने के बाद भाग गया था। आरोपी का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए एसीपी शिवप्रकाश नायका और पुलिस इंस्पेक्टर डीके पाटिल के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। टीम ने वारदात के एक घंटे के अंदर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सुकुमार ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने टीम को 25,000 नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र दिया।

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिया निर्देश

अवैध अंग प्रत्यारोपण हो, तो रद्द करें अस्पताल का लाइसेंस

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे अवैध रूप से देश में चल रहे अंग प्रत्यारोपण के मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि जो भी अस्पताल अवैध रूप से अंग प्रत्यारोपण या अंग प्रत्यारोपण के लिए बने कानून का उल्लंघन करता पाया जाए, उसके लाइसेंस को रद्द किया जाए।

भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के डायरेक्टर जनरल डॉ. अतुल गोयल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस संबंध में पत्र लिखा है। इस पत्र में डॉ. गोयल ने कहा है कि सभी अंग

प्रत्यारोपण के सभी आंकड़े मासिक आधार पर राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के साथ साझा किए जाने चाहिए। इनमें देश के नागरिकों के साथ ही विदेशी नागरिकों के आंकड़े भी होने चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय का यह आदेश हरियाणा और राजस्थान में हुए अवैध अंग प्रत्यारोपण के रैकेट के खुलासे के बाद सामने आया है। जिसमें बांग्लादेश के लोग भी शामिल थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने पत्र में लिखा कि देश में विदेशी नागरिकों को होने वाले अंग प्रत्यारोपण के दर्ज मामलों में उछाल देखा गया है। ऐसे में इन मामलों की भी समीक्षा की जानी चाहिए। मानव अंग प्रत्यारोपण एवं ऊतक कानून के तहत राज्य द्वारा नियुक्त टीम को अपने-अपने राज्यों में विदेशी नागरिकों को हुए अंग प्रत्यारोपण के मामलों की जांच की जानी चाहिए है। पत्र में डॉ. गोयल ने ये भी लिखा कि कानून का उल्लंघन हो तो सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और अवैध अंग प्रत्यारोपण में शामिल अस्पताल का रजिस्ट्रेशन रद्द करने जैसी कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकार ने अंग दान देने वाले व्यक्ति और अंग दान लेने वाले व्यक्ति दोनों की आईडी बनाना अनिवार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही ऐसी व्यवस्था बनाने को कहा है, जिसमें सरकारी अधिकारी समय-समय पर अंग प्रत्यारोपण के मामलों की जांच और समीक्षा करते रहें। सरकार ने अंग प्रत्यारोपण के मामलों पर 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। बीती 4 अप्रैल को हरियाणा के गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने एक होटल पर छापा मारकर एक रैकेट का भंडाफोड़ किया था, जिसमें पैसे के बदले लोगों की किडनी निकालकर उन्हें मरीजों में प्रत्यारोपित किया जा रहा था। जयपुर के दो निजी अस्पतालों में यह रैकेट चल रहा था। इस मामले में बांग्लादेश के नागरिकों को पैसों का लालच देकर उनकी किडनी निकाली जा रही थी।

जनता की समस्याओं के समाधान के लिए केवल बात नहीं, प्रयास जरूरी: सुनेत्रा

बारामती, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र की बारामती लोकसभा क्षेत्र से राज्य में सत्तारूढ़ महायुति की उम्मीदवार सुनेत्रा पवार ने रविवार को कहा कि वादों और भाषणों की पारंपरिक राजनीति के दिन खत्म हो गये हैं तथा आम लोगों की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासों की जरूरत है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी- अजित पवार (राकांपा -एपी) के टिकट पर चुनाव लड़ रही सुश्री पवार ने कहा कि वर्तमान में न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरी दुनिया मानव जाति के अस्तित्व के लिए लड़ रही है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान में वृद्धि और पर्यावरण के खराब होने की समस्याएं मानव अस्तित्व के लिए खतरा हैं।

उन्होंने कहा कि इस पृष्ठभूमि में केवल जनसभाओं और संसद में दिये गये भाषण उपयोगी नहीं होंगे, बल्कि उन पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को ऐसे निर्वाचित प्रतिनिधियों की जरूरत है जो सिर्फ भाषण न दें, बल्कि जमीन पर उतरकर सभी आम लोगों की भागीदारी के साथ काम करें। उन्होंने आम लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए गैर सरकारी संगठनों और केंद्र तथा राज्य सरकारों से मिलकर काम करने का आह्वान किया।

सुश्री पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे नेता हैं जो आम लोगों की भावनाओं और अपेक्षाओं को जानते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने श्री मोदी के नेतृत्व को स्वीकार कर लिया है, क्योंकि वह जानते हैं कि अगर उन्हें पुरजोर समर्थन दिया जाये तो राज्य और उसके बाद देश का विकास संभव है।

आपदा राशि में कांग्रेस ने की बंदरबाट: कश्यप

शिमला, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कोटखाई का दौरा किया विभिन्न बैठकों में भाग लेते हुए उन्होंने कहा शिमला संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में महत्वपूर्ण कार्य हुए जिसमें से जुब्बल कोटखाई विधानसभा क्षेत्र को 200 करोड़ प्राप्त हुए। कांग्रेस भले केंद्र से भेजे गए पैसे का श्रेय लेना चाहे पर प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं।

श्री कश्यप ने कहा कि आपदा के समय केंद्र ने 1800 करोड रुपए हिमाचल प्रदेश को भेजें पर उसमें भी कांग्रेस पार्टी ने बंदर बांट का काम किया अपने चहेतों को वह राशि प्रदान की जो केंद्र से आई थी और जिनको जरूरत थी उनको एक रुपया भी प्राप्त नहीं हुआ, कांग्रेस सरकार भेदभाव के लिए जानी जाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार ने केवल एक साल में 15000 करोड़ का ऋण लिया और विकास के ऊपर एक भी पैसा नहीं खर्च किया, केवल मात्र छह सीपीएस और सात ओएसडी बनाकर अपने मित्रों को सुविधाएं देने का काम किया। यह सरकार केवल खाली खजाने का रोना रोती है, पर अपने कुप्रबंधन को नहीं दिखती।

उन्होंने कहा कि इस सरकार ने एक भी प्राइमरी स्कूल खोलने का कार्य नहीं किया है। अपितु भारतीय जनता पार्टी की पिछली सरकार ने जुब्बल कोटखाई क्षेत्र में दो एसडीएम कार्यालय, एक बीडीओ दफ्तर, एक फायर सबस्टेशन, एक तहसील दी। यह सभी निर्णय ऐतिहासिक रहे पर इस बदला बदली की सरकार ने केवल पूरे प्रदेश में 1000 से अधिक सरकारी संस्थाएं बंद करने का कार्य किया, जो की दुर्भायपूर्ण रहा। श्री कश्यप ने कहा की यह सरकार केवल मात्र जनता को असुविधा देने के लिए आई है, जब यह घर-घर वोट मांगने जाएंगे तो जनता इनको स्वीकार नहीं करेगी।

कम दूरी वाली मिसाइल के 6800 करोड़ के दो प्रोजेक्ट पर काम कर रही सेना

चीन-पाकिस्तान सीमा पर होगी तैनाती

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

चीन और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव के बीच भारतीय सेना कम दूरी की कंधे पर रखकर दागी जा सकने वाली मिसाइलों को विकसित करने की दो योजनाओं पर काम कर रही है। इन स्वदेशी वायु रक्षा प्रणालियों की लागत 6800 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की है। साथ ही सेना 500 से अधिक लॉन्चर और करीबन 3000 मिसाइलों को विकसित करने और खरीदने की योजना है। सेना इन लॉन्चर और मिसाइलों को आत्मनिर्भर भारत के तहत देशी रूट्स से खरीदा जाएगा।

रक्षा बलों के अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि सेना अन्य हितधारकों के साथ मिलकर पुरानी इग्ला-1एम मिसाइलों के स्थान पर नई मिसाइलें हासिल करने की प्रक्रिया भी शुरू की है। मिसाइल खरीद में देरी की वजह से रूस से इग्ला मिसाइलें खरीदने का फैसला किया गया था। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के पास वर्तमान में वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें एलआर होमिंग मार्गदर्शन प्रणाली से लैस हैं। इसमें कम दूरी की इग्ला-1एम मिसाइल प्रणाली भी है। इसे 1989 में शामिल किया गया था और 2013 में बदलने की योजना बनाई गई थी। रक्षा बलों के अधिकारियों ने बताया कि इस समय 4800 करोड़ रुपये की एक परियोजना पर काम किया जा रहा है। इसका ठेका हैदराबाद की एक सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई और एक निजी क्षेत्र की पुणे स्थित फर्म को दिया गया है।

इसके तहत इन कंपनियों को कम दूरी की मिसाइलों के लिए लेजर बीम विकसित करना है। इसका इस्तेमाल सेना सीमा पर शत्रु देशों के ड्रोन, लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टरों से निपटने में इस्तेमाल करेगी। इस परियोजना के तहत सेना और वायुसेना के लिए 200 लॉन्चर और 1200 मिसाइलें विकसित की जानी हैं। वहीं, दूसरी परियोजना के तहत इंफ्रा रेड आधारित मिसाइल के डिजाइन और विकास का अनुबंध सरकारी क्षेत्र की कंपनी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को दिया गया है। डीआरडीओ निजी क्षेत्र की अपनी दो रक्षा सहयोगी कंपनियों के साथ इस परियोजना पर काम कर रहा है।

आतंकवाद के बाद अब अपराध से जूझ रहा श्रीनगर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 21 अप्रैल।

जम्मू कश्मीर में 34 सालों से फैले आतंकवाद के दौर का एक खास पहलू यह था कि अन्य अपराधों को आतंकी हिंसा के बीच नजरअंदाज कर दिया गया था। पर अब इसके प्रति आंकड़े चौंकाने वाले हैं। यह कितने चौंकाने वाले हैं इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि पिछले पांच वर्षों से अधिक समय में, श्रीनगर जिले में कम से कम 455 अपहरण और बलात्कार के मामले और 63 हत्या के मामले देखे गए हैं।

उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, श्रीनगर जिले के पुलिस अधिकारियों ने 2019 से 31 जनवरी-2024 तक कम से कम 455 अपहरण और बलात्कार के मामले दर्ज किए हैं। अधिकारी ने यह भी कहा कि इस अवधि के दौरान, क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों ने अपराध शीर्ष हत्या के तहत कम से कम 63 मामले और अपराध शीर्ष आत्महत्या के प्रयास के तहत 170 आत्मघाती मामले दर्ज किए हैं। यह जानकारी जिला पुलिस श्रीनगर के जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) द्वारा कार्यकर्ता एम एम शुजा द्वारा दायर सूचना के अधिकार (आरटीआई) आवेदन

के जवाब में सामने आई थी।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पुलिस ने 2019 में श्रीनगर में आत्महत्या के प्रयास के तहत कम से कम 15 आत्मघाती मामले दर्ज किए हैं, इसके बाद 2020 में 26 मामले दर्ज किए गए हैं। वर्ष 2021 में ऐसे कम से कम 51 मामले, 2022 में 41 मामले और 2023 में 34 आत्मघाती मामले दर्ज किए गए। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि 2024 में जनवरी महीने के अंत तक श्रीनगर जिले में कुल तीन आत्महत्या के मामले दर्ज किए गए थे। अपहरण और बलात्कार के मामलों के बारे में, पीआईओ ने बताया कि जिला पुलिस श्रीनगर ने वर्ष 2019 में कम से कम 98 ऐसे मामले दर्ज किए हैं, इसके बाद वर्ष 2020 में 21 मामले दर्ज किए गए हैं।

इसमें यह भी कहा गया है कि श्रीनगर जिले में 2021 में अपराध मद के तहत अपहरण और बलात्कार के कम से कम 100 मामले दर्ज किए गए हैं और 2022 में क्रमशः 128 ऐसे मामले और 2023 में सौ मामले देखे गए हैं। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि 2024 में जनवरी महीने के अंत तक श्रीनगर जिले में अपहरण और बलात्कार के कुल आठ मामले दर्ज किए गए थे इसी तरह, पीआईओ ने उल्लेख किया है कि वर्ष 2019 में, श्रीनगर जिले में पुलिस ने कम से कम छह हत्या के मामले दर्ज किए हैं, इसके बाद 2020 में 13 मामले, 2021 में कम से कम 24 हत्या के मामले, 2022 में तेरह मामले और 2023 में छह मामले दर्ज किए हैं। पीआईओ ने आगे खुलासा किया है कि जनवरी-2024 में, जिले के पुलिस अधिकारियों ने अपराध प्रमुख हत्या के तहत केवल एक ऐसा मामला दर्ज किया है।

मणिपुर के 11 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान आज

इंफाल, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग (ईसीआई) ने भीतरी मणिपुर संसदीय क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर 22 अप्रैल को फिर से मतदान कराने का आदेश दिया है।

इंडिया समूह की अगुवाई कर रही कांग्रेस ने चुनाव आयोग से शिकायत दर्ज की थी और 47 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान करने की मांग की थी।

कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि हथियारबंद लोगों ने चुनाव अधिकारियों पर हावी होकर एक खास उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया था।

जिन मतदान केंद्रों की पहचान पुनर्मतदान के लिए की गई है उनमें खुरई विधानसभा क्षेत्र में मोइरंगकम्पु साजेब उच्च प्राथमिक विद्यालय, एस इबोबी प्राथमिक विद्यालय (ईस्ट विंग), खुरई थांगजाम लीकाई, क्षेत्रीगाओ विधानसभा क्षेत्र में बामन कंपू उच्च प्राथमिक विद्यालय (उत्तर ए), पायनियर अकादमी, बामन कंपू (उत्तर-बी), रिलबुंग उच्च विद्यालय (उत्तरी विंग), बामन कंपू (दक्षिण पश्चिम), इरिलबुंग उच्च विद्यालय (दक्षिण विंग), बामन कंपू (दक्षिण पूर्व); थोंगजू एसी में नेशनल चिल्ड्रेन स्कूल, खोंगमान जोन (वी)-ए, उरीपोक विधानसभा क्षेत्र में इरोइसेम्बा उच्च प्राथमिक विद्यालय (पूर्वी विंग), इरोइसेम्बा यूपीएस (पश्चिमी विंग), और इरोइसेम्बा यूपीएस (मध्य विंग), और कोंथौजम विधानसभा क्षेत्र में खैदेम प्राथमिक विद्यालय (दक्षिणी विंग), खैदेम माखा शामिल हैं। मणिपुर में पहले चरण में दोनों सीटों के 47 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ। मतदान 72.17 प्रतिशत रहा, जिसमें भीतरी सीट पर 76.05 प्रतिशत और बाहरी सीट पर 65.22 प्रतिशत वोट पड़े।

तेरा मुआवाजा वे शराबइयां दी गप्प वरगा : जोशी

चंडीगढ़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

पंजाब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मीडिया प्रमुख विनीत जोशी ने रविवार कहा कि किसानों को पिछले साल बाढ़ से हुए नुकसान का मुआवजा भी नहीं मिला पाया है और मुख्यमंत्री भगवंत मान लगातार मुआवजे के दावों की राजनीति में लगे हुए हैं। श्री जोशी ने मान सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक लोकप्रिय पंजाबी गाना है, तेरा लारा वे शराबियां दी गप्प वरगा, लेकिन अब लगता है कि इस गाने के बोल बदलकर तेरा मुआवाजा वे शराबइयां दी गप्प वरगा करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसान अभी तक नहीं भूले हैं कि पिछले साल पंजाब में बाढ़ ने किस तरह कहर बरपाया था और भगवंत

मान ने फसलों के साथ-साथ मुर्गियां, बकरियों और भेड़ों की मौत की तत्काल मुआवजे की घोषणा थी ।

उन्होंने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि मुख्यमंत्री खराब मौसम के दौरान फिरोजपुर और फरीदकोट में चुनावी रैलियों के दौरान गेहूं के नुकसान के मुआवजे की घोषणा कर रहे हैं, लेकिन वह भूल रहे हैं कि उन्होंने पहले जो फसल क्षति की घोषणा की थी, वह मुआवजा भी अफवाह साबित हो चुका है।

उन्होंने कहा कि राज्य की अनाज मंडियों में बारिश के पानी में तैरता गेहूं इस बात का संकेत है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान फसल सुरक्षा के इंतजामों की बजाय तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल पर ज्यादा ध्यान देते हैं। एक तरफ प्रदेश का किसान बदहाली में खून के आंसू रो रहा है, लेकिन सीएम भगवंत मान गुजरात में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर नम आंखों के साथ फोटो शूट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में चल रही सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि अब किसानों और मजदूरों का गुस्सा आम आदमी पार्टी पर पड़ने वाला है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने रद्द की 17 दिन की शादी

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने एक युवा जोड़े की शादी को रद्द करने का फैसला सुनाया। दरअसल, शख्स शादी को सफल बनाने में सक्षम नहीं हो सका था, इसी को देखते हुए अदालत ने माना कि पीड़िता की मानसिक स्थिति के लिए शादी रद्द करना ही ठीक है। न्यायमूर्ति विभा कंकणवाड़ी और न्यायमूर्ति एसजी चपलगांवकर की खंडपीठ ने 15 अप्रैल के फैसले में यह भी कहा कि यह उन युवाओं की मदद करने का मामला है, जो विवाह के बाद मानसिक, भावनात्मक या शारीरिक रूप से एक-दूसरे से जुड़ नहीं पाते हैं। एक 27 वर्षीय व्यक्ति ने इस साल फरवरी में एक परिवार अदालत द्वारा दायर एक आवेदन को खारिज करने के बाद पीठ का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें शादी को रद्द करने की मांग की गई थी।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यह मामला सापेक्ष नपुंसकता से जुड़ा है। सामान्य नपुंसकता से अलग है, जिसका अर्थ है सामान्य रूप से संबंध बनाने में असमर्थ। सापेक्ष नपुंसकता का मतलब होता है कि जहां एक व्यक्ति संभोग कर सकता है, लेकिन पति या पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनाने में असमर्थ हो सकता है। अदालत ने कहा कि इस तरह की नपुंसकता के लिए विभिन्न शारीरिक और मानसिक कारण हो सकते हैं। पीठ ने कहा कि इस मामले में साफ है कि शादी नहीं चलने का कारण पति की सापेक्ष नपुंसकता है। अदालत ने कहा कि इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि यह मामला एक युवा जोड़े से जुड़ा है, जिन्हें शादी में निराशा झेलनी पड़ी।

खंडपीठ ने कहा कि शख्स पहले इस बात को स्वीकार करने से संकोच कर रहा था कि उसे कुछ समस्या है। वह अपनी पत्नी को जिम्मेदार ठहरा रहा था। हालांकि, व्यक्ति ने स्वीकार कर लिया था। उसने माना कि यह नपुंसकता की सामान्य धारणा से कुछ अलग है और यह उनके जीवन पर कलंक नहीं बनेगा। सापेक्ष नपुंसकता की स्वीकृति उसे सामान्य बोलचाल की भाषा में नपुंसक नहीं ठहराएगी। युवा जोड़े की शादी पिछले साल मार्च में हुई थी, लेकिन वह 17 दिनों के बाद ही अलग हो गए। महिला ने दावा किया कि व्यक्ति ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार कर दिया था। परिवार अदालत के समक्ष दायर विवाह को रद्द करने की मांग करने वाली अपनी याचिका में महिला ने कहा कि व्यक्ति को सापेक्ष नपुंसकता थी। इसलिए वह मानसिक, भावनात्मक या शारीरिक रूप से एक-दूसरे से जुड़ नहीं सके। हाईकोर्ट की पीठ ने विवाह को अमान्य घोषित करते हुए इसे रद्द कर दिया।

ठाणे से सपा विधायक रईस कासम ने इस्तीफा वापस लिया

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में भिवंडी पूर्व से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक रईस कासम शेख ने रविवार को अपना इस्तीफा वापस ले लिया।

राज्य के दो सपा विधायकों में से एक श्री शेख ने शनिवार को पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख अबू आसिम आजमी को इस्तीफा सौंपा था। श्री शेख ने कल एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था, मैंने पिछले वर्ष लगातार महत्वपूर्ण पार्टी संगठनात्मक और विस्तार संबंधी चिंताओं को हमारी पार्टी के राज्य नेतृत्व के सामने रखा है। मेरे लगातार प्रयासों के बावजूद, ये मामले अभी तक हल नहीं हुए हैं। मैं हालांकि, विशेष रूप से पार्टी के भीतर उन मामलों पर चर्चा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। श्री शेख ने हालांकि रविवार को अपना फैसला पलट दिया।

कांग्रेस ने बच्चों के हाथों में थमाया तमंचा: योगी

▪ लोकसभा चुनाव-2024 में छत्तीसगढ़ के चुनावी रण में उतरे योगी आदित्यनाथ

राजनांदगांव, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को छत्तीसगढ़ में अपने तेवर में रहे। विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव में कमल के फूल के लिए समर्थन मांगने पहुंचे योगी आदित्यनाथ का जनमानस ने जोरदार स्वागत किया। 'योगी-योगी' के नारों से छत्तीसगढ़ की रैली गूंज उठी। यहां बुलडोजर बाबा को जनमानस ने सिर आंखों पर बैठाया। सीएम योगी ने एक तरफ जहां उत्तर प्रदेश व छत्तीसगढ़ के आध्यात्मिक संबंधों की चर्चा की तो वहीं कांग्रेस को खूब धोया। राजनांदगांव लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार संतोष पांडेय के पक्ष में जनसभा की तो इस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बखिया उधेड़ दी।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस घोटाले, आतंकवाद, नक्सलवाद का नाम है। जिस आयु में युवाओं के हाथों में पुस्तक, टैबलेट, दुनिया को आगे बढ़ाने का जज्बा होना चाहिए, कांग्रेस ने उस आयु के बच्चों के हाथों में तमंचे पकड़ा दिए। उन्हें भारत के खिलाफ ही लड़ने के लिए नक्सलवाद, आतंकवाद, उग्रवाद के नाम पर उकसाया। कांग्रेस शासन के समय यहां लव जेहाद की घटनाओं को छूट दे दी गई थी। सामान्य नागरिक भुवनेश्वर साहू के साथ हुई घटना कोई भूला नहीं है। छत्तीसगढ़ की जनता का अभिवादन करता हूं कि उनके पिता ईश्वर साहू को विधायक बनाकर भुवनेश्वर की स्मृतियों को जीवंत बनाने का कार्य किया है। भुवनेश्वर ने लव जेहाद और कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति का विरोध करते हुए अपना बलिदान दे दिया था।

सीएम योगी ने कहा कि इस सीट पर कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को प्रत्याशी बनाया है। उनके ऊपर पहले से शराब, कोयला, पब्लिक सर्विस कमीशन, महादेव ऐप आदि के घोटाले का आरोप और एफआईआर हो, वह व्यक्ति ठसक के साथ चुनाव लड़ने का दुस्साहस कर रहा है। वह मानकर चलता है कि कितना भी बड़ा अपराध करेंगे और समाज की आंखों में धूल झोंककर सत्ता हथिया लेंगे। वे यह जान लें कि नए भारत में घोटालेबाज नहीं चलेंगे। शराब व कोयला घोटाला कांग्रेस की प्रवृत्ति थी लेकिन भूपेश बघेल ने गोबर घोटाला भी कर डाला। गोमाता को तस्करों-कसाइयों के हवाले कर दिया गया था।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस को जब भी अवसर मिला, उन्होंने छत्तीसगढ़ को लूटने का कोई अवसर नहीं छोड़ा। गरीबों, पिछड़ों, वनवासियों-आदिवासियों के उत्थान के लिए श्रद्धेय अटल जी व पीएम मोदी के नेतृत्व में बनी योजनाओं को रमन सिंह-विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकारों ने लागू किया तो कांग्रेस ने पांच वर्ष के कुशासन में इसे समाप्त करने का प्रयास किया। छत्तीसगढ़ हजारों वर्षों से विरासत का संरक्षण करती आ रही है। सरकारों ने उपेक्षा की होगी। लोगों ने तमाम प्रकार के गलत तरीके से छवि को प्रस्तुत करने का प्रयास किया होगा, लेकिन केंद्र में अटल जी-मोदी जी व प्रदेश की भाजपा सरकार मजबूती के साथ छत्तीसगढ़ को पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देती है।

सीएम योगी ने कहा कि जब रायपुर में राम जी का मंदिर बन रहा था, तब रमन सिंह यहां के सीएम थे। उस समय उन्होंने कहा था कि हम पहले ही छत्तीसगढ़ में भगवान राम का मंदिर बना रहे हैं। मैंने कहा कि बालक पहले ननिहाल ही आता है। जब छत्तीसगढ़ में रामलला आ जाएंगे तो अयोध्या में भी मंदिर बनने से कोई रोक नहीं पाएगा। पीएम मोदी के कारण राम मंदिर बन सका। कांग्रेस के लोग कहते थे कि राम हुए ही नहीं। गांधी जी 'रघुपति राघव-राजा राम' कहते थे, उनके अंतिम शब्द 'हे राम' थे। जिन लोगों ने गांधी के नाम पर जीवन भर सत्ता हथियाई, उन लोगों ने राम और भारत के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करने की कुत्सित चेष्टा की।

सीएम योगी ने कहा कि डॉ. रमन सिंह की सरकार ने एक रुपये किलो चावल गरीबों, आदिवासियों को दिया तो मोदी सरकार चार वर्ष से 80 करोड़ गरीबों को फ्री में राशन की सुविधा दे रही है। 50 करोड़ गरीबों के जनधन अकाउंट खोलकर मोदी जी ने कांग्रेसियों की कमीशनखोरी पर रोक लगा दी। मोदी सरकार ने चार करोड़ मकान बनवाए, उप्र में 56 लाख गरीबों के मकान बने, लेकिन भूपेश बघेल सरकार ने 18 लाख गरीबों को मकानों से वंचित किया था। गरीबों को मकान न मिले, इसका दोष भी कांग्रेस सरकार पर है। डॉ. रमन सिंह द्वारा तय की गई यहां के गरीब किसानों से धान को अतिरिक्त बोनस देकर खरीदने की परंपरा को कांग्रेस सरकार ने बाधित किया, लेकिन विष्णुदेव साय के नेतृत्व भाजपा सरकार ने फिर से शुरू कर आर्थिक संबल शुरू किया। 18 लाख गरीबों को भाजपा सरकार मकान देने जा रही है। कांग्रेस समस्या तो भाजपा समाधान देती है।

सीएम योगी ने कहा कि 500 वर्षों बाद प्रभु रामलला का फिर से अयोध्या में आगमन हुआ है। यह काम कांग्रेस के लोग नहीं कर पाते। जब भगवान को 14 वर्ष का वनवास हुआ था और वे अयोध्या से वन के लिए निकले तो छत्तीसगढ़ की तरफ रुख किया। पहले चित्रकूट, फिर दंडकारण्य होते हुए पंचवटी की तरफ गए। उस समय रावण के कुछ राक्षस ऋषि-मुनियों की साधना में विघ्न डालते थे। सभ्य समाज को प्रताड़ित करते थे। हजारों वर्ष पहले प्रभु राम ने उनकी सुरक्षा के साथ ही इस धरती को राक्षस विहीन करने का संकल्प लिया था। उसी का परिणाम था कि लंका के राजा रावण को भी खानदान के साथ दूसरे लोक के लिए प्रस्थान करना पड़ा था। प्रभु राम की महिमा की भूमि छत्तीसगढ़ में आकर कौन अभिभूत नहीं होगा।

सीएम योगी ने कहा कि आज सुबह लखनऊ से रायपुर के लिए प्रस्थान करते समय कुछ पत्रकारों ने पूछा कि आज छत्तीसगढ़ जा रहे हैं, क्या कहना चाहते हैं। मैंने कहा कि छत्तीसगढ़िया, सबसे बढ़िया। लोगों ने कहा- कैसे, मैंने कहा कि ननिहाल किसे अच्छा नहीं लगता है। छत्तीसगढ़ आराध्य प्रभु श्रीराम का ननिहाल व मां कौशल्या का मायका है। 500 वर्षों बाद रामलला के पुर्नआगमन पर जितने अभिभूत उत्तर प्रदेश व देशवासी हुए हैं, उससे अधिक खुशी छत्तीसगढ़ वालों को है। प्रभु के आगमन पर जो आनंदित हों, उससे बढ़िया कोई और नहीं हो सकता।

जनसभा में छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मंत्री लखन देवांगन, राजेश मुढ़त, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, प्रदीप गांधी, राजनांदगांव से भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडेय, लोकसभा संयोजक मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष गीता साहू आदि की मौजूदगी रही।

वोट में बदल रहा लोगों का उत्साह

पीएम मोदी के नेतृत्व में फिर से बनने जा रही एनडीए की सरकार

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकसभा चुनाव का प्रथम चरण सम्पन्न हुआ है। देश के अंदर प्रधानमंत्री मोदी जी के 10 वर्ष के कार्यकाल को लेकर लोगों में जो उत्साह है, वह वोट में बदल रहा है। सीएम योगी रविवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रचंड बहुमत के साथ मोदी जी के नेतृत्व में फिर से भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की एनडीए की सरकार बनने जा रही है। इसमें कोई संदेह होना ही नहीं चाहिए। जनता-जनार्दन के द्वारा विपक्ष के झूठ का पर्दाफाश भी किया जा रहा है।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गैर भाजपा शासित राज्यों में होने वाली हिंसा तुष्टिकरण की नीतियों का दुष्परिणाम है। पश्चिम बंगाल के साथ-साथ गैर भाजपा शासित प्रदेशों में रामनवमी और होली पर जो दंगे हुए, यह बहुसंख्यक समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। तुष्टिकरण के नाम पर वोटबैंक की राजनीति ने हमेशा ऐसे सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया है। पश्चिम बंगाल में रामनवमी की शोभायात्राओं पर फिर से हुए हमले चिंता का विषय भी हैं और साथ-साथ देश के लोगों के लिए संदेश भी है कि यह लोग जब शांतिपूर्ण ढंग से निकलने वाली शोभायात्राओं को ही सुरक्षा नहीं दे सकते हैं तो बहन-बेटियों और सामान्य नागरिकों को क्या सुरक्षा दे पाएंगे। चुनाव सबसे अच्छा अवसर होता है, जब हम तथाकथित सेक्युलर लोगों व दलों को संदेश दे सकते हैं।

अपने मत से इन्हें स्पष्ट संदेश दें कि हमारी भावनाओं से खिलवाड़ करोगे और सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को प्रश्रय दोगे तो फिर चुनाव में हम भी उसी प्रकार से जवाब देंगे।

रविवार को छत्तीसगढ़ में चुनावी दौरे पर निकलने से पहले सीएम योगी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयास से ही रामलला का 500 वर्षों बाद अयोध्या में आगमन संभव हुआ। छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल व मां कौशल्या का मायका है। छत्तीसगढ़ के बारे में कहते हैं कि छत्तीसगढ़िया, सबसे बढ़िया क्योंकि हर सनातन धर्मावलंबी छत्तीसगढ़ को ननिहाल के रूप में मानता है। ननिहाल जाना सबको अच्छा लगता है। स्वाभाविक रूप से छत्तीसगढ़वासी भी उतने ही उत्साहित हैं, जितना उत्साहित उत्तर प्रदेश, पूरा देश और हर सनातन धर्मावलंबी है। आज छत्तीसगढ़ में जनता-जनार्दन से संवाद बनाने और उत्तर प्रदेश व अयोध्या का संदेश उन तक पहुंचाने का अवसर मुझे प्राप्त होगा।

देशवासियों के लिए मोदी जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है। देश के लिए, भारतीय भावना को सम्मान देने और गरीब कल्याण की योजनाओं को बढ़ाने के लिए जो प्रयास हुए हैं, आभार के रूप में वोट के माध्यम से मोदी जी तक पहुंचाने का यह अवसर है। लोकतंत्र के अगले चरण हम सभी को यह अवसर प्रदान करेंगे।

जिलों में जाकर गेहूं खरीद की पड़ताल कर रहे नोडल अधिकारी

60 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अन्नदाता किसानों की आय में वृद्धि और उन्हें समृद्ध करने में जुटी योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 60 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिये योगी सरकार ने प्रदेश भर में 6500 क्रय केंद्र संचालित करने का लक्ष्य रखा है। इसके सापेक्ष वर्तमान में 6414 क्रय केंद्र संचालित किये जा रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गेहूं खरीद के पर्यवेक्षण के लिए नोडल अधिकारियों को भी तैनात किया है । सीएम योगी के निर्देश पर नोडल अधिकारी मौके पर जाकर गेहूं खरीद की व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। योगी सरकार की पारदर्शी नीतियों का ही असर है कि अब तक 6414 क्रय केंद्रों पर 2,75,759 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। वहीं अब तक 1,91,492 किसानों का सत्यापन किया जा चुका है। इनमें से 72,100 किसानों का पब्लिक पोर्टल, जबकि 2,02,805 किसानों का एजेंसियों द्वारा रजिस्ट्रेशन किया गया है। इसके अलावा 854 बटाईदारों ने भी रजिस्ट्रेशन कराया है। सीएम योगी के निर्देश पर गेहूं खरीद के पर्यवेक्षण के लिए तैनात नोडल अधिकारियों ने शासन को अपनी रिपोर्ट सौंपी है। लखनऊ संभाग के नोडल अधिकारी प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद आलोक कुमार ने सीतापुर और लखीमपुर का दौरा किया। उनके अनुसार सीतापुर के किसानों द्वारा बोनस की मांग की गई है। वहीं सीतापुर में 1680 कुंतल और लखीमपुर खीरी में 13 हजार कुंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। इसी तरह चित्रकूट, झांसी एवं कानपुर संभाग के नोडल अधिकारी खाद्य एवं रसद आयुक्त सौरभ बाबू ने महोबा, हमीरपुर, जालौन और कानपुर देहात का भ्रमण किया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि महोबा में क्रय केंद्रों पर 100 कुंटल रोजाना गेहूं की खरीद हो रही है। वहीं कानपुर देहात के किसानों ने बोनस की मांग की है। अयोध्या संभाग के नोडल अधिकारी खाद्य एवं रसद विशेष सचिव अभिषेक गोयल ने अमेठी और बाराबंकी का दौरा किया। उन्होंने बताया कि यहां गेहूं की कटाई शुरू हो गई है, लेकिन मंडियों में गेहूं की आवक शुरू नहीं हुई है। गेहूं की खरीद के लिए सारी तैयारियों पूरी कर ली गई है।

मंडियों में आवक शुरू होते ही खरीद शुरू कर दी जाएगी।

सरकार अल्ट्रा मेगा श्रेणी की परियोजनाओं को पैकेज देगी

औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति के तहत निर्णय

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अल्ट्रा मेगा श्रेणी की विशेष महत्व वाली परियोजनाएं स्थापित करने पर उन्हें सरकार की ओर से केस टू केस कस्टमाइज पैकेज दिया जाएगा। औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 में इसका प्रावधान किया गया है। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग की ओर से इन प्रावधानों में कुछ संशोधन किया गया है। इसके अंतर्गत नोडल संस्था की जगह सीईओ इन्वेस्ट यूपी की अध्यक्षता में गठित कमेटी को ऐसी परियोजनाओं की परीक्षण और विशेष पैकेज की अनुशंसा की जिम्मेदारी दी गई है। इस कमेटी की अनुशंसा के बाद हाई लेवल इम्पावर्ड कमेटी और कैबिनेट की मंजूरी के बाद ऐसी बड़ी परियोजनाओं को कस्टमाइज पैकेज प्रदान किया जा सकेगा।

नीति में किए गए संशोधन के अनुसार औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 के अंतर्गत विशेष महत्व की अल्ट्रामेगा श्रेणी की परियोजनाओं को आवश्यकतानुसार राज्य सरकार द्वारा केस टू केस आधार पर प्रोत्साहन का विशेष रूप से कस्टमाइज्ड पैकेज प्रोत्साहन के रूप में प्रदान किए जाने पर विचार किया जा सकता है। नीति के अंतर्गत पहले प्राविधान किया गया था कि इस प्रकार के आ-वेदन नोडल संस्था को प्रस्तुत किए जाएंगे और आवेदनों की उनकी आवश्यकता एवं विशेष महत्व की दृष्टि से समीक्षा की जाए।

इसके लिए अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक समझौता समिति गठित की जाएगी, जिसके सदस्य सचिव सीईओ इन्वेस्ट यूपी होंगे। हालांकि अब इस प्राविधान में संशोधन किया गया है। इसके अनुसार अब सीईओ इन्वेस्ट यूपी की अध्यक्षता में गठित कमेटी प्राप्त प्रस्तावों का विशेष महत्व, अल्ट्रा मेगा श्रेणी के विषय पर परीक्षण करेगी।

हम नक्सलवाद के सामने घुटने नहीं टेकते, नेस्तनाबूद कर देते हैं : योगी

योगी आदित्यनाथ ने कोरबा में जनसभा को किया संबोधित

कोरबा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज का भारत नक्सलवाद के सामने घुटने नहीं टेकता, बल्कि उसे नेस्तनाबूद करने का माद्दा रखता है।

उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि तमाम घोटाला करने वाली कांग्रेस ने यहां गोबर घोटाला भी कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न सुरक्षा दे सकती है, न सुशासन। योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का नक्सलवाद से सांठगांठ किसी से छिपा नहीं है। इन लोगों ने युवाओं के हाथों में टेबलेट देने की जगह तमंचा थमा दिया। योगी आदित्यनाथ रविवार को कोरबा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय के समर्थन में विशाल रैली को संबोधित कर रहे थे।

छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया का नारा देते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं प्रभु श्रीराम की धरती का संदेश लेकर यहां आया हूं। ये माता कौशल्या का मायका और श्रीराम का ननिहाल है। उन्होंने कहा कि 500 साल बाद श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए तो सबसे ज्यादा उत्साह छत्तीसगढ़ में था।

जब श्रीराम को वनवास जाना था तो सबसे पहले उन्होंने यहीं शरण ली थी। यहीं पर उन्होंने ऋषि-मुनियों और समाज के सज्जन प्रवृत्ति के लोगों की रक्षा और राक्षसों से मुक्ति का सिंहनाद किया था, जो भारत को रामराज्य की ओर ले जाने का संकल्प था। प्रभु के ननिहाल के लोगों को बताने आया हूं कि निश्चिंत रहिए रामराज्य की स्थापना मोदी जी के नेतृत्व में होने जा रही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 10 साल में हम सबने बदलते हुए भारत को देखा है। एक ऐसा भारत जो अपने नागरिकों को सुरक्षा और संरक्षण देता है।

विकास के बड़े बड़े कार्य हो रहे हैं। हाईवे, एक्सप्रेस, एम्स, आईआईटी भाजपा सरकारों की पहचान बने हैं। इसके अलावा गरीब कल्याण की योजनाओं का कोई सानी नहीं है। आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान हुआ है। पटाखा भी फूटता है तो पाकिस्तान सबसे पहले सफाई देता है। उसे पता है कि भारत में कोई आतंकवादी घटना होती है तो उसे लेने के देने पड़ जाएंगे।

योगी आदित्यनाथ ने देश में हुए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि मोदी सरकार में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दिया जा रहा है, जबकि पाकिस्तान में 23 करोड़ लोग एक जून की रोटी के लिए तरस रहे हैं। पाकिस्तान बड़ी ठसक के साथ भारत से अलग हुआ था, मगर आज वहां लोग बदहाली की जिंदगी जी रहे हैं। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना, फ्री बिजली कनेक्शन, उज्ज्वला योजना, महिला स्वावलंबन सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को भी गिनाया। बताया कि अगले पांच साल में तीन करोड़ नये आवास गरीबों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

योगी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कमीशन खाने की आदी हैं, मगर गरीबों के जनधन अकाउंट खोलकर मोदी जी ने कांग्रेसियों के कमीशन को खत्म करने का काम किया है। कहा कि कांग्रेस राज में गरीब भूख से मरता था, किसान आत्महत्या करता था, नौजवान पलायन करता था और बेटी व व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में देश की 102 लोकसभा सीटों पर चुनाव हुए हैं। पूरे देश से एक ही आवाज आ रही है, फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भगवान को भी नहीं छोड़ा, उसने महादेव ऐप के नामपर घोटाला कर दिया। जब हम कहते थे कि राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे तब कांग्रेस के लोग सुप्रीम कोर्ट में कहते थे कि राम हुए ही नहीं। अब कहते हैं राम सबके हैं। ये कांग्रेस का दो-हरा चरित्र है।

योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय को तेज तर्रार और सुशिक्षित नेता बताते हुए उनके पक्ष में भारी मतदान की अपील की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मंत्री लखन लाल देवांगन, पूर्व मंत्री ननकी राम कंवर, भाजपा के प्रदेश मंत्री विकास महतो के साथ ही गोपाल साहू, डॉ राजीव सिंह, मनोज शर्मा, संतोषी दीवान, धनेश्वरी कंवर, जोगेश्वर, अशोक चावल-ानी, ज्योति नंद दुबे सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

सलाह

बच्चों को अनुशासन सिखाने के लिए अपनाए ये टिप्स

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अनुशाषित हों। जो अभिभावक बच्चों को अनुशासन के साथ आजादी देते हैं वो ही बच्चे संस्कारी व सभ्य होते हैं। यह बात सच है कि हर अभिभावक चाहता है कि उसका बच्चा संस्कारी बने और इसके लिए वो हर तरह की कोशिश भी करते हैं, पर जब बच्चे इस कोशिश में असफल होते हैं, तो अभिभावक आहत हो जाते हैं, क्योंकि उंगली उनकी परवरिश पर ही उठती है।यहां जानें बच्चों को अनुशासन सिखाने के तरीके़।

1) इजाज़त लेना: बच्चों को दूसरों की चीजे़ं छूने या इस्तेमाल करने से पहले उनकी इजाज़त लेना सिखाएं। स्वयं भी उनकी किसी वस्तु के उपयोग के पहले इजाजत लें।

2) अच्छे कामों की प्रशंसा करें : उनकी छोटी-छोटी अच्छी आदतों, जैसे-लाइट बंद करना या चीज़ों को सही जगह रखना, आदि कामों की प्रशंसा करें। इससे उन्हें अच्छी आदतों को अपनाने में मदद मिलती है।

3) साझा करना : साझा करना ही असल में ख्य़ाल रखना है , बच्चों को सिखाएं कि कैसे उन्हें किताबें, खाने की सामग्री और अन्य चीजे़ं दोस्तों के साथ साझा करना चाहिए ।

4) कमियां निकालने के बजाय विकल्प तलाशें:- ज़्यादातर समय अभिभावक बच्चों को यह बताते हैं कि उन्होंने क्या ग़लत किया, उनको डांट-फटकारकर मना करने से वे मान जाते हैं, लेकिन इस तरह से वे हार मानना सीखते हैं, न कि स्वीकार करना। लेकिन बजाय इसके उन्हें यह बताना चाहिए कि वे कैसे इसे सही कर सकते थे। बच्चों को स्थितियों को ठीक करने के विकल्प देने से उनकी सोच और समझ विकसित होती है।

5) तुलना न करें : हर बच्चा अपने आप में अलग होता है और हर बच्चे की सीखने और आगे बढ़ने की गति अलग- अलग होती है। हो सकता है आपके बच्चे में कोई ऐसा गुण हो, जो उसके बाक़ी साथियों में न हों। अत: दूसरों से अपने बच्चे की तुलना न करें।

6) निर्णय लेने का मौक़ा दें : बच्चों का विकास तभी हो पाता है, जब वे अपने फ़ैसले ख़ुद लेना सीखते हैं। छोटे-छोटे फैसले जैसे वो आज कौन सी ड्रैस पहनेगा, डिनर में क्या खाएगा आदि फ़ैसले लेने दें।

7) बड़ों का सम्मान करना: चाहे बात सहायता करने की हो, बड़ों के बीच न बोलने और बोलते वक़्त अपनी बारी का इंतज़ार करने की हो। शुरू से ही घर के बड़ों के साथ इन नियमों का पालन करने के लिए कहें, ताकि यह उनकी आदत में शामिल हो जाए।

8) लोगों से मिलना जुलना: कई बच्चे अजनबी लोगों से शर्माते हैं और अपनी असहजता को छिपाने के लिए वे आंख मिलाने और अभिभावदन करने से बचते हैं। अपने बच्चों को बड़ों से पेश आना सिखाएं, फिर चाहे वे रिश्तेदार हों, दोस्तों के अभिभावक हों या कोई भी दूसरा व्यक्ति, जिनसे वे मिलते हैं।

9) हार को स्वीकारना सिखाएं : बच्चों को अपनी हार स्वीकारना सिखाएं। उन्हें हार से डराने के बजाय उन्हें डट कर लड़ने और हर तरह की परिस्थिति का सामना करने के तरीके सिखाएं।

10) जबरन कई सारी गतिविधियों का हिस्सा न बनाएं : बच्चों को कुछ समय के लिए फ्री भी रहने दें। किसी भी गतिविधि का हिस्सा बनाने से पहले बच्चों की क्षमता को समझें।

नवजात में मलेरिया चिकित्सा

नवजात शिशु यदि दुनिया में आते ही मलेरिया का शिकार हो जाए तो उसकी देखभाल में जरा सी चूक उसमें उम्रभर के लिए कोई विकार पैदा कर सकती है या फिर उसमें उम्रभर के लिए कमजोरी पैदा कर सकती है। इसीलिए नवजात शिशु की देखभाल में बिलकुल भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। खासकर तब जब वह मलेरिया से ग्रसित हो। नवजात में मलेरिया संक्रमण होते ही उसका तुरंत इलाज करवाना चाहिए।

40 के बाद हड्डियां हो जाती हैं कमजोर

40 वर्ष पूरे होने के बाद मसल्स ढीली होने लगती हैं जबकि हडिड्यां कमजोर। इस उम्र में ऑस्टियोपोरेसिस होने का खतरा बढ़ जाता है जिससे हल्की सी चोट से भी हडिड्यां टूटने का डर बना रहता है आपको घबराने की जरूरत नहीं। आज हम आपको कुछ आसान से आसन बताएंगे जो 40 के बाद भी हड्डियों को कमजोर नहीं होने देते।

चक्रासन

सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं और पैरों को घुटने से मोड़ें जिससे एड़ी हिप्स को छुए और पंजे जमीन पर हों। अब गहरी सांस लेते हुए कंधे, कमर और पैर को ऊपर की ओर उठाएं। इस प्रक्रिया के दौरान गहरी सांस लें और छोड़ें। फिर हिप्स से लेकर कंधे तक के भाग को जितना हो सके ऊपर उठाने का प्रयास करें। कुछ क्षण बाद नीचे आ जाएं और सांसे सामान्य कर लें।

वृक्षासन

पेड़ की तरह तनकर खड़े हो जाइए। शरीर का भार अपने पैरों पर डाल दीजिए और दाएं पैर को मोडिये। दाएं पैर के तलवे को घुटनों के ऊपर ले जाकर बाएं पैर से लगाइये। दोनों हथेलियों को प्रार्थना मुद्रा में लाइये। अपने दाएं पैर के तलवे से बाएं पैर को दबाइये और बाएं पैर के तलवे को ज़मीन की ओर दबाइये। सांस लेते हुए अपने हाथों को सिर के ऊपर ले जाइये। सिर को सीधा रखिए और सामने की ओर देखिये। 20 मिनट तक इस स्थिति में रुके रहें।

पद्मासन

जमीन पर बैठ जाएं। दायां पैर मोड़ें और दाएं पैर को बाईं जांघ के ऊपर कूल्हों के पास रखें। ध्यान रहे दाईं एड़ी से पेट के निचले बाएं हिस्से पर दबाव पड़ना चाहिए। बायां पैर मोड़ें तथा बाएं पैर को दाईं जांघ के ऊपर रखें। यहां भी बाईं एड़ी से पेट के निचले दाएं हिस्से पर दबाव पड़ना चाहिए। हाथों को ज्ञानमुद्रा में घुटनों के ऊपर रखें। रीढ़ की हड्डी को बिलकुल सीधी रखें। धीरे-धीरे सांस लें और धीरे-धीरे सांस छोडे। कम से कम 10 मिनट तक इस मुद्रा में रहें।

भुजंगासन

पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और दोनों हाथों को माथे के नीचे रखें। दोनों पैरों के पंजों को साथ रखें। अब माथे को सामने की ओर उठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समानांतर रखें जिससे शरीर का भार बाजुओं पर पड़े। अब शरीर के ऊपरी हिस्से को बाजुओं के सहारे उठाएं। शरीर को स्ट्रेच करें और लंबी सांस लें। कुछ पल इसी अवस्था में रहने के बाद वापस पेट के बल लेट जाएं।

वास्तुशास्त्र

खुशहाली के लिए लगायें मनी प्लांट

वास्तु शास्त्र के अनुसार हर पौधे के लिए एक दिशा निर्धारित होती है। यदि पौधे को उचित दिशा में लगाया गया तो वह सकारात्मक प्रभाव डालता है, वही यदि उसके उस पौधे का गलत दिशा में वृक्षारोपण किया गया तो वह नकारात्मक प्रभाव डालता है जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होने लगता है। इसलिए हम आपको मनी प्लांट लगाने की दिशा से लेकर रखरखाव तक की सारी जानकारी दे रहे हैं।

मनी प्लांट के लिए दिशा

» मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में लगायें क्योंकि इस दिशा के देवता गणेश जी है। गणेश जी अमंगल का नाश करने वाले हैं। इसलिए मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना उचित माना गया है।

» मनीप्लांट को कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए। इससे आपको भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। इस दिशा में मनी प्लांट रखने पर आपको धनहानि हो सकती हैं।

» कभी भी मनी प्लांट को पूर्व-पश्चिम की दिशा में न लगाएं। इससे आपके दापत्यं जीवन में खटास आती है।

मनी प्लांट के लिए स्थान और देखभाल

» मनी प्लांट की बेलों को जमीन पर नहीं फैलाना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है ।

» मनी प्लांट ऐसी जगह रखें जहां अधिक धूप ना हो।

» मनी प्लांट को घर के अंदर गमले में अथवा बोतल में पानी भरकर भी लगाया जा सकता है। लेकिन इस पानी को हर सप्ताह बदल देना चाहिए।

» यदि मनी प्लांट का पौधा मुरझा गया है तो इसे हटा देना चाहिए। सूखा हुआ मनी प्लांट शुभ नहीं माना जाता है।

सास को जरूर समझनी चाहिए ये 5 बातें

सास और बहू का रिश्ता मजबूत होने में थोड़ा समय लगता है। एक-दूसरे की भावनाओं को समझना कोई आसान बात नहीं है,कई बार गलतफहमियां भी रिश्तों को खराब कर देती हैं। शादी के बाद इस बात को समझ लेना जरूरी है कि सास और बहू का रिश्ता आने वाली जिंदगी में एक-दूसरे का सहारा बनने वाला है। सास और बहू दोनों को कुछ बातों का ध्यान रखते हुए एक दूसरे को समझने का प्रयास करना चाहिए। अपनी सोच को बदलें और प्यारी सी दुनिया की कल्पना करें।

1. हर कोई नहीं होता परफैक्ट : सास और बहू के बीच नोक-झोंक का सबसे बड़ा कारण साफ-सफाई होता है। सास को भी इस बात को समझना चाहिए कि लड़ाई करने की बजाए कभी-कभी इन बातों को नजरअंदाज भी करे। हो सकता है बहू को बाकी के काम करते समय साफ सफाई के लिए वक्त न मिला हो। दोनों अगर मिल कर काम करें तो शिकायत का मौका ही नहीं मिलेगा।

2. रिश्ते में नोक-झोंक भी जरूरी : खाने में ज्यादा या कम नमक हो या फिर खाना बनाने में जरा सी देरी हो जाए तो बहू को सास की बात का गुस्सा नहीं करना चाहिए। इस तरह की छोटी-छोटी नोक-झोंक रिश्ते को मजबूत बना देती है।

3. बहू के भावनाओं को भी समझें : अपने घर को छोड़कर ससुराल में रहना कोई आसान काम नहीं है। सास को बहू की इस भावनाओं को समझना चाहिए। सास भी किसी समय बहू थी और शादी के बाद उसको भी इस तरह की परेशानियों को सामना करना पड़ा होगा। कभी-कभी बहू ज्यादा काम या फिर तबीयत ठीक होने के कारण देर से उठे तो सास को गुस्सा नहीं होना चाहिए।

4. बेटे-बहू को लेकर न करें गुस्सा : कुछ लोग बेटे-बहू के रिश्ते को लेकर इस चिंता में रहते हैं कि शादी के बाद उनका बेटा मां के बारे में नहीं सोचेगा। सास को यह बात समझनी चाहिए कि मां की जगह कोई नहीं ले सकता। बेटा हमेशा अपनी मां से पहले की तरह ही प्यार करता है।

5. बहू भी परिवार का हिस्सा : सास और बहू दोनों को इस बात को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि वे दोनों अब एक ही परिवार का हिस्सा है। बहू से बातें छिपाना या फिर उसे निर्णय लेने का हक न देना अच्छी बात नहीं है।

हैंडसम लुक चाहिए तो आजमाएं ये 5 टिप्स

आज के समय में जितना महिलाएं अपने लुक को लेकर सजग रहती है, पुरुष भी उनसे कम नहीं हैं। आज के युवा हैंडसम दिखने के लिए हर तरह से अपनी बॉडी की केयर करते हैं। आइए देखें कि ये पांच टिप्स कैसे काम के हो सकते हैं एक हैंडसम लुक के लिए

शेविंग, स्क्रब और फेसवाश: सबसे पहले तो मर्दों को शेविंग रेग्युलरली करनी चाहिए अगर आपका इरादा कोई स्पेशन बीयर्ड लुक अपनाने की इच्छा ना हो। शेविंग के बाद फेस को स्क्रब और बेहतर फेसवाश से साफ करना ना भूलें इससे चेहरे पर एक इंस्टेंट ग्लो और स्मूथनेस आती है।

टोनर और मॉश्चराइजर : फेस को क्लीन करने बाद अपने चेहरे की स्किन पर पीएच बैलेंस बनाए रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का टोनर भी जरूर यूज करें। टोनर को ऑटन में लेकर फेस पर लगायें और उसे ड्राइ होने दें। इसके बाद हल्का मॉश्चराइजर लगाएं। इस सीजन में पुरुषों के लिए टिंटेड मॉइश्चराइजर बेस्ट होता है। इससे चेहरा नैचुरल और ग्लोइंग लगता है।

कॉम्पैक्ट पाउडर: मर्दो का चेहरा जल्दी ऑयली लगने लगता है इसलिए बाहर निकलने के पहले अच्छा स्किन शेड से मैच करता कॉम्पेक्ट लगाना ना भूलें। इससे चेहरा तेल से भरा और चिपचिपा नहीं लगेगा।

कंसीलर: गर्मी में खासतौर पर आंखों के नीचे के काले घेरे आ जाते हैं। इससे आपका चेहरा डल और आप थके हुए लगने लगते हैं। इससे बचने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। कंसीलर यूज करने के बाद हल्का फाउंडेशन भी लगायें।

लिप बाम : अगर आप समझते हैं कि गर्मियों में होंठ नहीं फटते तो आप बिलकुल गलत हैं। होंठों की त्वचा काफी मुलायम होती है और बहुत जल्दी डीहाइड्रेट हो जाती है।

क्या आपका टूथब्रश कर रहा है आपको बीमार

दांतों को साफ करने में टूथपेस्ट के साथ-साथ टूथब्रश की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण होती है, लेकिन अगर इसके रख रखाव में लापरवाही बरती जाये तो इसके कारण हम बीमार भी हो सकते हैं।

ब्रश का रखें ख्याल

दांतों को साफ रखने और कीटाणुओं से बचाने के लिए आप टूथब्रश का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन शायद इस बात से आप अनजान हैं, कि आपका यही ब्रश आपको बीमार भी कर सकता है। दांतों की सफाई के लिए आप जितना तवज्जो अच्छे टूथपेस्ट को देते हैं, उससे कहीं अधिक महत्व टूथब्रश का होता है। दांतों की सफाई के लिए आपकी जरूरत के हिसाब से सही टूथब्रश का चुनाव करना बहुत जरूरी है। आइए हम आपको बतातें है टूथब्रश से जुड़ी कुछ जरूरी बातें।

ब्रश का शेप भी जरूरी

बाजार में इन दिनों तरह-तरह के शेप वाले टूथब्रश उपलब्ध हैं। ऐसे में गोल सिर वाले ब्रश सबसे अधिक आरामदायक होते हैं और ये अपेक्षाकृत अधिक तेजी से दांतों के कोने तक पहुंचते हैं। सामान्यत: एक इंच लंबे और आधा इंच चौड़े सिर वाले टूथब्रश दांतों के लिए सटीक माने जाते हैं। साथ ही, टूथब्रश का हैंडल जितना लंबा होगा उन्हें पकड़ना उतना अधिक आसान होगा।

ब्रश करने की सही तरीका

सही टूथब्रश के चयन के साथ-साथ यह भी जरूरी है कि आपके ब्रश करने का तरीका कितना सही है। ब्रश करने का सही तरीका यह है कि टूथब्रश को दांतों के एनामेल यानी जोड़ पर ऊपर से नीचे और दाएं से बाएं की ओर करें। एक साथ तीन दांतों पर इसी विधि से ब्रश करें। ब्रश करने की प्रक्रि या के दौरान जीभ की सफाई भी बेहद जरूरी है।

बदलते रहें ब्रश

चिकित्सकों का मानना है कि हर दो महीने के अंतराल में टूथब्रश बदलना चाहिए। पुराने टूथब्रश के ब्रिसल्स सख्त हो जाते हैं जिससे दांतों की सफाई सही तरीके से नहीं हो पाती और इनसे संक्रमण की आशंका भी अधिक रहती है।

प्लास्टिक के कंटेनर में ना रखें

क्या आप अपने टूथब्रश को कंटेनर में रखते है, तो अपनी ये आदत बदल दीजिए। अगर आप टूथब्रश को बंद कर देंगे तो ब्रश ठीक से सूख नहीं पाएगा, जिससे बैक्टीरिया उसी में रह जाता है। और अगर आप अपने परिवार वालों के ब्रश भी उसी में रखते हैं तो वो सभी टूथब्रश में फैल जाएंगे। इसलिए कभी भी टूथब्रश एक साथ बंद करके नहीं रखने चाहिए।

बांटे नहीं

आप कहीं अपना टूथब्रश किसी के साथ शेयर तो नहीं करते अगर हां तो ये आदत आपको बीमार कर सकती है। आप अपना टूथब्रश कितना भी साफ क्यों ना रखते हों, इसमें से सभी तरह के बैक्टीरिया नहीं खत्म कर सकते। इसलिए अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हो तो अपना टूथब्रश किसी के साथ भी ना बांटे। इससे आपके साथ दूसरा भी बीमार हो सकता है।

साफ रखें ब्रश

अपने ब्रश को साफ रखना बहुत महत्वपूर्ण होता है। समय-समय पर अपने ब्रश को माउथवॉश या हाइड्रोजन पैराऑक्साइड से साफ करते रहें। साथ ही रोजाना ब्रश करने के बाद उसे पानी से अच्छे से साफ करें। इस तरह आप ब्रश में होने वाले बैक्टीरिया को खत्म कर सकते हैं। इससे ब्रश की लाइफ भी बढ़ जाती है।

कमोड ढक कर रखें

अगर आपका टूथब्रश बाथरूम में ही रहता है तो ध्यान रखें कि आप अपने कमोड को ढक कर रखें। वरना बैक्टीरिया सीधे आपके ब्रश तक पहुंचा जायेंगे। जो आपको बीमार कर सकते हैं। इसलिए अगली बार बाथरूम का प्रयोग करने के बाद कमोड को ढकना नहीं भूलें। या आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

रेसिपी

पुदीना गट्टा की सब्ज़ी

सामग्री

बेसन दो कटोरी
तीन बड़े चम्मच पुदीना
हरी मिर्च का पेस्ट
नमक
थोड़ी सी अजवाइन
सरसों का तेल
चाट मसाला, नींबू

विधि

एक बर्तन में बेसन, पुदीना हरी मिर्च का पेस्ट नमक और अजवाइन मिक्स करें। थोड़ा पानी डालें।
अच्छी तरह से मिलाकर गूंध लें। इसके गट्टे बना लें। पानी में उबालें।
पक जाने पर गट्टों को मनचाहे आकार में काट लें।
तेल में फ्राई करें। चाट मसाला छिड़कें।
थोड़ा सा नींबू निचोड़ लें।
आप चाहें तो प्याज टमाटर की ग्रेवी के साथ भी इन गट्टों का स्वाद ले सकती हैं।

टेस्टी ब्रेड बालूशाही

सामग्री

10 से 12 - स्लाइस ब्रेड (सैंडविच), 250 ग्राम - चीनी, 200 ग्राम - मावा, एक पाव - बादाम (एक कटोरी) ,थोडी - सी केसर , 1 चम्मच - चिरोंजी ,घी - तलने के लिए, इलायची दाने।

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई को गर्म करें और इसमें मावा डालकर गुलाबी होने तक भुनें। अब इसमें ड्रायफ्रूट्स और इलायची दाने को डालें और मिला लें। ब्रेड को दूध में भिगो दें फिर उसमें खोए का मिश्रण भरकर दबाएं और बालूशाही का आकार दें। केसर को एक-दो बूंद दूध में भिगो दें और बालूशाही के बीच में अंगूठे से थोड़ा-थोड़ा सब में रंग लगा दें अब एक कढ़ाई को गर्म करे और इसमें घी डालकर बालूशाही को सुनहरे होने तक तलें। अब चीनी चाशनी में इसे थोडी देर रहने दे फिर निकाल लें, लाजवाब ब्रेड की बालूशाही तैयार है।

संपादकीय

खरीफ का सुखद मानसून

मानसून भारतीय कृषि और अर्थव्यवस्था के लिए अब भी मायने रखता है। सुखद खबर है कि इस बार मानसून की औसत बारिश सामान्य से अधिक हो सकती है। देश भर में बारिश की कुल मात्रा, 5 फीसदी की त्रुटि के साथ, लंबी अवधि के औसत का 106 फीसदी हो सकती है। बारिश की संभावना जून और सितंबर के बीच जताई जा रही है। यह अनुमान और आकलन भारतीय मौसम विभाग का है। चूंकि बीते साल सामान्य से कम बारिश हुई थी, लिहाजा इस बार यह संभावना सुखद लग रही है। यदि बारिश सामान्य से अधिक हुई, तो लहलहाती खरीफ की फसलों का मानसून साबित होगा। सवाल हो सकता है कि क्या अब भी कृषि, किसान और उनके जरिए देश की अर्थव्यवस्था मानसून की बारिश के भरोसे है? देश का करीब 46 फीसदी कार्यबल कृषि क्षेत्र में काम करता है। यदि मानसून निरंतर रूप से बेहतर न रहे, तो ग्रामीण आमदनी और उपभोग की मात्रा कम हो सकती है। उनसे अर्थव्यवस्था प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित होगी। बहरहाल मौसम विभाग मई माह के अंत में बारिश के सुनिश्चित अनुमान की घोषणा कर सकेगा। फिलहाल समुद्री तापमान के ढर्रे में अपेक्षित बदलाव और उत्तरी गोलाद्र्ध में बर्फ की मात्रा को देखते हुए सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान है। अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में मध्यम 'अल नीनो' की स्थिति बनी हुई है। देश में सामान्य से अधिक मानसून की 31 फीसदी संभावना है, जबकि सामान्य से कम मानसून की 8 फीसदी संभावना है और कमजोर मानसून की संभावना मात्र 2 फीसदी जताई गई है। भारत में सिंचाई का विस्तार इतना हो चुका है कि देश की खेती सालाना बारिश के भरोसे ही नहीं है। 2002 और 2009 में कृषि का उत्पादन घटा था, क्योंकि बारिश कम हुई थी, लेकिन खाद्य सुरक्षा का कोई भी संकट सामने नहीं आया, लिहाजा उन दोनों अनुभवों को भूल जाना चाहिए। बेशक सामान्य मानसून कम भी रहा है, तो भी कृषि उत्पादन का रुझान बढ़ोतरी की तरफ रहा है। भारत में 60 फीसदी से अधिक सिंचाई नलकूपों (ट्यूबवेल) के जरिए होती है। यदि भूजल की कमी को लगातार रिचार्ज करके पूरा किया जाता रहे, तो 75 फीसदी सालाना रिचार्ज दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान ही हो जाता है। हम 59 फीसदी से अधिक भूजल को सालाना तौर पर बाहर निकालते हैं, लेकिन कई राज्यों में भूजल की कमी का ऐसा संकट है, जो देश को चिंतित करता रहा है। पंजाब और हरियाणा का उदाहरण सामने है। भारत की समग्र खाद्य सुरक्षा के लिए पंजाब और हरियाणा बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन राज्यों में कई जगह भूजल स्थिरता के बिंदु से भी नीचे है। भूजल को स्थिर और टिकाऊ बनाए रखना जरूरी है। अर्थात भूजल उतना होना चाहिए। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु भारत की 'साइबर सिटी' है। वहां तमाम बड़ी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तर मौजूद हैं। ऐसे शहर में पेयजल का संकट है, तो यह शर्मनाक स्थिति है। निरंतर पेयजल की उपलब्धता और पनबिजली उत्पादन के लिए जलाशयों का स्तर दुरुस्त होना चाहिए। पंजाब और हरियाणा में कुल भूजल निकालने का औसत, देश भर की तुलना में, 2022 में क्रमशः 164.15 फीसदी और करीब 136 फीसदी था। उप्र में भूजल निकालने का यह औसत करीब 71 फीसदी है। कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण पश्चिमी उप्र में भूजल का स्तर निरंतर गिरता जा रहा है, जो चिंतित संकेत है। भूजल के स्तर को स्थिर और निरंतर बनाए रखने के लिए बारिश का पानी जमा करते रहना भी जरूरी है। यदि मौसम विभाग का अनुमान सही साबित हुआ, तो यह भूजल को रिचार्ज करने का भी सकारात्मक प्रयास किया जा सकता है। दुर्भाग्य है कि बारिश के पानी को जमा करने और फिर उसे भूजल के तौर पर इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति हमारे देश में 100 फीसदी नहीं है। भारतीय कृषि की नियति जलवायु-परिवर्तन पर भी आश्रित होगी, इसके आसार दुनिया भर में बनते जा रहे हैं, लिहाजा मानसून की बारिश का सम्मान करना सीखें।

देश भर में बारिश की कुल मात्रा, 5 फीसदी की त्रुटि के साथ, लंबी अवधि के औसत का 106 फीसदी हो सकती है। बारिश की संभावना जून और सितंबर के बीच जताई जा रही है। यह अनुमान और आकलन भारतीय मौसम विभाग का है। चूंकि बीते साल सामान्य से कम बारिश हुई थी, लिहाजा इस बार यह संभावना सुखद लग रही है। यदि बारिश सामान्य से अधिक हुई, तो लहलहाती खरीफ की फसलों का मानसून साबित होगा। सवाल हो सकता है कि क्या अब भी कृषि, किसान और उनके जरिए देश की अर्थव्यवस्था मानसून की बारिश के भरोसे है? देश का करीब 46 फीसदी कार्यबल कृषि क्षेत्र में काम करता है। यदि मानसून निरंतर रूप से बेहतर न रहे, तो ग्रामीण आमदनी और उपभोग की मात्रा कम हो सकती है। उनसे अर्थव्यवस्था प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित होगी। बहरहाल मौसम विभाग मई माह के अंत में बारिश के सुनिश्चित अनुमान की घोषणा कर सकेगा। फिलहाल समुद्री तापमान के ढर्रे में अपेक्षित बदलाव और उत्तरी गोलाद्र्ध में बर्फ की मात्रा को देखते हुए सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान है। अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में मध्यम 'अल नीनो' की स्थिति बनी हुई है।

कांग्रेस के कार्यकर्ता जानते हैं कि अब पार्टी में 'भारत माता की जय' या 'जय श्री राम' का जयघोष करना खतरे से खाली नहीं है

कांग्रेस का सिमटता प्रभाव और खतरनाक सोच

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके सुरेश ने कहा कि केंद्र सरकार दक्षिण भारत के राज्यों को कम पैसा मुहैया करवाती है। इससे हो सकता है कि हम दक्षिण के राज्य भविष्य में भारत से अलग होने की सोचें। वैसे तो पूछा जा सकता है कि सुरेश बाबू को दक्षिण के राज्यों का प्रतिनिधि किसने बनाया? तमिलनाडु में कांग्रेस कामराज के बाद से लुप्त प्रजाति में शामिल हो चुकी है। डीएमके चुनाव के मौसम में उसे कन्धे पर इस लहजे में उठा लेती है जैसे नई पीढ़ी के ज्ञान के लिए ऐतिहासिक चीजों का प्रदर्शन किया जाता है।

कर्नाटक विधानसभा में पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके सुरेश ने कहा कि केंद्र सरकार दक्षिण भारत के राज्यों को कम पैसा मुहैया करवाती है। इससे हो सकता है कि हम दक्षिण के राज्य भविष्य में भारत से अलग होने की सोचें। वैसे तो पूछा जा सकता है कि सुरेश बाबू को दक्षिण के राज्यों का प्रतिनिधि किसने बनाया? तमिलनाडु में कांग्रेस कामराज के बाद से लुप्त प्रजाति में शामिल हो चुकी है। डीएमके चुनाव के मौसम में उसे कन्धे पर इस लहजे में उठा लेती है जैसे नई पीढ़ी के ज्ञान के लिए ऐतिहासिक चीजों का प्रदर्शन किया जाता है। लेकिन सुरेश बाबू ने जब से यह रहस्योद्घाटन किया है तब से कम से कम प्रदेश में कांग्रेस के लोगों में यह भय बैठ गया है कि कहीं पार्टी विभाजन को लेकर किसी एजेंडा पर तो नहीं चल रही? पिछले दिनों कर्नाटक में कांग्रेस की एक विशाल जनसभा हो रही थी। उसमें कांग्रेस में सोनिया गान्धी परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े भी मंचासीन थे। कांग्रेस के एक विधायक लक्ष्मण संवादी भी मंच पर थे। वे भाषण दे रहे थे। उनके मन में इच्छा हो रही थी कि वे मंच पर से 'भारत माता की जय' का नारा लगाएं। लेकिन डर रहे थे कि कहीं इस नारे से पार्टी अध्यक्ष बुरा न मान जाएं। कुछ देर तक लक्ष्मण के मन में डर और श्रद्धा के बीच द्वन्द्व चलता रहा होगा। लेकिन अन्त में राष्ट्रीयता की जीत हुई। उन्होंने मंच पर से ही मल्लिकार्जुन खडग़े से पूछा कि यदि आप बुरा न मनाएं तो मैं 'भारत माता की जय' का एक नारा लगा लूं। आखिर क्या कारण है कि कांग्रेस के कार्यकर्ता जानते हैं कि अब पार्टी में 'भारत माता की जय' या 'जय श्री राम' का जयघोष करना खतरे से खाली नहीं है। इसका अर्थ स्पष्ट है कि कांग्रेस का आम कार्यकर्ता तो देश को अखंड रखने के लिए या फिर अखंड भारत के लिए लालायित है, लेकिन उसका नेतृत्व अपने संकुचित राजनीतिक हितों के लिए भारत को तोडने की हद तक भी जा सकता है। महात्मा गांधी से लेकर सोनिया परिवार तक की यह यात्रा सचमुच चौंकाती है। यह यात्रा रघुपति राघव राजा राम से शुरू हुई थी और राम मंदिर के निर्माण के विरोध तक ही नहीं, बल्कि राम के अस्तित्व को ही नकारने तक पहुंच गई है। यही कारण है कि पार्टी प्रधान की हाजिरी में कांग्रेस का विधायक 'भारत माता की जय' का नारा लगाते हुए भी डरता है कि कहीं पार्टी एक्शन न ले ले। दरअसल पिछले कुछ अरसे से भाजपा ने जनसंघ के समय से चले आ रहे अपने अखंड भारत के संकल्प को ज्यादा जोर से कहना शुरू कर दिया है। तब भी शायद

कोई इसको ज्यादा तवज्जो न देता यदि भाजपा ने भारतीय संविधान में से अनुच्छेद 370 को न हटा दिया होता। इससे लोगों में यह विश्वास जगने लगा है कि पार्टी घोषणा पत्र/संकल्प पत्र में जो लिखती है, उसे पूरा करती है। चाहे उसमें कितना ही समय क्यों न लगे। इसके पहले चरण में तो पाकिस्तान के कब्जे से वे इलाके मुक्त करवाना है जो उसने 1947 में कश्मीर पर हमला करके भारत से छीन लिए थे। इसके संकेत प्रधानमंत्री मोदी अनेक बार दे भी चुके हैं। इससे पाकिस्तान का चिंतित होना स्वाभाविक ही है। लेकिन लगता है पाकिस्तान से ज्यादा चिंता इससे कांग्रेस के नेतृत्व को हो रही है। उस चिंता को व्यक्त करने का तरीका सामान्य नहीं है। उसका कहना है कि भारतीय जनता पार्टी देश को विभाजित करना चाहती है। आरोप इस प्रकार का है कि आम भारतीय को यह हज्म नहीं होता। सोनिया गांधी परिवार ने ऐसा आरोप मुस्लिम लीग या सीपीएम पर लगाया होता तो शायद भारत के लोग इस पर ज्यादा आश्चर्यचकित न होते। लेकिन यह परिवार ऐसा नहीं कर सकता, क्योंकि इन दोनों के साथ केरल में परिवार का राजनीतिक समझौता है। इसलिए उसने यह आरोप भाजपा पर लगाना आसान मान लिया। लेकिन भाजपा आखिर विभाजन करवाना कैसे चाहती है? परिवार का कहना है कि भाजपा नार्थ-साऊथ डिवाइड के रास्ते पर चल रही है। लेकिन लोग आखिर इसके लिए प्रमाण की मांग करेंगे ही। वैसे यह जरूरी नहीं है कि राहुल गांधी जो भी कहते रहते हैं, उसके लिए कुछ प्रमाण भी उनके पास होते ही हों। वे स्वयं को इस प्रकार के सभी बंधनों से आजाद मानते हैं। सुरेश बाबू का तर्क यदि गहराई से देखा जाए तो कुछ बातें स्पष्ट हो रही हैं। कांग्रेस का कहना है कि 1. उत्तर भारत, पश्चिमी भारत और कुछ सीमा तक पूर्वी भारत के लोग भारतीय जनता पार्टी को वोट देते हैं, इसलिए केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है। 2. दक्षिणी प्रान्तों के लोग भारतीय जनता पार्टी को वोट नहीं देते, इसलिए भारतीय जनता पार्टी इन दक्षिणी क्षेत्रों से नाराज है। 3. भारतीय जनता पार्टी अपनी यह नाराजगी इन दक्षिणी राज्यों से बदला लेकर निकालती है। बदला लेने का तरीका यही अपनाती है कि इन राज्यों को कम पैसा आवंटित किया जाता है। 4. कांग्रेस के वरिष्ठ मंत्री डीके सुरेश इसका एक ही हल बताते हैं कि फिर दक्षिण के राज्यों को देश से अलग होना पड़ेगा। सुरेश बाबू के तर्कों को निश्चय ही देखना पड़ेगा। सुरेश बाबू कर्नाटक से ताल्लुक रखते हैं। कर्नाटक में मुख्य रूप से दो ही राजनीतिक दल हैं। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस। वहां एक बार भाजपा और दूसरी बार कांग्रेस सत्ता में आती है। इससे कोई भी अक्लमंद आदमी यह तो नहीं कहेगा कि कर्नाटक के लोग भाजपा को वोट नहीं देते। दूसरा उदाहरण तेलंगाना का ले सकते हैं। तेलांगना में मुख्य रूप से तीन राजनीतिक दल हैं। कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति और भारतीय जनता पार्टी। इन तीनों दलों को कुछ अंतर से सम्मानजनक वोट मिलते हैं। इसलिए तीनों राजनीतिक दलों की स्थिति राज्य में बराबर है। शेष दक्षिण के तीन राज्य हैं आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में कांग्रेस और भाजपा की स्थिति लगभग बराबर ही है। इन दोनों की स्थिति नगण्य है। इसका अर्थ हुआ कि दक्षिण के राज्यों में भाजपा और कांग्रेस की स्थिति लगभग बराबर ही है। फिर सुरेश बाबू किस हैसियत से मानते हैं कि कांग्रेस को सभी दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधि के तौर पर बोलने का अधिकार है। सुरेश बाबू एक बात शायद भूल रहे हैं कि पिछले दिनों जब राज्यसभा के चुनाव में कांग्रेस का एक प्रत्याशी जीता था, तो कर्नाटक विधानसभा के भीतर ही उसके समर्थकों ने खुशी में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। तब कांग्रेस के ही कुछ बड़े लोगों ने उसकी निंदा करने की बजाय यह तर्क दिया था कि पाकिस्तान हमारा मित्र देश है, उसकी बात करना गलत कैसे हो गया? शायद उसी के कारण कांग्रेस के आम कार्यकर्ता के मन में कहीं न कहीं डर बैठ गया है कि भारत माता की जय से कांग्रेस नेतृत्व चिढ़ता है और पाकिस्तान जिंदाबाद से नाराज नहीं होता। अंबेडकर को शायद कांग्रेस से इसी बात का अंदेशा था। इसीलिए उन्होंने संविधान सभा में अपने अंतिम संबोधन में चेतावनी दी थी कि हमें इस प्रकार की वृत्तियों से सावधान रहना होगा। इसी के कारण हमारा देश पूर्वकाल में गुलाम होता रहा है।

दृष्टि कोण

नक्सलवाद: आखिर कब थमेगी अपने ही युवाओं से खून की होली

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को

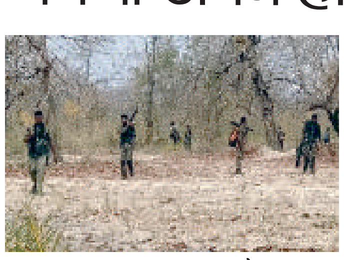

आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शान्ति का प्रस्ताव भी सामने रखा था लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैण्ड कर दिया गया हैं। ऐसे में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस के गोली का शिकार हुआ हैं। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरफ से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किये जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पायेगा और बस्तर में खून की होली थमेगी। सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहाँ वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित ज़िलों की संख्या 96 थी वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित ज़िलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहाँ नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों- छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं। माओवादियों के थिंक-टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग ज़िले के नक्सलबाड़ी नामक गाँव से हुई और इसीलिये इस उग्रपंथी आंदोलन को 'नक्सलवाद' के नाम से जाना जाता है। ज़मींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडऩ पर अंकुश लगाने के लिये सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किये गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया।

कुछ अलग

साहित्य से उनका संन्यास...

बहुत दिनों तक तो साहित्यकार ढोलकी राम जी तय नहीं कर पाए कि उन्हें साहित्य में डटे रहना चाहिए अथवा आउट हो जाता चाहिए। परंतु उन्हें बाद में 'केवल्य' प्राप्त हुआ कि कोई स्वनामधन्य आलोचक उन्हें साहित्य के मैदान में पटखनी देकर चारों खाने चित करे, इससे पूर्व ही स्वयं के तथा साहित्य के हित में इस क्षेत्र को त्याग देना चाहिए। इसलिए एक दिन उन्होंने साहित्य से संन्यास की घोषणा कर दी।
ढोलकी राम जी द्वारा साहित्य से पलायन का समाचार जंगल की आग की तरह पूरे शहर में फैल गया। मुझ तक आया तो मैं सकते में आ गया। तय नहीं कर पाया कि इस घटना से साहित्य की क्षति हुई है या उनकी क्षति। सारी स्थितियों पर छाए संशय के बादल दूर करने की दृष्टि से एक दिन मैं उनके निवास पर जा पहुंचा। अत्यन्त चिंतामग्न मुद्रा में मैंने पूछा- 'सुना है आपने साहित्य से पलायन कर लिया है?' 'पहले संशोधन कीजिए-यह पलायन नहीं संन्यास है। पलायन क्या पुरुष करते हैं। मैंने साहित्य में पनपते भीषण प्रदूषण को दृष्टिगत रखते हुए उसकी रक्षार्थ संन्यास का कदम उठाया है।' ढोलकी राम जी बोले। मैंने कहा- 'थोड़ा संन्यास का खुलासा कीजिए। गृहस्थ से संन्यास लेना तो समझ में आता है, परंतु साहित्य में संन्यास सर्वथा नई घटना है।
क्रिकेट और फिल्मों में संन्यास भी सुना है, परंतु साहित्य में नया प्रयोग है यह।' 'साहित्य भी लाल क्रिकेट की तरह खेल है-जब तक चौके-छक्के लगते रहे, तो डटे रहो। ज्यों ही बिगडऩे लगे, मैदान छोडऩा कृतित्व एवं व्यक्तित्व के लिए हितकारी होता है। फिल्मों के अभिनय की तरह यह नाटकबाजी भी है। साहित्यकार का चेहरा लगा कर जीना पड़ता है। जब लगे कि आप बेनकाब हो रहे हैं, तो स्थितियों पर से कुहासा हटे, इससे पहले ही साहित्य से पिंड छुड़ा लेना चाहिए।' 'लेकिन ऐसी नौबत क्या थी। यदि आप साहित्य में बने भी रहते तो इससे अनिष्ट क्या होने वाला था? यदि आपने संन्यास ले लिया है तो आप साहित्यकार से घट कर अथवा बढक़र क्या हो गए हैं?' मैंने पूछा। 'देखो भाई, साहित्य में बड़ा धान-मसान हुआ है। हर ऐरा-गैरा-नत्थू-खैरा साहित्यकार बन गया है। पत्रकार भी अपने आपको लेखक समझने लगा है।
भला फिर साहित्य की गरिमा घटेगी अथवा बढ़ेगी? साहित्य का अवमूल्यन हो, इससे पहले मैंने यह कदम उठा लिया। इससे मेरे साहित्यकार का जो अनिष्ट होने वाला था वह बच गया। हुआ कुछ नहीं है, बस फर्क यही पड़ा है कि मेरा 'साहित्यकार' कायम है तथा मैं आदमी बन गया हूं।
पहले व्यर्थ में साहित्यकार को आदमी पर ओढ़े रहना पड़ता था।' ढोलकी राम जी ने समझाया। मैं बोला-'लेकिन सुनने में यह आया है कि आप चुकने लगे थे। नए लोगों के सामने आपका लिखा एकदम कूड़ा लगने लगा था। अखबार-पत्रिकाएं तथा प्रकाशक आपको छापने से कतराने लगे थे एवं आलोचकों ने आपके साहित्य को अत्यंत निम्न कोटि का ठहराया है।
ये स्थितियां और विकृत तथा विकट हों, इससे पहले ही आपने साहित्यकार को बचाने के लिए संन्यास ले लिया।' 'इसमें नई बात क्या है? मैं स्वयं बता रहा हूं कि 'साहित्यकार' को बचाने के लिए मुझे यह कदम उठाना पड़ा। परंतु यह बात बिल्कुल बेबुनियाद है कि नए लेखकों के सामने मैं टिक नहीं पा रहा था-अतः मैं भाग खड़ा हुआ। असलियत तो यह है कि नए लेखक साहित्य का सत्यानाश करने पर तुले हैं।'

देश दुनिया से

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और महात्मा गांधी: विचार एक सम्यक दृष्टि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं विरोधी नहीं। ये ही कारण था की गांधी ने 1947 में वाल्मीकि मंदिर (बिरला मंदिर निकट,दिल्ली) में 500 संघ के स्वयंसेवक को सम्बोधित करते हुए देश और समाज के लिए संघ से बड़ी भूमिका की अपेक्षा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिसने देश और दुनिया में रह रहे हिदू समाज के भीतर सुप्त पड़े हिदुत्व अस्मिता के भाव का जागरण किया है। वही भारत के स्व उसके गौरवपूर्ण इतिहास को परत दर परत उकेर कर हिदू समाज में स्वभिमान का जागरण किया है। इसी तरह मोहनदास करमचंद गांधी जी महात्मा गांधी ने देश और दुनिया में भारत की चितन परम्परा को विश्व के पटल पर ला हिदुस्थान के मान को बढ़ाया है। महात्मा गाँधी जी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दोनो ही का विचार एवं हेतु भारत को एक समरस, सशत्त एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने का रहा है।

तमाम आधारों को देखें तो गांधी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं विरोधी नहीं। ये ही कारण था की गांधी ने 1947 में वाल्मीकि मंदिर (बिरला मंदिर निकट,दिल्ली) में 500 संघ के स्वयंसेवक को सम्बोधित करते हुए देश और समाज के लिए संघ से बड़ी भूमिका की अपेक्षा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिसने देश और दुनिया में रह रहे हिदू समाज के भीतर सुप्त पड़े हिदुत्व अस्मिता के भाव का जागरण किया है। वही भारत के स्व उसके गौरवपूर्ण इतिहास को परत दर परत उकेर कर हिदू समाज में स्वभिमान का जागरण किया है। इसी तरह मोहनदास करमचंद गांधी जी महात्मा गांधी ने देश और दुनिया में भारत की चितन परम्परा को विश्व के पटल पर ला हिदुस्थान के मान को बढ़ाया है। महात्मा गाँधी जी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दोनो ही का विचार एवं हेतु भारत को एक समरस, सशत्त एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने का रहा है। लेकिन फिर भी आज़ादी के इतने वर्षो में गांधी और संघ को लेकर समाज के मानस में एक भ्रम ही सदैव पैदा किया गया की संघ और गांधी जी दोनो एकदूसरे विरोधी है। लेकिन जब हम वुछ ही पन्नो अलट-पलट के देखते है तो यथार्थ वुछ और ही मिलता है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और महात्मा गांधी जी दोनो एक दूसरे के पूरक है। आर. एस. एस. की स्थपाना 1925 में नागपुर में स्वतंत्रता सेनानी डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार के द्वारा की जाती है। वे उस समय महाराष्ट्र में कांग्रेस के बड़े नेता थे। हम, देखे तो डॉ. हेडगेवार एवं महात्मा गांधी दोनो में बड़ी पुरकता हमें दिख जाती है। गाँधी अपने चितन में जिस रामराज्य की बात कर रहे थे वही तो हेडगेवार और संघ स्थापना का हेतु है। दोनो ही का मानना था की हम सब एक ही ब्रा के तत्व हैं, ये ही तो हिदुत्व का मौलिक भाव है, लेकिन ये भी सही है की समाज के निरंतर विकास।म में आयी वुछ सामाजिक वुरुतियो ने समाज के एकात्म भाव को नष्ट किया जिस कारण से मुट्ठी भर मुस्लिम लुटेरों ने भारत जैसे समृद्ध राष्ट्र को अपने अधीन कर लिया। हेडगेवार के मन में ये ही विचार घर कर गया की आज हम आज़ाद हो गए तो भी क्या इस एकात्म भाव के अभाव में हम भविष्य में फिर ग़ुलाम नही हो जायेंगे। इसलिए समस्या का समाधान भारत के एकात्म भाव के जागरण और अपने गौरवशाली इतिहास के स्मरण के आधार पर एक व्यत्ति के निर्माण में निहित हैं। संघ का हेतु भी इसी व्यत्ति निर्माण में निहित हैं, हम परस्पर एक दूसरे की चिता करे ये ही तो भारत का मौलिक दर्शन हैं ये ही तो संघ का समरसता का विचार हैं। इसी ठएकात्म भावठ का निर्माण करना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का भी उदेश्य रहा, गाँधी ने रामराज्य को संगठित समाज इकाई के रूप में देखा जो एकात्म तत्व पर बिना किसी भेद के संगठित है। ये ही समान ध्येय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी हैं इसलिए, गांधी और संघ भिन्न विचार पर आधारित ना होकर एक ही विचार से जुड़े हैं, जो इस राष्ट्र का विचार हैं। हम गांधी और संघ का विश्लेषण प्रमुख रूप से चार आधार पर आसानी कर सकते हैं। गांधी भारत की सनातनी धर्म, संस्वृति की बात करते हैं ये सनातनी संस्वृति है क्या? क्या ये हिदू धर्म में रची बसी संस्वृति नहीं हैं, डॉ. हेडगेवार बताते हैं की भारत की सनातन संस्वृति ही हिदू संस्वृति है कियुकी हिन्दू ही हमारी राष्ट्रीय पहचान है, वे राष्ट्रीय के स्थान पर हिदू शब्द का प्रयोग करते हैं। जिस सनातन संस्वृति ने सभी को समाज में एक माना और धर्म प्रयाण आचरण करे ऐसी सभी से अपेक्षा की गईं हैं। एकम सत विप्रा बहुदा वदन्ति (सत्य एक ही हैं बड़े लोगों (महत्माओ) ने इसे भिन्न प्रकार से बताने का मात्र कार्य किया है) के विचार को संघ और गांधी दोनो ही मानते हैं। हमारी हिदू या सनातनी संस्वृति की बात करे तो पूरा समाज आपसी सहयोग के आधार पर ही समाज का संचालन करे, हमारी संस्वृति में पूजा पद्धति भिन्न हैं तो क्या हुआ भगवान को मानता है या नहीं मानता वो नास्तिक है अथवा आस्तिक ये भिन्न होना हम सभी के मध्य कोई भिन्नता नहीं पैदा करता हैं कियुकी ये सनातनी परंपरा हमें धर्म के आधार पर आपस में जोड़ कर रखती हैं। इसलिए महाभारत में वर्णन हैं की वृतयुग में ना राज्य था, ना राजा, ना दण्ड था, ना दण्ड देने वाला, सब प्रजा धर्म के आधार पर एक दूसरे की रक्षा करते थे। ये धर्म ही तो सनातन हैं गांधी इसी मौलिक तत्व को मानते थे इसीलिए कहते हैं रघुपती राघव राजा राम पति ते पवन सीता राम, ईंश्वर अल्लह तेरो नाम सबको सनमती दे भगवान। वही दूसरा आधार देखे संघ और महात्मा गाँधी दोनो ही भारत के इतिहास और उसके गौरवशाली इतिहास को लेकर काफ़ी आग्रह रखते है। भारत के मानस में अंग्रेज़ी ग़ुलामी ने अपने ही राष्ट्र के प्रति हीनता के भाव का निर्माण कर दिया, अंग्रेज़ कहते थे की भारत असय लोगों की धरती हैं, इनका कोई इतिहास नहीं हैं और जो इतिहास हैं भी वो भी असमानता, वैमनस्यता और आपसी संघर्ष पर ही आधारित हैं। हम भारत के लोगों को सय बनाने के लिए इस देश में आए हैं, इस विचार ने भारत के जन मानस को वर्षो तक मानसिक रूप से गुलाम बनाये रखा।

आप का नजरिया

नसीब में चुनावी खुमार

हिमाचल में टिकट आबंटन की सर्कस में कई पिंजरे, कई दीवारें, कई मजमून और कई जमूरे करतब दिखा रहे हैं। आश्चर्य यह कि चार लोकसभा सीटों के हिसाब में भी हम राजनीति के खंभों पर टंगे हैं। जनता के नसीब में चुनावी खुमार का यह आलम कि यह सदी भी बंटी हुई गुजर रही है। सामाजिक विभाजन में राजनीति की चोंच इतनी लंबी हो गई है कि अपनी ही टेढ़ी कलों में उससे सीधा खड़ा नहीं हुआ जाता और फिर नेताओं का आयात इस शर्त पर कि किसी फैसले की हर घड़ी में हम उसी दौर में घिर रहे हैं, जो अतीत के पन्नों को बर्बाद करते रहे। आश्चर्य यह कि चुनाव के ऊंट उन्हीं प्राथमिकताओं में नेताओं को ढो रहे, जो न प्रदेश के काम आए और न समय में पहचाने गए। जिक्र अब यह कि कहां पंडित से पंडित लड़ाऊं या पंडित से राजपूत को भिड़ाऊं। फलां नेता के वर्चस्व में उसकी औलाद को आजमाऊं। हर रोज हिमाचल की सियासत जातिवाद, क्षेत्रवाद, अवसरवाद और परिवारवाद के पिंजरे में जाकर सोच रही है और जनता को भी भ्रम है कि इस तरह दीवारें टूटेंगी। हमारे नेता वे नहीं जो हम सोच रहे हैं, बल्कि वो हैं जो समाज को टुकड़ों में विभक्त कर सकते हैं। इसलिए टिकट आबंटन में जातियों के मंच ऊंचे और विचारधारा कहीं धरातल पर दब रही है। आश्चर्य यह कि विचारधारा की चिडिया कम से कम हिमाचल में विलुप्त होती जा रही है। रोते हैं वे हार जो कभी तेरी गर्दन पे चढ़े थे, आज उन्हीं को झुका कर तूने विपक्ष को चूम लिया। हिमाचल की राजनीति में जिस तेजी से राजनीतिक प्राणी फडफ़ड़ा रहे हैं, उसे देखकर विचारधारा गौण हो जाती है। गगरेट की जनता जिस दृश्य में चुनाव देख रही है वहां पूर्व विधायक राकेश कालिया का कांग्रेस में आना, शोला है या शबनम, कौन जानता है। कब भाजपा में चले जाएं या लौट के कांग्रेस में आ जाएं, यह एक चुनाव भर का अंतर है। हर तरफ चुनाव की गोपियां नाच रही हैं, भंवरे गीत गा रहे हैं और कहीं मधुमक्खियों के छत्ते में शहद रखा है। कसौटी यही हैं कि भरे बाजार में उतर जाएं तो कुछ तो दाम या दान मिलेगा। पार्टियों के टिकट के अभयदान में छह कांग्रेसी विधायक भाजपा के हो गए। छिक्के टूट रहे हैं और यह उस जनता के सामने हो रहा है जो स्वयं को सियासत की जागरूकता में पारंगत समझती है। जनता के पास कुछ टुकड़े, कुछ विवाद, कुछ जातिगत प्रयोग, कुछ गारंटियां, कुछ मुफ्तखोरी और कुछ स्वार्थी सपने। हम सीमा रेखा में रहकर बदलाव ढूंढ रहे हैं या अपने तूफानों से लडऩे के लिए चिराग खोज रहे हैं। आश्चर्य यह कि हिमाचल अपनी बोलियों में भाषा का सेतु नहीं जोड़ पाया और इसीलिए भाषावाद के सहारे समाज बोरियों में बंद है। हद तो यह कि यही एकमात्र राज्य है जहां 'धामवाद' भी चल रहा है। मेरी धाम उससे बेहतर के नारे पर मदरे झगड़ रहे हैं और पता नहीं उड़द की दाल उबलकर कितनी सूख गई है। प्रदेश के लिए सोचने की तासीर इतनी संकीर्ण रहेगी, तो फिर मंत्री बनकर भी नेता विधायक ही रहेंगे। ऐसे में क्या हमारे सांसद सत्रह विधानसभा क्षेत्रों के साथ न्याय कर पाएंगे। सत्रह विधानसभा क्षेत्रों में ही सही संस्कृति के सेतु पुष्ट करने होंगे। बोलियों से भाषा और खान-पान में धाम का चरित्र राज्य स्तरीय करना ही पड़ेगा।

राजनीतिक दलों के मुफ्त उपहारों पर लाना चाहिए श्वेतपत्र, पूर्व आरबीआई गवर्नर की केंद्र को सलाह

हैदराबाद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने मुफ्त उपहार को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को सलाह दी है। उनका कहना है कि सरकार को मुफ्त उपहार देने के मुद्दे पर राजनीतिक दलों के बीच सहमति बनाने के लिए श्वेत पत्र लाना चाहिए। साथ ही इस बारे में गहन बहस होनी चाहिए कि इस संबंध में राजनीतिक दलों पर कैसे अंकुश लगाया जाए।

मुफ्त उपहारों की लागत और लाभों के बारे में करें जागरूक – सुब्बाराव ने यह भी सलाह दी कि आम जनता को इन मुफ्त उपहारों की लागत और लाभों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए और यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस बारे में लोगों को कैसे शिक्षित करे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह एक राजनीतिक मुद्दा है और इस पर राजनीतिक सहमति होनी चाहिए। इसका नेतृत्व केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को करना होता है। मेरा मानना है कि उन्हें एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए और इस पर आम सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए।

इस पर कैसे लगा सकते हैं रोक – आरबीआई के पूर्व गवर्नर का कहना है कि लोगों को मुफ्त उपहारों के बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि हम इस पर कैसे रोक लगा सकते हैं और हम इसे कैसे लागू कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत जैसे गरीब देश में यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सबसे कमजोर वर्गों को कुछ सुरक्षा तंत्र प्रदान करे और यह भी आत्मनिरीक्षण करे कि वित्तीय बाधाओं को देखते हुए उन्हें कितना दूर तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा, आपको पूछना चाहिए कि क्या यह इस धन का सर्वश्रेष्ठ उपयोग है या हम कुछ बेहतर कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें मुफ्त उपहारों पर अधिक जागरूक होना चाहिए। साथ ही जोरदार बहस करनी चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि हम राजनीतिक दलों पर कुछ संयम कैसे लगा सकते हैं।

वित्तीय अनुशासन बनाए रखना जरूरी – एफआरबीएम की सीमा का उल्लंघन करने वाले कुछ राज्यों के बारे में उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्र सरकार को वित्तीय अनुशासन बनाए रखना चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत को सतत विकास और निवेश बढ़ाने के लिए सुधार जारी रखने चाहिए, आईएमएफ अधिकारी ने दी सलाह

नई दिल्ली। आम लोगों के खर्च में इजाफा होने और सार्वजनिक क्षेत्र में निवेश बढ़ाने से भारत सतत विकास की राह आगे बढ़ रहा है। तमाम वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की यह प्रगति बनी हुई है। आईएमएफ की एशिया पैसिफिक विभाग की निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने यह दावा किया है। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए 6.8 प्रतिशत विकास दर का आंकड़ा बहुत प्रभावी है और यह आमलोगों के बीच उपभोग और सार्वजनिक संपत्ति में सरकार की ओर से निवेश बढ़ाने के कारण है। श्रीनिवासन ने कहा कि भारत कोरोना महामारी और हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव जैसी चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने में सफल रहा है। भारत की वृद्धि क्षमता को स्वीकार करते हुए उन्होंने जनसांख्यिकीय लाभ का पूरी तरह लाभ उठाने के लिए भारत में सुधारों की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। भारत में हर साल लगभग 1.5 करोड़ लोग श्रम बल में जुड़ सकते हैं आईएमएफ के अधिकारी ने भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, श्रम कानूनों और कारोबारी माहौल में महत्वपूर्ण निवेश पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों को मिलकर सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है ताकि देश अपनी आर्थिक क्षमताओं को साकार कर सके। उन्होंने कहा, मैं अब इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि भारत एक युवाओं की बढ़ती आबादी वाला देश है। भारत में हर साल लगभग 1.5 करोड़ लोग श्रम बल में जुड़ सकते हैं। यदि आप इस मानव संसाधन का लाभ उठाना चाहते हैं, तो आपको बहुत सारे सुधारों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, मैं शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय निवेश पर जोर देना चाहूंगा ताकि बढ़ता श्रम बल अर्थव्यवस्था में उत्पादक योगदान दे सके। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत को अपनी व्यापार व्यवस्था को भी उदार बनाने की जरूरत है ताकि पाबंदियां हटाई जा सकें ताकि कंपनियां आपस में प्रतिस्पर्धा कर सकें। आपको एफडीआई के लिए माहौल को और आकर्षक बनाना होगा। श्रीनिवासन ने चीन के बराबर या उससे भी अधिक वृद्धि दर बनाए रखने के लिए भारत में सुधारों के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने चीन को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, चीन भारत से चार गुना बड़ा है। भारत के लिए मध्यम अवधि की अच्छी संभावनाएं 6.5 प्रतिशत पर बहुत अच्छी हैं। यह उससे बेहतर कर सकता है, लेकिन इसके लिए भारत में वे सुधार होने जरूरी हैं, जिनकी देश को जरूरत है। भारत अगले कई वर्षों में 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि दर हासिल कर सकता है श्रीनिवास ने कहा कि भारत अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल कर सुधारों को शुरू करता है तो अगले कई वर्षों में 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक की जीडीपी हासिल कर सकता है। उन्होंने जीडीपी वृद्धि दर को बढ़ा–चढ़ाकर पेश करने पर चिंता भी जाहिर की।

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध मुनाफा 34 प्रतिशत बढ़ा, ब्याज से होने वाली आमदनी में 24.5 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक का एकल शुद्ध मुनाफा मार्च को समाप्त तिमाही में सालाना आधार पर 37.1 प्रतिशत बढ़कर 16,512 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। तिमाही के दौरान इसकी शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 24.5 प्रतिशत बढ़कर 29,077 करोड़ रुपये हो गई। अपने तिमाही नंबरों की घोषणा करते हुए, एचडीएफसी बैंक ने लिए प्रति शेयर 19.5 का लाभांश भी घोषित किया। निजी क्षेत्र के ऋणदाता का कोर नेट इंटरेस्ट मार्जिन कुल संपत्ति पर 3.44 प्रतिशत और ब्याज़ अर्निंग असेट के आधार पर 3.63 प्रतिशत रहा। एचडीएफसी बैंक ने अपनी फाइलिंग में कहा कि अर्थव्यवस्था में ऋणों का माहौल बेहतर बना हुआ है। बैंक का सभी क्षेत्रों में क्रेडिट प्रदर्शन स्वस्थ बना हुआ है। पिछले तिमाही की तुलना जीएनपीए में 1.24 प्रतिशत का सुधार हुआ है। बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार उसका नेट एनपीए नेट एडवांस का 0.33 प्रतिशत रहा जो एक साल पहले 0.27 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही में 0.31 प्रतिशत था। बैंका रिटर्न ऑन असेट्स यानी आरओए 0.49 प्रतिशत रहा जो दिसंबर तिमाही में भी इतना ही था। वहीं, एक साल पहले यह 0.53 प्रतिशत था। आंकड़े जारी करने के साथ एचडीएफसी बैंक के बोर्ड ने एक रुपए के फेस वैल्यु पर 1950 फीसदी यानी 19.5 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। इसके लिए 10 मई को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है।

टॉप-10 कंपनियों में से 6 की वैल्यू 1.40 लाख करोड़ कम हुई टीसीएस की मार्केट-वैल्यू एक हफ्ते में 62,538 करोड़ गिरी

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। **बीते कारोबारी हफ्ते मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 6 के मार्केट कैप में कंबाइंड रूप से 1,40,478.38 करोड़ (1.40 लाख करोड़) की गिरावट आई है। इस दौरान मार्केट का सबसे बड़ा लूजर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रहा है। कंपनी का मार्केट कैप 62,538.64 करोड़ गिरकर 13.85 लाख करोड़ रह गया है। टीसीएस के अलावा इंफोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप भी 30,488.12 करोड़ और 26,423.74 करोड़ कम हुआ है।**

एयरटेल का मार्केट कैप 37,797 करोड़ बढ़ा

वहीं, टॉप–10 में केवल 4 कंपनियों ने पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की है। इनमें मार्केट की टॉप गेनर भारती एयरटेल रही है। कंपनी का मार्केट कैप एक हफ्ते में 37,797.09 करोड़ बढ़ा है। अब कंपनी का मार्केट कैप 7.31 लाख करोड़ हो गया है। एयरटेल के साथ–साथ एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलआईसी की मार्केट वैल्यू बढ़ी है।

करीब 600 अंक तेजी के साथ बंद हुआ था बाजार

शेयर बाजार आखिरी कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 599.34 अंक की तेजी के साथ 73,088.33 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 151.15 अंक की तेजी रही थी, ये 22,147 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में करीब 700 अंकों की गिरावट के बाद यह शानदार रिकवरी देखने को मिली।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में तेजी रही और सिर्फ 8 में गिरावट देखने को मिली। कारोबार में बैंक, प्राइवेट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप कैसे काम आता है

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है।

कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

कर्मचारी दफ्तर में आने के बाद काम करें, किसी बात पर बहस नहीं: पिचाई

वाशिंगटन, 21 अप्रैल। बीते दिनों इजराइल के साथ काम करने के विरोध में गूगल कर्मचारियों के गिरफ्तारी के बाद कंपनी ने 28 लोगों को नौकरी से निकाल दिया। जिसके बाद गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने इस पूरे घटनाक्रम के लेकर अपने कर्मचारियों के लिए एक ब्लॉग पोस्ट लिखा है। इस ब्लॉग पोस्ट के माध्यम से कर्मचारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा गया कि वो दफ्तर में आने के बाद काम करें, ना कि राजनीति के चक्कर में उलझें। बीते कुछ दिनों से गूगल कंपनी में चल रहे उथल–पुथल को लेकर सुंदर पिचाई ने कर्मचारियों के नाम एक संदेश लिखा है। उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में गूगल का कल्चर शुरू से खुली बातचीत को बढ़ावा देने वाला रहा है। यही एक वजह हमें बेहतरीन प्रोडक्ट बनाने और अच्छे आइडियाज पर एक्शन लेने के काबिल बनाता हैं। कंपनी की अपनी कुछ पॉलिसी है जिसका पालन सभी को करना है। उन्होंने लिखा कि यहां पर बिजनेस से संबंधित काम किए जाते है इसलिए यहां पर ना तो व्यवधान पहुंचाने वाले मुद्दों को लेकर आपस में लड़ें ना ही राजनीति पर कोई चर्चा करें। बता दें कि सुंदर पिचाई के इस संदेश से पहले ऐसी ही हिदायत गूगल के हेड ऑफ सिक्योरिटी क्रिस रैको ने भी दी थी। उन्होंने भी कर्मचारियों से कहा था कि उन्हें तार्किक रहना चाहिए क्योंकि उनका हमारा लक्ष्य दुनिया की इंफॉर्मेशन को ऑर्गनाइज करना और भरोसेमंद जानकारी उपलब्ध कराने वाला बने रहना है। दरअसल गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक और अमेजन डॉट कॉम ने इजराइल को एआई और क्लाउड सर्विस देने के लिए एक जॉइंट कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तखत किया था। इसी प्रोजक्ट का नाम निम्बस है जिसको लेकर कुछ कर्मचारियों ने विरोध किया, जिसके बाद उन्हें कंपनी से निकाल दिया गया। ऐसे में गूगल के कर्मचारी वहां के वर्क कल्चर को लेकर सवाल कर रहे है जिसके बाद सुंदर पिचाई ने ब्लॉग पोस्ट लिखा।

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटैल को बोर्ड से मिली डिमर्जर की मंजूरी

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के निदेशक मंडल ने मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल कारोबार को अलग करने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि उसकी योजना कंपनी के अलग होने के 12 महीनों के भीतर 2,500 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने की है।

बयान के अनुसार एबीएफआरएल के निदेशक मंडल ने हाल ही में हुई बैठक में आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड (एबीएलबीएल) के अलग होने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

विभाजित होने की प्रक्रिया पूरी होने पर एबीएलबीएल अलग से सूचीबद्ध होगी। एबीएफआरएल ने कहा कि इस प्रक्रिया को एनसीएलटी व्यवस्था योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा और इसके पूरा होने पर एबीएफआरएल के सभी शेयरधारकों के पास दोनों कंपनियों में समान शेयरधारिता होगी। कंपनी ने बयान में कहा कि प्रक्रिया के पूरा होने के 12 महीनों के भीतर एबीएफआरएल ने अपने बहीखाते को मजबूत करने और शेष इकाइयों की वृद्धि को जरूरी कोष उपलब्ध कराने के लिए 2,500 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने की योजना बनाई है।

मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल व्यवसाय में चार फास्ट फैशन ब्रांड लुई फिलिप, वैन ह्यूसेन, एलन सोली और पीटर इंग्लैंड के साथ–साथ अमेरिकन ईगल और फॉरएवर 21 जैसे कैजुअल वियर ब्रांड शामिल हैं। इसके पास स्पोर्ट्सवियर ब्रांड रीबॉक और वैन ह्यूसेन के तहत इनरवियर व्यवसाय के लिए एक ब्रांड लाइसेंस भी है, जिसे एक अलग सूचीबद्ध इकाई में विभाजित किया जाएगा।

बच्चों का सामान बनाने वाली इस कंपनी पर लगा करोड़ों का जुर्माना, कैंसर होने से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। अदालत ने जे एंड जे और केन्व्यू पर 45 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। एक महिला के मुकदमा दायर करने के बाद चली लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने माना कि कंपनी के बेचे गए टेल्कम बेबी पाउडर में एस्बेस्टर था। जो कि महिला के कैंसर और मौत का कारण बना था।

जॉनसन एंड जॉनसन और केन्व्यू कंपनी जो बच्चों से जुड़े प्रोडक्ट बनाने के लिए चर्चित है। अमूमन हर किसी के घर में जे एंड जे कंपनी के प्रोडक्ट मिल देखने मिलेंगे। लेकिन एक महिला ने अदालत में केस दायर किया है कि इस प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने से उनके परिवार के सदस्य को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी हुई, जिससे उनकी मौत हो गई थी। कंपनी के बेचे गए टेल्कम

पाउडर में एस्बेस्टस था। वहीं एस्बेस्टस जो कि मेसोथेलियोमा के पैदा होने का कारण है।

परिवार ने आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था कि थेरेसा गार्सिया की मौत का जिम्मेदार दोनों कंपनियों को ठहराया था। गार्सिया की बेटी स्टेफ़नी साल्सेडो ने अपने परिवार की ओर से मामला दायर किया। परिवारजनों का मानना है कि 2020 में महिला की मौत कैंसर के कारण हुई। लेकिन कैंसर एस्बेस्टस के कारण हुआ। परिवारजन का आरोप था कि कंपनी ने यह जानकर भी टेल्कम पाउडर बेच दिया, जब उनको पता था कि टेल्कम पाउडर में एस्बेस्टस था। वहीं जे एंड जे का कहना है कि उसके टैल्क–आधारित उत्पादों से कैंसर नहीं होता है।

मामले की सुनवाई शुक्रवार देर रात शिकागो में हुई थी। इसमें ज्यूरी सदस्यों ने कंपनी को 45 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया, जो कि पीडिता के परिवार को दिया जाना है।

परिवार की वकील जेसिका डीन ने कहा कि परिवार आभारी है कि जूरी सदस्यों ने जे एंड जे और केनव्यू द्वारा दिए गए धोखे को देखा। और माना कि टेल्कम पाउडर कैंसर का कारण बन सकता है।

कंपनियों को पता था कि टेल्कम में एस्बेस्टस की अशुद्धियाँ हैं उसके बाद भी उस बेबी पाउडर को जे एंड जे की बोतलों में डाला गया था। वहीं परिवार ने दावा किया था कि महिला को 2016 में डिम्बग्रंथि कैंसर एस्बेस्टस से दूषित बेबी पाउडर के उपयोग के कारण हुआ था।

रुपया ही नहीं अन्य करेंसी भी... वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया रुपये की कमजोरी का कारण

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में गिरावट के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। गुजरात के अहमदाबाद में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था और डॉलर की स्थिति मजबूत होती है, तो उसके मुकाबले रुपये में उतार–चढ़ाव आता है। वित्त मंत्री ने कहा, इसके विपरीत, येन और यूरो के मुकाबले रुपया; हमारी आर्थिक स्थिति, विदेशी मुद्रा भंडार, मुद्रास्फीति, और आर्थिक मजबूती को देखते हुए स्थिर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले, न सिर्फ रुपया बल्कि अन्य मुद्राओं में उतार–चढ़ाव और अधिक है। वैश्विक परिवेश में अनिश्चितता बढ़ रही है। ईरान और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ने से पश्चिम एशिया में चुनौतीपूर्ण हालात बने हैं। यही वह क्षेत्र है जहां से सिर्फ हमारी ही नहीं पूरी दुनिया का क्रूड ऑयल निकलता है, इससे ग्लोबल इकोनॉमी में उतार–चढ़ाव बढ़ा है।

भारत को विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने की हो रही कोशिश अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की ओर से अपनी भारत यात्रा स्थगित करने से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र ने भारत को विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए नीतियां तैयार की हैं और इसका मकसद न केवल घरेलू बाजार बल्कि निर्यात के लिए भी उत्पादन करना है। उन्होंने कहा, निवेश आकर्षित करने के लिए नीतियां बनाई गई हैं। हम चाहते हैं कि विनिर्माता और निवेशक यहां आएं और न केवल भारत के लिए नहीं बल्कि निर्यात के लिए भी उत्पादन करें। हम नीतियों के जरिये विनिर्माणकर्ताओं और निवेशकों को आकर्षित करने की कोशिश करेंगे। टेस्ला के सीईओ मस्क ने कहा कि कंपनी की भारी जिम्मेदारियों के कारण उनकी भारत यात्रा में देरी हो रही है। वित्त मंत्री ने कहा, जब बड़ी कंपनियां भारत आने में दिलचस्पी दिखाएंगी तो हम उनके लिए यहां आकर निवेश करना आकर्षक बनाने की हर संभव कोशिश करेंगे। उस प्रक्रिया में, यदि चर्चा करने के लिए कुछ है, तो हम निश्चित रूप से चर्चा करेंगे। लेकिन हमने जो कुछ किया है, उसे नीतियों के तहत से किया है। उन्होंने कहा कि जब चीन प्लस वन कई उद्योग विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय बना तो केंद्र सरकार के दृष्टिकोण से मदद मिली। उन्होंने कहा कि नीतियों को इस तरह से तैयार किया गया जिससे भारत को विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए एक आकर्षक स्थान बनाया जा सके। मोदी सरकार के दौरान एक महीने को छोड़कर कभी महंगाई ने टॉलरेंस बैंड के पार नहीं गई महंगाई पर वित्त मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान एक महीने को छोड़कर कभी भी महंगाई ने टॉलरेंस की बैंड की ऊपरी सीमा को पार नहीं किया जबकि उससे पहले (2014 से पहले) अर्थव्यवस्था बुरी हालत में थी और महंगाई दहाई अंक में थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, उस समय (2014 से पहले) किसी को देश से कोई उम्मीद नहीं थी। बहुत कठिन परिश्रम के बाद, हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरे हैं और विश्वास के साथ कह रहे हैं कि हम अगले दो से ढाई साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। देश में रोजगार के मुद्दे पर केंद्रीय वित्त मंत्री ने कही यह बात रोजगार के मुद्दे पर सीतारमण ने कहा कि औपचारिक और अनौपचारिक दोनों क्षेत्रों से सटीक आंकड़ों का अभाव है लेकिन केंद्र की पहल से लाखों नौकरियां सुनिश्चित हुई हैं। उन्होंने कहा, डेटा अपर्याप्त है। मैं इस पर गर्व नहीं कह रही हूं बल्कि इसकी कमजोरी को स्वीकार करते हुए यह कह रही हूं। रोजगार के बारे में मैं इतना ही कह सकती हूं कि लोगों और स्टार्टअप्स को अलग–अलग योजनाओं के जरिए जो पैसा (करोड़ों में) दिया गया है... लोगों को उससे मदद मिली है। अक्टूबर 2022 से नवंबर 2023 के बीच रोजगार मेलों के जरिए मोदी सरकार ने 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी है। बड़ी कंपनियों को माल या सेवाएं प्राप्त करने के 45 दिनों के भीतर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को भुगतान करने के नियम के बारे में पूछे जाने पर, सीतारमण ने कहा कि यह कानून 2007–08 से अस्तित्व में है और नया नहीं है। इससे पहले उन्होंने विकसित भारत–2047 विषय पर गुजरात के उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) के तहत कुल पूंजी का 28 प्रतिशत इस राज्य में आया है, राज्य ने पिछले 10–12 वर्षों में उल्लेखनीय सतर्कता दिखाई है। भारत के लिए सेमीकंडक्टर विनिर्माण गुजरात में पहले स्थान पर आता है, जिसके पास विकसित भारत 2047 के लिए विनिर्माण की सरकारी नीति और पारिस्थितिकी तंत्र तैयार है। गांधीनगर के गिफ्ट सिटी स्थित आईएफएससी गुजरात में सेवाओं के विकास के लिए एक बड़ा प्रवेश द्वार है। उन्होंने यह भी कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में एफडीआई आकर्षित करने में भी गुजरात तीसरे स्थान पर है।

किंग खान के मुरीद हुए गंभीर, शाहरुख की खूबी का बखान करते हुए दिया सर्वश्रेष्ठ टीम मालिक का टैग

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां) । भारतीय टीम के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर ने कोलकाता नाइटराइडर्स के सह-मालिक शाहरुख खान और एक प्रमुख खिलाड़ी की जमकर तारीफ की है। गौतम गंभीर ने हाल ही में, आईपीएल के दौरान शाहरुख खान के साथ काम करने को सर्वश्रेष्ठ समय बताया और टीम के मालिक की सराहना की है। फिलहाल, गौतम कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर हैं, पहले वह इस टीम के कप्तान थे।

हाल ही में, गौतम ने शाहरुख खान के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की और कहा, मैंने जिनके साथ काम किया है उनमें वह सबसे अच्छे मालिक हैं और इसका कारण यह नहीं है कि मैं अभी हूं, या पहले केकेआर का हिस्सा था । मुझे नहीं लगता कि मेरी कप्तानी के सात वर्षों में सात मिनट तक क्रिकेट संबंधी बातचीत की हो। उस समय भी, हमने यह बातचीत की थी क्योंकि मैं खुद को छोड़ने की कगार पर था।

शाहरुख के मुरीद हुए गौतम गंभीर

क्रिकेटर ने शाहरुख की सलाह का खुलासा करते हुए कहा, उन्होंने मुझसे केवल एक ही बात कही थी कि, जब तक आप यहां हैं। आप ही रहेंगे। जब तक आप यहां रहना चाहते हैं, तब तक आप हम आपको नहीं छोड़ेंगे। मैंने सोचा कि एक लीडर के रूप में, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मुझमें प्लेइंग 11 का हिस्सा बनने का साहस होना चाहिए। मैंने शाहरुख को यह बताया। पिछले सात मैचों में मेरी उनके साथ यही एकमात्र बातचीत रही है। उन्होंने मुझसे कहा कि तुम खुद को नहीं गिराओगे, चाहे कुछ भी हो जाए। तुम मैच खेल खेलोगे। और फिर चीजें बदल गईं।

किंग खान की तारीफ में कही यह बात गंभीर ने आगे कहा, तो, एक मालिक के रूप में किसी ऐसे व्यक्ति की कल्पना करें, जो खुद इतना बड़ा, महान उपलब्धि हासिल करने वाला रहा हो और क्रिकेट के बारे में बात भी नहीं करता हो। आपसे आपके निर्णय लेने के बारे में सवाल न करता हो। उसे आपके निर्णय लेने पर भरोसा था। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैंने उन सात सालों में सही फैसले लिए, लेकिन उन्होंने कभी सवाल नहीं उठाया क्योंकि यही वह रिश्ता है, जिससे मुझ पर उन्हें भरोसा था।

न्यूज ब्रीफ

टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम की घोषणा शीघ्र करेगा बीसीसीआई, 27 या 28 अप्रैल को कप्तान रोहित शर्मा के साथ बैठक करेंगे चयनकर्ता

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए शीघ्र ही टीम की घोषणा करेगा। बीसीसीआई को टी20 विश्वकप के लिए आईसीसी को खिलाड़ियों की सूची एक मई तक देनी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इसके लिए चयनकर्ता 27 या 28 अप्रैल को दिल्ली में कप्तान रोहित शर्मा के साथ बैठक कर सकते हैं बीसीसीआई प्रमुख अजीत अगरकर भी विदेश से लौट गये हैं। टीम चयन को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस रिपोर्ट के अनुसार टीम में 10 खिलाड़ियों का चयन पक्का है, वहीं कुछ खिलाड़ियों पर फैसला उनकी फिटनेस पर आधारित रहेगा। टीम में शामिल दस खिलाड़ियों में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या शामिल नहीं हैं। पंड्या को गेंदबाजी किये जाने की स्थिति में ही शामिल किया जाएगा। आईपीएल सत्र में अब तक पंड्या अधिक गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं। टीम इस प्रकार होने की संभावना है। रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव आदि, वहीं पंड्या की टी20 विश्व कप में जगह आईपीएल में उनके प्रदर्शन पर आधारित रहेगी। चयनकर्ता हार्दिक के प्रदर्शन पर नजरें रखें हुए हैं। आईपीएल के इस सत्र में अभी तक वह विफल रहे हैं। भारतीय टीम टी20 विश्व कप 2024 में अपने अभियान की शुरुआत 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ करेगी।

सीएसके की दिल की धड़कन हैं धोनी: फ्लेमिंग

लखनऊ । महेंद्र सिंह धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स के 'दिल की धड़कन बताकर कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि घुटने की चोट से उबरने के बाद वे लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते लिहाजा माही को शानदार फॉर्म के बावजूद बल्लेबाजी क्रम में ऊपर नहीं भेजा जा सकता। 42 वर्ष के धोनी ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ नौ गेंद में 28 रन बनाए लेकिन उनकी टीम आठ विकेट से हार गई। फ्लेमिंग ने कहा , यह प्रेरणास्पद है ना। अभ्यास के दौरान भी वे बहुत उम्दा बल्लेबाजी कर रहे हैं। टीम इससे हैरान नहीं है क्योंकि सत्र से पहले तैयारी में भी वह शानदार खेल रहे थे। उन्होंने कहा, उनके घुटने में दर्द है और वह इससे उबरने की प्रक्रिया में कुछ ही गेंद खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, हर कोई धोनी को लंबे समय तक बल्लेबाजी करते देखना चाहता है, लेकिन टीम प्रबंधन धोनी को पूरे टूर्नामेंट में खेलते देखना चाहता हैं। इसकारण दो तीन ओवर खेलना ही ठीक है। वह हर समय अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं और उसे देखने में मजा आ रहा है। लंबे समय से चेन्नई के कोच रहे फ्लेमिंग ने कहा कि पांच बार टीम को खिताब दिलाने वाले धोनी टीम के दिल की धड़कन हैं और हर स्टेडियम पर दर्शकों से उन्हें मिल रहे अपार प्रेम के बीच उनकी मौजूदगी के हर पल का टीम लुत्फ उठा रही है। उन्होंने कहा ,''जब वह मैदान पर आते हैं, तब क्या जबर्दस्त माहौल होता है।

टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने पर दिनेश कार्तिक बोले: मैं इसके लिए 100 प्रतिशत तैयार; आईपीएल में 205.45 स्ट्राइक रेट से रन बना रहे

मुम्बई । विकेटकीपर कार्तिक ने कहा, मेरे जीवन के इस पड़ाव पर, भारत का प्रतिनिधित्व करना सबसे बड़ी खुशी होगी। मैं इसके लिए 100 प्रतिशत तैयार हूं। मैं टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल होने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। कार्तिक ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था। तब से उन्होंने भारत के लिए कोई भी मैच नहीं खेला। इस दौरान वे कमेंट्री करते नजर आए। आईपीएल के इस सीजन में 7 मैचों में दो अर्धशतक लगाए 38 साल के दिनेश कार्तिक आईपीएल के इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 7 मैचों में 205.45 के स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए हैं। इसमें दो हाफ संेचुरी शामिल है। वे मौजूदा सीजन में टीम के तीसरे टॉप स्कोरर हैं। टी-20 इंटरनेशनल में दिनेश कार्तिक कार्तिक ने टी-20 इंटरनेशनल में भारत के लिए अब तक 60 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 686 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 142.62 रहा है। टी-20 इंटरनेशनल में उनके नाम एक अर्धशतक है।

कोलकाता ने एक रन से जीता रोमांचक मुकाबला

बेंगलुरु ने 222 के जवाब में 221 रन बनाए, आंद्रे रसेल को 3 विकेट

कोलकाता, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 36वें मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को रोमांचक मुकाबले में 1 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ कोलकाता पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर आ गई।

बेंगलुरु को आखिरी ओवर में 21 रन चाहिए थे। मिचेल स्टार्क के इस ओवर में कर्ण शर्मा ने चार बॉल में तीन छक्के लगाकर मैच को रोमांचक बना दिया। लेकिन, ओवर की पांचवीं बॉल पर वे आउट हो गए। इस वक्त रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत के लिए 2 बॉल पर 3 रन चाहिए थे।

कर्ण शर्मा के विकेट के बाद टीम को आखिरी बॉल पर 3 रन चाहिए थे। यहां लॉकी फर्ग्यूसन ने कवर्स की दिशा में शॉट खेला और 2 रन के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने एक रन पूरा किया लेकिन दूसरा रन लेने से पहले रन आउट हो गए। इस तरह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने एक रन से रोमांचक मुकाबला गंवा दिया।

दिन के पहले मुकाबले में ईडन गार्डन्स स्टेडियम में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। कोलकाता ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 222 रन बनाए और बेंगलुरु को 223 रन का टारगेट दिया। जवाब में बेंगलुरु 20 ओवर में 221 रन पर ऑल आउट हो गई।

बेंगलुरु के लिए विल जैक्स (55) और रजत पाटीदार (52) ने अर्धशतक लगाया। उनके अलावा दिनेश कार्तिक ने 25 और सुयश प्रभुदेसाई ने 24 रन किन पारी खेली। कर्ण शर्मा ने 7 बॉल पर 20 रन बनाए। कोलकाता की ओर से आंद्रे रसेल ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके। सुनील नरेन और हर्षित राणा ने दो-दो विकेट लिए। रुण चक्रवर्ती और मिचेल स्टार्क को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले, कोलकाता के लिए कप्तान श्रेयस अय्यर ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 36 बॉल पर 50 रन बनाए। उनके अलावा फिल सॉल्ट ने 48 रन की पारी खेली। आंद्रे रसेल ने 27 रन बनाए। रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह ने 24-24 रन का योगदान दिया। बेंगलुरु की ओर से यश दयाल और कैमरन ग्रीन ने दो-दो विकेट झटके। मोहम्मद सिराज और लॉकी फर्ग्यूसन को एक-एक विकेट मिला।

बेंगलुरु का 10वां विकेट इनिंग की आखिरी बॉल पर गिरा। इसी के साथ बेंगलुरु मैच भी 1 रन से हार गई। 20वें ओवर के आखिरी बॉल लॉकी फर्ग्यूसन डीप एक्स्ट्रा कवर पर खेली। इसके बाद वो 2 रन के लिए दौड़ पड़े। एक रन तो पूरा कर लिया। लेकिन, दूसरा रन लेने के लिए जब बढ़े तो रमनदीप ने बॉल विकेटकीपर फिल सॉल्ट को थ्रो और सॉल्ट ने उन्हें रन आउट करा दिया।

केकेआर के लिए इस मुकाबले में श्रेयस ने भी दमदार बैटिंग की। मध्यक्रम में अय्यर ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए टीम के लिए 36 गेंद में 50 रनों की पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 1 छक्का भी लगाया। केकेआर के लिए आंद्रे रसेल बैट और गेंद दोनों से दमदार खेल दिखाया। रसेल ने निचले क्रम में अपनी टीम के लिए 20 गेंद में 27 रन बनाए जबकि गेंदबाजी में उन्होंने 3 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए।

गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हराया

मोहाली 21 अप्रैल (एजेंसियां)। साई किशोर, नूर अहमद और मोहित की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कप्तान शुभमन गिल (35) और राहुल तेवतिया के नाबाद 36 रनों की पारियों की बदौलत गुजरात टाइटंस ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 37वें मैच में पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हरा दिया है। गुजरात की आठ मैचों में यह चौथी जीत है।

143 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर में ऋद्धिमान साहा (13) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पारी को संभाला। गिल ने 29 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 35 रन बनाये। वहीं साई सुदर्शन ने तीन चौके लगाते हुए 31 रन बनाये। डेविड मिलर (4), अजमतउल्लाह उमरजई (13), शाहरुख़ खान (8), राशिद खान (3) रन बनाकर आउट हुये। राहुल तेवतिया ने 18 गेंदों में सात चौके लगाते हुए नाबाद 36 रन बनाये। गुजरात ने 19.1 ओवर में सात विकेट पर 147 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया।

पंजाब किंग्स की ओर से हर्षल पटेल ने तीन विकेट लिये। लियम लिविंगस्टन ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। अर्शदीप सिंह और सैम करन को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले प्रभसिमरन सिंह (35) और हरप्रीत बराड़ (29) रनों की पारियों के दम पर पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को जीत के लिए 143 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां महाराज यदविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पंजाब की कप्तान सैम करन और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 52 रन जोड़े। छठे ओवर में मोहित ने प्रभसिमरन सिंह को आउट किया। प्रभसिमरन सिंह ने 21 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के की मदद से टीम के लिए सर्वाधिक 35 रन बनाये। इसके बाद गुजरात के गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के आगे पंजाब के लगातार विकेट गिरते रहे। छठे ओवर में ही राइली रुसो (9) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। जितेश शर्मा (13), लियम लिविंगस्टन (6), शशांक सिंह (8), आशुतोष शर्मा (3), हरप्रीत सिंह (14), हर्षल पटेल (शून्य) और हरप्रीत बराड़ 12 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुये।

पाक के रिजवान ने बना डाला रिकॉर्ड, टी20 क्रिकेट में विराट कोहली और बाबर आजम को पछाड़ा

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला। मोहम्मद रिजवान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

31 साल के रिजवान ने रावलपिंडी में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में 34 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 45 रन की मैच विनिंग पारी खेली। पाकिस्तान ने दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से पटखनी देकर पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई।

विराट-बाबर का रिकॉर्ड चकनाचूर

मोहम्मद रिजवान ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर की 79वीं पारी में तीन हजार रन का आंकड़ा पार किया। उन्होंने हमवतन बाबर आजम और विराट कोहली को दो पारियों के

अंतर से पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड अपने नाम किया। बाबर-विराट दोनों ने 81वीं पारी में तीन हजार रन का आंकड़ा पार किया था।

बता दें कि मोहम्मद रिजवान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 3000 रन का आंकड़ा पार करने वाले आठवें बल्लेबाज बने। हालांकि, विराट कोहली टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। भारतीय बैटर ने 117 मैचों में 4037 रन बनाए हैं।

पाकिस्तान की आसान जीत

पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में 47 गेंदें शेष रहते सात विकेट से मात दी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 18.1 ओवर में 90 रन पर ढेर हो गई। जवाब में पाकिस्तान ने 12.1 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया।

बलराज पंवार की बड़ी कामयाबी, भारत को नौकायन में पहला पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया

नई दिल्ली, 21 अप्रैल ।

बलराज पंवार ने दक्षिण कोरिया के चुंग्जू में 2024 विश्व एशियाई और ओसनियाई ओलंपिक एवं पैरालंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में पुरुष एकल स्कल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहकर भारत को नौकायन में पहला पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया।

भारतीय सेना के 25 वर्षीय पंवार पिछले साल चीन के हांग्झोउ में अपने पहले एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूक गये थे। उन्होंने 7: 01.27 मिनट का समय निकालकर 2000 मीटर रेस में तीसरा स्थान हासिल कर ओलंपिक कोटा प्राप्त किया।

पुरुष एकल स्कल में शीर्ष पांच नौकाचालक ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करते हैं। पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स में देश क्वालीफाई नहीं कर सका। भारत ने पिछले तोक्यो ओलंपिक में इस स्पर्धा में हिस्सा लिया था। उज्जवल कुमार और अरविंद सिंह की भारतीय जोड़ी तीसरे स्थान पर रही जबकि इसमें शीर्ष दो जोड़ी कोटा हासिल करती हैं।

भारत इस तरह 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक में नौकायन में एक ही स्पर्धा में हिस्सा लेगा। अर्जुन लाल और अरविंद सिंह ने तोक्यो

ओलंपिक में पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और वे 11वें स्थान पर रहे थे। एशियाई क्वालीफायर भी एशियाई रोइंग कप के साथ ही कराये जा रहे हैं जिसमें भारत ने सलमान खान और नितिन देओल की बदौलत पुरुष डबल स्कल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

इसके एक दिन बाद हरियाणा के करनाल के पंवार ने धीमी शुरूआत के बाद दबदबा बनाया और तीसरे स्थान पर रहने में सफल रहे। कजाखस्तान के व्लादिस्लाव याकोवलेव (6: 59.46) ने स्वर्ण पदक और इंडोनेशिया के मेमो ने दूसरा स्थान हासिल किया।

राष्ट्रीय स्तर पर वापसी के लिए अपनी क्षमताओं पर कभी संदेह नहीं किया- प्रीति दुबे

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां) ।

गतिशील फॉरवर्ड प्रीति दुबे को भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियों में नामित किया गया था, जो वर्तमान में एसएआई बैंगलोर में प्रशिक्षण ले रही हैं। 1 अप्रैल को शिविर में आने वाले 60 सदस्यीय मूल्यांकन दल को 6 और 7 अप्रैल को आयोजित चयन परीक्षणों के बाद तैयार किया गया था।33 में से एक नाम जो उभरकर सामने आया वह था--प्रीति दुबे। 25 वर्षीय, जो उत्तर प्रदेश के गोरखपुर की रहने वाली हैं, और 2017 में हॉकी वर्ल्ड लीग सेमीफाइनल में भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अपनी आखिरी उपस्थिति दर्ज की, चयनकर्ताओं और कोचों को प्रभावित करने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी की। मूल्यांकन शिविर.उनका चयन पुणे में आयोजित 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद हुआ।

अपने शामिल होने के बारे में बोलते हुए, प्रीति ने कहा, राष्ट्रीय सेटअप में वापस आना

आश्चर्यजनक लगता है। लेकिन ये सिर्फ पहला कदम है. मेरे सभी प्रयास और कड़ी मेहनत सफल रही। मैं अपने परिवार के सदस्यों और अपने सभी कोचों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, मुझे प्रेरित किया और कठिन समय में मेरे साथ खड़े रहे। मुझे हमेशा अपने आप पर विश्वास था कि सही समय आएगा, और मैंने राष्ट्रीय व्यवस्था में वापस आने की अपनी क्षमताओं और क्षमता पर कभी संदेह नहीं किया।

अपने द्वारा जीते गए संघर्षों को याद करते हुए, प्रीति दुबे ने कहा, मैंने पिछले कुछ वर्षों में बहुत सारे उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन मेरा मानना है कि जो कुछ हुआ, उसने मुझे मानसिक रूप से मजबूत बनाया है। जब 2020 में लॉकडाउन हुआ, तो मुझे बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ा क्योंकि हम नेशनल नहीं खेल सके और इसके कारण मुझे सेंटर रेलवे में अपनी नौकरी से आवंटित छुट्टी नहीं मिल सकी। वह एक साल मेरे लिए सबसे कठिन था। मैं आठ घंटे काम करता था और फिर अपने कमरे में वापस आकर अपना खाना खुद बनाता था क्योंकि मैं अपने परिवार के बिना मुंबई में रह रहा था। लेकिन मैं हर दिन रात 8-9 बजे तक अपनी फिटनेस और ट्रेनिंग के लिए समय निकालता था। मैंने यह सुनिश्चित किया कि मेरी फिटनेस का स्तर कभी कम न हो। मेरा अगला लक्ष्य 18 सदस्यीय टीम के लिए जगह बनाना, मेरा आत्मविश्वास हासिल करना और अपनी टीम को अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर पदक और प्रशंसा जीतने में मदद करना है। मेरा मुख्य ध्यान अब 2028 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक पर है।प्रीति ने यह भी साझा किया कि कैसे उन्होंने हर दिन खुद को प्रेरित रखा और कैसे उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए खुद को आगे बढ़ाया और भारतीय महिला हॉकी टीम में वापसी की। मेरे पिता मुझे हर दिन फोन करते हैं और कहते हैं कि वापसी करने के लिए मेरे पास सबकुछ है। मेरे सभी प्रशिक्षकों ने हमेशा मुझसे कहा है कि मुझमें क्षमता है और जब इतने सारे लोग मुझ पर भरोसा करते हैं, तो इससे मुझे बेहतर करने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा मिलती है और यह मुझे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने में मदद करती है, उसने कहा। मेरे पास एक डायरी है जिसमें मैं अपने सपनों को चित्रों के रूप में लिखता रहता हूं कि मैं उन्हें कैसे पूरा कर सकता हूं और हर दिन अपने प्रशिक्षण के लिए मैदान में उतरने से पहले, मैं डायरी को देखता हूं और यह मुझे मेरे संघर्षों की याद दिलाती है।

फिलीपींस के पास उड़ता दिखा चीनी डब्लूजेउड-7 ड्रोन एक दिन पहले ही भारत से मिली है ब्रह्मोस मिसाइल

मनिला, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का एक सोरिंग ड्रोन डब्लूजेउड-7 फिलीपींस के करीब उड़ता दिखाई दिया। गौरतलब है कि फिलपींस में हाल ही में भारतीय ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की डिलीवरी हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ड्रोन पश्चिम फिलीपीन सागर के पास उड़ता देखा गया था। चीन के साथ दूसरे थॉमस शोल और स्कारबोरो शोल सहित अन्य क्षेत्रीय विवादों के बीच चीनी ड्रोन दिखना चिंताजनक है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयरफोर्स और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी द्वारा उड़ाए गए डब्लूजेउड-7 जेट-संचालित ड्रोन की सर्विस सीलिंग 60,000 फीट से अधिक है। इसकी रेंज लगभग 4,350 मील है। 2022 में भी यही ड्रोन ताइवान स्ट्रेट के पास उड़ता दिखा था।

फिलीपींस, अमेरिका और जापानी का संयुक्त अभ्यास - मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फिलीपींस, अमेरिका और जापान की सेनाओं के साथ 22 अप्रैल से 10 मई तक सैन्य अभ्यास आयोजित करेगा। यह अभ्यास सीधे अमेरिकी-फिलीपीन के द्विपक्षीय रक्षा रिश्तों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। फिलीपींस में अमेरिकी दूतावास ने एक आधिकारिक बयान में कहा, दोनों सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग और तत्परता बढ़ाकर संधि। इस वर्ष, फिलीपींस और अमेरिकी सेना के 16 हजार से अधिक सदस्य एक साथ ट्रेनिंग लेंगे।

फिलीपींस के लिए ब्रह्मोस मिसाइल की डील के क्या मायने - चीन के पड़ोसी फिलीपींस की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइल का सौदा काफी अहम माना जा रहा है। फिलीपींस को यह मिसाइल प्रणाली ऐसे समय में मिली है, जब दक्षिण चीन सागर में लगातार होने वाली झड़पों के कारण उसका चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की तीन बैटरियों को फिलीपींस अपने तटीय क्षेत्रों में तैनात करेगा, ताकि क्षेत्र में किसी भी खतरे से बचाव किया जा सके। चीन और फिलीपींस के बीच जारी विवाद की जड़ में करीब आठ साल पुराना एक फैसला है। दरअसल, 2016 में हेग में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने एक अहम फैसले में कहा था कि फिलीपींस द्वारा दावा किया गया कि दक्षिण चीन सागर का एक विशेष हिस्सा अकेले फिलीपींस का है। हालांकि, चीन ने इस फैसले को खारिज कर दिया और विवादित जल क्षेत्र में अपने जहाज भेजना जारी रखा है। फिलीपींस ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदने वाला पहला देश बना है। यह आपूर्ति दो साल पहले हुए एक समझौते के तहत की गई है। दरअसल, दोनों देशों के बीच 2022 में इस हथियार प्रणाली को लेकर 375 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सौदा हुआ था। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) ने फिलीपींस को तट आधारित एंटी-शिप मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति को लेकर 28 जनवरी, 2022 को फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब और पख्तूनख्वा की 21 सीटों पर उपचुनाव शुरू, कॉल और इंटरनेट सेवा पर पाबंदी, सेना की कड़ी निगरानी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पंजाब और बलूचिस्तान के विशिष्ट जिलों में कड़ी सुरक्षा के बीच रविवार को 21 प्रांतीय सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान शुरू हो चुका है। पाकिस्तान चुनाव आयोग की निगरानी में चुनाव सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। पाकिस्तान में आम चुनाव राष्ट्रीय असेंबली और चार प्रांतीय विधानसभा के लिए 8 फरवरी को हो चुका है। इस दौरान एक नेशनल असेंबली सीट, दो पंजाब विधानसभा सीट और खैबर खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा की एक सीट के लिए मतदान रद्द हो गया था। वहीं एक से अधिक सीट जीतने वाले उम्मीदवारों ने चुनाव के बाद केवल एक ही सीट चुनी। इस कारण से पाकिस्तान चुनाव आयोग को 21 सीटों पर उपचुनाव आयोजित करना पड़ा। इन 21 सीटों में पांच राष्ट्रीय और 16 प्रांतीय विधानसभा सीटें शामिल थीं। पाकिस्तान चुनाव आयोग ने इन सीटों पर 21 अप्रैल को उपचुनाव कराने का निर्णय लिया। उपचुनाव से एक दिन पहले संघीय सरकार ने बताया कि उपचुनाव के दौरान पंजाब और बलूचिस्तान के विशिष्ट जिलों में सेलुलर सेवाएं और इंटरनेट बंद रहेगा। पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया की अखंडता और सुरक्षा की रक्षा के लिए यह निर्णय लिया गया है। सीएएफ और पाकिस्तानी सेना भी रहेगी तैनात ईसीपी ने संघीय सरकार से शांति बनाए रखने के लिए पाकिस्तानी सेना और नागरिक सशस्त्र बल (सीएएफ) के सैनिकों की तैनाती को मंजूरी देने के लिए कहा था। आंतरिक मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी अपनी अधिसूचना में कहा कि सीएएफ और पाकिस्तान सेना इकाइयों को सुरक्षा के लिए सभी 21 निर्वाचन क्षेत्रों में 22 अप्रैल तक तैनात रहेंगे। इन्होंने छोड़ी थी सीटें पंजाब में कसूर और लाहौर सीटों को प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ और मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने खाली कर दिया। जबकि शहबाज ने लाहौर में अपनी दो प्रांतीय विधानसभा सीटें भी छोड़ दीं।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन अगले सप्ताह जाएंगे चीन, अहम मुद्दों पर करेंगे चर्चा

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन जल्द ही चीन का दौरा करने वाले हैं। इसकी

जानकारी देते हुए अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि ब्लिंकन 24 से 26 अप्रैल तक चीन की यात्रा पर रहेंगे। विदेश विभाग का कहना है कि ब्लिंकन शंघाई और बीजिंग में चीनी अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिलेंगे। इस दौरान मध्य पूर्व संकट, यूक्रेन के खिलाफ रूस का युद्ध, क्रॉस-स्ट्रेट मुद्दे और दक्षिण चीन सागर पर भी बात होगी। इन मुद्दों पर भी होगी बात एक बयान में कहा गया, विदेश मंत्री नवंबर में वुडसाइड शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन और शी द्वारा किए गए प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए चल रहे कार्यों पर भी चर्चा करेंगे, जो कि काउंटरनार्कोटिक्स सहयोग, सैन्य-से-सैन्य संचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर है। यह लोग भी रहेंगे मौजूद विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ सार्वजनिक कूटनीति और सार्वजनिक मामलों की अवर सचिव लिज एलेन, पूर्वी एशियाई और प्रशांत मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव डैनियल क्रिटेनब्रिंक, अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स और कानून प्रवर्तन मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव टॉड रॉबिन्सन और साइबरस्पेस और डिजिटल नीति के लिए बड़े पैमाने पर राजदूत नथानिएल फिक भी होंगे।

संसद के निचले सदन में यूक्रेन-इस्राइल के लिए 95 अरब डॉलर के पैकेज को मंजूरी, बाइडन ने की थी अपील

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडन की अपील के दो दिन बाद अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में यूक्रेन के साथ-साथ पश्चिम एशियाई देश इस्राइल और युद्धग्रस्त गाजा में मानवीय सहायता संबंधी पैकेज को मंजूरी मिल गई। सदन ने 61 अरब अमेरिकी डॉलर के यूक्रेन सहायता पैकेज को मंजूरी दी। इस पैकेज को युद्धग्रस्त यूक्रेन को नए सिरे से अमेरिकी समर्थन की तरह देखा जा रहा है। इसके अलावा सदन ने इस्राइल की सहायता करने और युद्धग्रस्त गाजा में लोगों को मानवीय राहत प्रदान करने के लिए 26 बिलियन अमेरिकी डॉलर के पैकेज को मंजूरी दी। प्रत्यक्ष सैन्य सहायता की घोषणा रिपोर्ट के अनुसार, सदन में यूक्रेन, इस्राइल और अन्य अमेरिकी सहयोगियों के लिए कुल 95.3 अरब डॉलर के पैकेज पर वोटिंग हुई। मंजूरी के बाद इसे सीनेट में भेज दिया गया। सहायता को मंजूरी के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी सांसदों का आभार प्रकट किया।

अमेरिका ने इस्राइल की एक सैन्य बटालियन पर प्रतिबंध लगाने का लिया फैसला

तेल अवीव, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका ने एक तरफ इस्राइल की मदद के लिए हाथ बढ़ाए तो दूसरी तरफ आंखें टेढ़ी कर दी। अमेरिकी संसद ने इस्राइल के लिए 13 अरब डॉलर की नई सैन्य सहायता को मंजूरी दी है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका इस्राइल की एक सैन्य बटालियन पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है। ये प्रतिबंध बटालियन द्वारा फलस्तीनी लोगों के खिलाफ किए गए मानवाधिकार उल्लंघन के लिए लगाया जा सकता है। हालांकि, इस कदम की इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने निंदा की है।

इस बटालियन पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी

फलस्तीन के वेस्ट बैंक में इस्राइली सेना पर मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में अब अमेरिका वहां आम लोगों को निशाना बनाने के आरोप में नेत्जाह येहुदा बटालियन पर प्रतिबंध लगाने का एलान कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो किसी इस्राइली सैन्य टुकड़ी के खिलाफ बाइडन प्रशासन की पहली कार्रवाई होगी।

आगबबूला हुए पीएम नेतन्याहू

अमेरिका के इस संभावित कदम से इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू खासे नाराज दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इस्राइली रक्षा बलों पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए। हमारे सैनिक आतंकवादी से लड़ रहे हैं। आईडीएफ यूनिट पर प्रतिबंध लगाने का इरादा बेतुकापन है।

उन्होंने आगे कहा, मैं जिस इस्राइली सरकार का नेतृत्व कर रहा हूं, वह इन कदमों के खिलाफ सभी तरीकों से कार्रवाई करेगी। बता दें कि अमेरिका इससे पहले ईरान पर भी इस्राइल पर हमला करने के लिए कई तरह से प्रतिबंध लगा चुका है। इसके बाद इस्राइल के खिलाफ उनका एक्शन कई तरह के सवाल खड़े करते हैं।

हमारे सैनिकों पर प्रतिबंध लगाना खतरे का संकेत

इस्राइली मंत्री इतामर बेन ग्विर और बेजेल स्मोट्रिच ने भी अमेरिका के फैसले की कड़ी आलोचना की। ग्विर ने कहा, हमारे सैनिकों पर प्रतिबंध लगाना खतरे का संकेत है। यह कदम बेहद गंभीर है और नेत्जाह येहुदा के सदस्यों की रक्षा की जानी चाहिए।

इस्राइली मंत्री इतामर बेन ग्विर और बेजेल स्मोट्रिच ने रक्षा मंत्री योव गैलेंट से भी अमेरिकी आदेश के आगे न झुकने का आह्वान किया। वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में नेत्जाह येहुदा पर प्रतिबंध लगाने की अमेरिकी योजना के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया।

इजरायल और ईरान की जंग बनेगी तीसरे विश्वयुद्ध का कारण : बाबा वेंगा

वॉशिंगटन। बुल्गारिया के नास्त्रेदमस कहे जाने वाले बाबा वेंगा की ज्यादातर भविष्यवाणियां सच हुई हैं। उन्होंने यूक्रेन में चेरनोबिल आपदा, राजकुमारी डायना की मृत्यु, न्यूयॉर्क में 9/11 अटैक और यहां तक कि अपनी मौत के बारे में भी बिल्कुल सटीक भविष्यवाणी की थी, जो बिल्कुल सच साबित हुई थी। 2024 के लिए उनकी भविष्यवाणी में कहा गया है कि ईरान के साथ तनाव में ब्रिटेन और अमेरिका सहित सभी पश्चिमी देशों के इजरायल के समर्थन में खड़े होने की संभावना है। ईरान रूस का समर्थन करता है और पुतिन यूक्रेन को खत्म करने के लिए स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। अगर ऐसा हुआ तो परमाणु युद्ध की ओर हालात बढ़ सकते हैं। अगर रूस ने जंग शुरू की तो अमेरकिा और पश्चमिी देश चुप नहीं बैठेंगे। ईरान को सजा देने के लिए इजरायल को ताकत देंगे। उसे हथियार, गोला-बारूद मुहैया कराएंगे। क्योंकि उनका तो एक ही सपना है, हम पुतिन को यूक्रेन में जीतने नहीं दे सकते, हम ईरान को इजरायल को नष्ट करने नहीं दे सकते। हम जितना मजबूत होंगे, हम उतने ही सुरक्षित रहेंगे। सबसे ज्यादा डराने वाली भविष्यवाणी उन्होंने 2024 के लिए की थी, जसिमें तृतीय विश्व युद्ध की चेतावनी दी गई थी। बाबा वेंगा ने कहा था कि 2024 में आतंकी घटनाओं की लहर सी आएगी। एक प्रमुख देश जैवकि हथियारों का टेस्ट भी कर सकता है। इसके सबूत भी मिलने लगे हैं। क्योंकि रूस में भयानक आतंकी हमला हुआ।

बुनियादी ढांचे के बढ़ते वजन से लाखों इमारतों पर खतरा जमीन में धंस रहे बड़े शहर

बीजिंग, 21 अप्रैल।

नए शोध में पता चला है कि चीन के करीब आधे प्रमुख शहरों पर पानी की निकासी और शहरी इमारतों व बुनियादी ढांचे के बढ़ते वजन के कारण खतरा मंडरा रहा है। जर्नल 'साइंस' में छपे इस शोध में पाया गया कि बीजिंग और तियानजिन समेत चीनी शहर भूस्खलन के 'मध्यम से गंभीर' जोखिम में हैं। शोध में चीनी जमीन के धंसने की दर भी बताई गई। अध्ययन के मुताबिक, चीन की 45 प्रतिशत शहरी भूमि प्रति वर्ष 3 मिलीमीटर से अधिक तेजी से धंस रही थी, जबकि 16 प्रतिशत प्रति वर्ष 10 मिलीमीटर से अधिक की दर से धंस रही है।

अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने 2015 से 2022 की अवधि में 20 लाख से अधिक लोगों की आबादी वाले प्रत्येक चीनी शहर में भूमि धंसाव को मापा। उन्होंने जिन 82 शहरों की जांच की, उनमें से टीम ने पाया कि कुछ शहर तेजी से धंस रहे हैं। छह में से एक शहर प्रति वर्ष 10 मिमी से अधिक तेजी से धंस रहा है। उन्होंने यह भी पाया कि शंघाई जहां लगातार डूब रहा है, वहीं बीजिंग वार्षिक रूप से 45 मिलीमीटर नीचे जा रहा है।

खनन व शहरी परिवहन नेटवर्क भी एक कारण

वैज्ञानिकों ने धंसते शहरों व भूजल क्षति के बीच एक मजबूत संबंध भी पाया, जो परत में खाली छिद्र छोड़ देता है और ऊपर वजन के ढेर में सिमट जाता है। शोध के अनुसार, अन्य कारकों में शहरी परिवहन नेटवर्क, साथ ही हाइड्रोकार्बन निष्कर्षण और खनन शामिल हैं।

ढांचे की अखंडता के लिए बड़ा खतरा

शोधकर्ताओं ने जोर देकर कहा, चीन के शहरों की गिरावट को संबोधित करने की कुंजी भूजल निकासी के दीर्घकालिक, निरंतर नियंत्रण में निहित हो सकती है। ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय में जलवायु अनुकूलन के प्रोफेसर रॉबर्ट निकोल्स ने कहा, यह धंसाव इमारतों और बुनियादी ढांचे की संरचनात्मक अखंडता के लिए बड़ा खतरा है और बाढ़ के संदर्भ में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बढ़ाता है।

क्या डीपफेक के शिकार हो गए सिंगापुर के विदेश मंत्री चिट्ठी में मिली फर्जी तस्वीरें और वसूली की धमकी

सिंगापुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

सिंगापुर में भारतीय मूल के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन को धमकी भरा पत्र मिला है। इसमें उनकी कुछ तस्वीरें भी हैं, जिनसे छेड़खानी की गई है। इस धमकी भरे खत में वसूली की बात भी लिखी गई है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक बालाकृष्णन ने कहा है कि उन्हें और कई अन्य सांसदों को ऐसे पत्र मिले हैं, जिनमें धमकी के साथ फर्जी तस्वीरें भेजी गई हैं। विदेश मंत्री ने कहा है कि इस मामले में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और अब कानूनी कार्रवाई की तैयारी है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि विदेश मंत्री और अन्य सांसदों को डाक पत्रों के माध्यम से तस्वीरें भेजी गई हैं। तस्वीरों में कुछ चेहरे दिख रहे हैं, जो कथित तौर पर अंतरंग स्थिति को दर्शा रहे हैं। पुलिस के अनुसार मार्च से लेकर अब तक ऐसी 70 से अधिक रिपोर्ट्स दर्ज की जा चुकी हैं। पत्रों में कुछ ई-मेल एड्रेस दिए गए हैं और लिखा गया है कि अगर ई-मेल पर संपर्क नहीं किया गया, तो इसके परिणाम बुरे होंगे। पुलिस का कहना है कि जब पीड़ितों द्वारा ई-मेल पर संपर्क किया जाता है, तो उनसे बैंक अकाउंमट में रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा जाता है। साथ ही यह धमकी भी दी जाती है कि अगर रुपये ट्रांसफर नहीं किए तो तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया जाएगा।

विदेश मंत्री ने जताई डीपफेक की आशंका सिंगापुर के विदेश मंत्री बालकृष्णन का कहना है कि आजकल डीपफेक के मामले चल रहे हैं और सभी को मिलकर इसके खिलाफ सख्त एक्शन लेने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि उनकी फोटो के साथ छेड़छाड़ की गई है और इसके बाद उन्हें भी वसूली की धमकी दी गई। विदेश मंत्री के अनुसार आसान टूल्स के साथ कोई भी कुछ ही मिनटों में डीपफेक सामग्री बना सकता है। इसलिए यह एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा कर सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और देखना है कि आगे क्या होता है।

प्रशिक्षण के दौरान हादसे का शिकार हुए दो सैन्य हेलीकॉप्टर, क्रैश में एक की मौत, सात लापता

टोक्यो, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

जापानी मिलिट्री हेलीकॉप्टर प्रशिक्षण के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गए। जिसमें अब तक एक का शव बरामद हुआ है, अन्य सात लोग लापता हैं। हालांकि अब तक दोनों हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने का कारण पता नहीं लग पाया है। वहीं लापता सात लोगों की खोज जारी है। जापान के दो हेलीकॉप्टर रात में प्रशांत महासागर के इजू द्वीप पर पनडुब्बियों का मुकाबला करने का अभ्यास कर रहे थे। टोरीशिमा द्वीप के पास रात 10: 38 के आसपास एक हेलीकॉप्टर से संपर्क टूट गया, उसके कुछ क्षणों बाद ही विमान से एक आपातकालीन सिग्नल प्राप्त हुआ। इसके लगभग 25 मिनट बाद करीबन 11: 04 पर इसी क्षेत्र में प्रशिक्षण कर रहे दूसरे विमान से भी संपर्क टूट गया। जापान के आत्मरक्षा बल (एसडीएफ) के एक प्रवक्ता ने एएफपी घटना की पुष्टि की और कहा कि एक व्यक्ति को बचाया गया था, लेकिन उसकी मौत हो गई। रक्षामंत्री माइनोरू किहारा का कहना है कि समुद्र में विमान का हिस्से देखे गए हैं। जिससे अंदाजा लगाया जा

रहा है कि दोनों दुर्घटनाग्रस्त हुए। हालांकि अब तक दुर्घटना का सही कारण नहीं पता चल पाया है, हमारी प्राथमिकता लोगों को बचाना है। एक चालक दल के सदस्य को बचाया गया था, लेकिन उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। लापता अन्य सात लोगों की खोज जारी है। मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने कहा कि आस-पास के जल क्षेत्र में कोई अन्य विमान या जहाज नहीं था, इसलिए घटना में किसी अन्य देश की संलिप्ता की संभावना नहीं है।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

पिछले साल अप्रैल में एक सेना के हेलीकॉप्टर का दक्षिणी ओकिनावा में मियाको द्वीप पर एक्सीडेंट हो चुका है। इसमें 10 लोग सवार थे, जिसमें दो पायलट, दो मैकेनिक और एक सेना जनरल और अन्य सवार थे। इनमें से एक भी जीवित नहीं बचा। वहीं जनवरी 2022 में भी एक लड़ाकू जेट मध्य इशिकावा में पानी में क्रैश हुआ था। इसमें बैठे दो पायलट की मौत हो गई थी। यही नहीं 2019 में एक स्टील्थ जेट का प्रशिक्षण मिशन पर उत्तरपूर्वी जापान से उड़ान भरने के बाद समुद्र में क्रैश हुआ। पिछले साल नवंबर में अमेरिकी सेना का एक ऑस्प्रे सैन्य विमान जापान के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई थी।

जापान रक्षा पर बढ़ा रहा है खर्चा

जापान इन दिनों देश की सुरक्षा के पर खास ध्यान दे रहा है। लगातार संयुक्त राज्य अमेरिका, एशिया के कई देशों के साथ अपने संबंध सुधारने में लगा हुआ है। सूत्रों की मानें तो इन दिनों चीन की आक्रामता और उत्तर कोरिया के कारण जापान अपनी सुरक्षा व्यव्यस्था पर खर्च बढ़ा चुका है।

लंदन मेयर पद की दौड़ में शामिल हुआ दिल्ली में जन्मा यह शख्स, पाकिस्तानी मूल के सादिक खान को देंगे चुनौती

लंदन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के लंदन में मेयर पद पर पाकिस्तान मूल के सादिक खान तीसरी बार जीत हासिल करने के लक्ष्य के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, इस बार उन्हें भारतीय मूल के एक उम्मीदवार से चुनौती मिलने वाली है। इनका नाम है तरुण गुलाटी। दिल्ली में जन्मे तरुण का कहना है कि लंदन के नागरिकों को सभी राजनीतिक पार्टियों ने दुखी किया है। उन्होंने आगे कहा कि वह लंदन को अनुभवी सीईओ की तरह चलाना चाहते हैं, जिससे सभी को लाभ मिल सके। उनका मानना है कि एक व्यवसायी और निवेश विशेषज्ञ के रूप में उनका अनुभव लंदन को लाभ पहुंचाने में मददगार साबित होगा।

निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं तरुण गुलाटी

दो मई को होने वाले मेयर चुनाव में 63 वर्षीय भारतीय मूल के तरुण गुलाटी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव में उतरेंगे। मेयर पद के लिए उनकी लड़ाई 13 अन्य उम्मीदवारों से होने वाली है। उन्होंने सिटीबैंक और एचएसबीसी के साथ छह देशों में काम किया है। एचएसबीसी में वह एक अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधक (आईएम) थे। तरुण गुलाटी ने कहा, मैं लंदन को एक अनोखे वैश्विक शहर के तौर पर देखता हूं। यह विश्व के वैश्विक बैंक की तरह है, जहां दुनियाभर के लोग एकत्रित होते हैं।

अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा, मेयर के तौर पर मैं लंदन की बैलेंस शीट इस तरह से तैयार करूंगा कि यह निवेश के लिए एक प्रमुख विकल्प बन सके। इसमें सभी निवासियों के लिए सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित हो।

मैं एक अनुभवी सीईओ की तरह लंदन को प्रभावी ढंग से बदलूंगा। यहां लाभप्रदत्ता का मतलब सभी के लिए लाभ होगा। इस यात्रा में आप सभी शामिल होंगे। इसे अपने लंदन और अपने घर के लिए करें। लंदन की सड़कों में सुरक्षा उनके मुख्य एजेंडा में प्रमुख है।

इन नीतियों को खत्म करना चाहते हैं तरुण गुलाटी

लेबर पार्टी के मौजूदा नेता सदिक खान की कुछ अलोकप्रिय नीतियों को खत्म करना भी तरुण गुलाटी का प्रमुख एजेंडा है। सादिक खान की इन नीतियों में अल्ट्रा लो एमिशन जोन (यूएलईजेड) शुल्क और लो ट्रैफिक नेबरहुड (एलटीएन) से जुड़ी उच्च लागत को खत्म करना शामिल है।

तरुण गुलाटी ने कहा, हम यूएलईजेड, एलटीएन जैसी खराब नीतियां नहीं चाहते हैं। जलवायु परिवर्तन हो रहा है और हमें इसके प्रभावों को कम करने की जरूरत है। हमें जो भी परिवर्तन करना होगा, वह जनता की राय के अनुरूप होना चाहिए।

टैक्स जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित

तरुण गुलाटी ने मेयर पद के लिए कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार सुजैन हॉल पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों तक लंदन असेंबली के सदस्य होने के बावजूद वह इन नीतियों को रोकने में नाकाम रही हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर राजनीतिक उम्मीदवार वह करते जो उन्हें करना चाहिए था, तो मैं मेयर पद की दौड़ में कभी शामिल नहीं होता।

तरुण गुलाटी किफायती आवासीय व्यवस्था, लंदन में पर्यटन को बढ़ावा देना, मुफ्त स्कूल भोजन सुनिश्चित करना और काउंसिल टैक्स को कम करने जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

हनुमान जयंती कल

पृथ्वी की भाँति ही मानव शरीर भी स्थूल और सूक्ष्म की अनेक परतों में विद्यमान है, लेकिन कुछ परतों का अनुभव पाँच इंद्रियों द्वारा किया जा सकता है और कुछ का नहीं । जिन परतों का हम अनुभव कर सकते हैं वह हमारे लिए सत्य हैं और बाकी असत्य।

ध्यान की अवस्था में, प्राचीन ऋषियों को मनुष्य के संपूर्ण अस्तित्व का बोध हुआ था। उनके अनुसार, मानव शरीर पाँच परतों में मौजूद हैं, जिसकी एक परत, हमारा स्थूल शरीर है जिसे अन्नमय कोष भी कहते हैं। उसके परे हमारा शरीर सूक्ष्म परतों में भी विभाजित है। स्थूल शरीर के बाद हमारी प्राणिक परत (प्राणमय कोश) होती है, जिसे एक दिव्यदृष्टा विभिन्न रंगों, चक्रों और नाड़ियों के रूप में देख सकता है। इसके बाद मनोमय कोश है, जहाँ से मनस या बुद्धी कार्य करती है। मनोमय कोष के बाद विज्ञानमय कोश होता है जो पूर्वानुमान का स्तर है, जो कि अंतर्ज्ञान स` युक्त मन का स्थान है और अंतिम परत आनंदमय कोश है जो हमें परमात्मा से जोड़ने वाली कड़ी है।

कुछ भी देखने, समझने और अनुभव करने की हमारी क्षमता इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपने शरीर की किस परत अथवा कोष से कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक परत एक छलनी की भाँति कार्य करती है जो कि उच्च कोशों की आवृत्तियों और पहलुओं को निचले कोषों में प्रवेश नहीं करने देती। इन परतों में, तर्क संगत मन अर्थात मनोमय कोश ही उच्च कोषों को अनुभव करने में, एक मनुष्य के लिए सबसे बड़ी बाधा है। तर्क, सहज ज्ञान और परमात्मा को समझने नहीं देता। दोनों ही विषय बुद्धि से परे हैं। यही कारण है कि तर्क और पांच इंद्रियों के स्तर से एक साधारण मनुष्य सूक्ष्म दुनिया का अनुभव नही कर पाता जबकि वह शक्तियां उसके आस-पास ही मौजूद है।

सूक्ष्म शक्ति से ही स्थूल संचालित है। यही सूक्ष्म शक्ति, सबसे पहले, एक विचार के रूप में प्रकट होती है। विचार के बाद ध्वनि, फिर रंग और अंत में पंचतत्वों के रूप में, जिनसे प्रकृति के सभी पदार्थों जैसे कि पशु - पक्षी , पेड़ - पौधे, मनुष्य आदि का गठन होता है। घटना के घटित होने से पहले ही पूर्वाभास होना, असामान्य श्रवण शक्ति, दिव्यदृष्टि, और आध्यात्मिक चिकित्सा जैसे सूक्ष्म विज्ञान यहीं से उत्पन्न हुए हैं।

सनातन क्रिया, एक मनुष्य की इन्ही विभिन्न परतों को संतुलन में लाती है, जिसके फलस्वरूप उसकी सूक्ष्म इंद्रियों की जागृति होती है और वह परा शक्ति के अन्य पहलुओं का अनुभव कर पाता है।

हनुमान जयंती के इस पावन अवसर पर हम उनकी दिव्य शक्ति को थोड़ा और समझने का प्रयास करते हैं। भगवान राम के अति प्रिय भक्त, श्री हनुमान, महादेव शिव का ही ' रूद्र' स्वरुप हैं। वह अतुलित बल के प्रतीक हैं, जिन्होंने अकेले ही जीवन दान देने वाले संजीवनी पहाड़ को उठा लिया था और अकेले ही रावण की लंका में आग लगा दी थी। शास्त्रों के अनुसार हनुमान की शक्ति कलियुग में भी पृथ्वी लोक पर मौजूद है। उनकी सूक्ष्म शक्ति का अनुभव ध्यान आश्रम के कुछ साधकों ने भी किया है और वह शक्ति किस स्थान पर है, उससे भी वह भली - भाँति परिचित हैं ।

ध्वनि के स्तर पर, श्री हनुमान की शक्ति का सञ्चालन गुरु सानिध्य में,'रूद्र रूद्र महारुद्र 'मन्त्र द्वारा किया जाता है तथा वह केसरिया रंग के रूप में प्रकट होती है। पाँच तत्वों के रूप में यह शक्ति वानर रूप धारण करती है।

वानर, एक बहुत ही बुद्धिमान, संवेदनशील, निडर और शरारती जीव है और यही विशेषताएँ हनुमान की भी हैं।इसलिये कोई आश्चर्य की बात नही कि वानर को भारतवर्ष में ही नही अपितु सभी प्राचीन सभ्यताओं में पूजा गया है, फ़िर चाहे वो माया सभ्यता हो, यूनानी या रोमन सभ्यता।

कलियुग के इस चरण में, सूक्ष्म शक्तियों को अनुभव करने की क्षमताएँ मनुष्य में कम हो गई हैं। यही कारण है कि यह फुर्तीला जीव आज बड़ी निराशाजनक स्थिति में है। उसके लिए न तो जंगल बचे हैं और न ही खाने के लिए फलों से लदे पेड़। भूख से परेशान यह जीव अब शहरों में नज़र आते हैं जहाँ या तो वे दुर्घटना का शिकार होते हैं या उन्हें मार दिया जाता है।

हनुमान कोई मिथ्या शक्ति नहीं हैं। दुनिया भर की सभ्यताओं में उन्हें पूजा गया है। इस सृष्टि का सञ्चालन और संरक्षण करने वाली शक्तियों ने अनेक रूपों में जन्म लिया है। त्रेता युग के रामायण काल में यह शक्तियाँ वानरों के रूप में वाकई उपस्थित थीं और अभी भी एक अर्ध- सुप्त अवस्था में पृथ्वी पर मौजूद हैं क्योंकि उन्हे जगाने वाला कोई नही है। श्री हनुमान की शक्ति की एक विशेषता है कि उसे किसी भी वांछित प्रभाव के लिये जागृत करना पड़ता है और उसकी जागृति के लिए हनुमान जयन्ती बड़ा ही पावन और शक्तिशाली दिवस है। गुरु सानिध्य में कुछ विशेष मन्त्रों के जाप द्वारा ऐसा किया जाता है। यहाँ ' रूद्र ' मंत्र का उल्लेख किया है किन्तु अन्य मन्त्र बहुत शक्तिशाली हैं और गुरु ही उन्हें संचालित कर सकते हैं, इसलिए उनका उल्लेख संभव नहीं है।

ध्यान आश्रम में हनुमान - शक्ति की जागृति के लिये विशेष यज्ञ किया जाता है। उसके प्रभाव का अनुभव करने के लिये आप सभी आमंत्रित हैं ।23 अप्रैल, मंगलवार, हनुमान जयंती के अवसर पर गुरूजी हमसे लाइव जुड़ेंगे। सुबह 6.45 से, ध्यान आश्रम और दुनिया भर के केंद्रों पर यज्ञ और उसके बाद गुरुजी का प्रवचन !

-अश्विनी गुरुजी, ध्यान आश्रम

जीवन में होना चाहते हैं सफल, तो बड़े काम के हैं हनुमान चालीसा के पांच सूत्र

धार्मिक मान्यता के अनुसार हनुमान चालीसा को हनुमानजी की कृपा पाने के लिए श्रेष्ठ स्तुति माना गया है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने हनुमान चालीसा की रचना श्रीरामचरित्र मानस की रचना से पूर्व की थी। ऐसा इसलिए क्योंकि वे श्री हनुमानजी को अपना गुरु बनाकर भगवान श्रीराम को पाना चाहते थे। चालीसा जिसमें 40 चौपाइयां होती हैं। अगर आप सिर्फ हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो आपको धार्मिक लाभ तो मिलेगा ही साथ में इसके अर्थ में छिपे लाइफ मैनेजमेंट के सूत्र यदि आप समझ लें तो यह आपको जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिला सकते हैं।

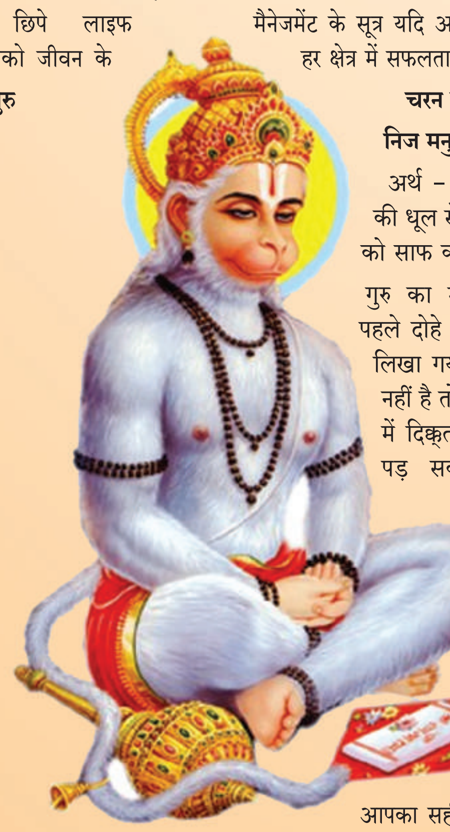

श्रीगुरु चरन सरोज रज।

निज मनु मुकुरु सुधारि।।

अर्थ - अपने गुरु के चरणों की धूल से अपने मन के दर्पण को साफ करता हूं।

गुरु का महत्व चालीसा के पहले दोहे की पहली लाइन में लिखा गया है। जीवन में गुरु नहीं है तो आपको आगे बढ़ने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। गुरु ही आपको सही रास्ता दिखा सकते हैं। माता-पिता को पहला गुरु ही कहा गया है। गुरु यानी जो आपका सही मार्गदर्शन करते हैं। अगर तरक्की की राह पर आगे बढ़ना है तो विनम्रता के साथ बड़ों का सम्मान करें।

पहनावें का रखें ध्यान

कंचन बरन बिराज सुबेसा, कानन कुंडल कुंचित केसा।

अर्थ - आपके शरीर का रंग सोने की तरह चमकीला है, सुवेष यानी अच्छे वस्त्र पहने हैं, कानों में कुंडल हैं और बाल संवरे हुए हैं।

आज के दौर में आपकी तरक्की इस बात पर भी निर्भर करती है कि आप रहते और दिखते कैसे हैं। अगर आप बहुत गुणवान भी हैं लेकिन अच्छे से नहीं रहते हैं तो ये बात आपके करियर को प्रभावित कर सकती है। इसलिए रहन-सहन और ड्रेसअप हमेशा अच्छा रखें।

चतुर होना भी जरूरी है

बिद्यावान गुनी अति चातुर, राम काज करिबे को आतुर।

अर्थ - आप विद्यावान हैं, गुणों की खान हैं, चतुर भी हैं। राम के काम करने के लिए सदैव आतुर रहते हैं।

आज के दौर में एक अच्छी डिग्री होना बहुत जरूरी है। लेकिन चालीसा कहती है सिर्फ डिग्री होने से आप सफल नहीं होंगे। विद्या हासिल करने के साथ आपको अपने गुणों को भी बढ़ाना पड़ेगा, बुद्धि में चतुराई भी लानी होगी। हनुमानजी में तीनों गुण हैं, वे सूर्य के शिष्य हैं, गुणी भी हैं और चतुर भी।

सबकी बात ध्यान से सुनें

प्रभु चरित सुनिबे को रसिया, राम लखन सीता मन बसिया।

अर्थ - आप राम चरित यानी राम की कथा सुनने में रसिक है, राम, लक्ष्मण और सीता तीनों ही आपके मन में वास करते हैं। जो आपकी प्राथमिकता है, जो आपका काम है, उसे लेकर सिर्फ बोलने में नहीं, सुनने में भी आपको रस आना चाहिए। अच्छा श्रोता होना बहुत जरूरी है। अगर आपके पास सुनने की कला नहीं है तो आप कभी अच्छे लीडर नहीं बन सकते।

मन में विश्वास और प्रभु में आस्था

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माही, जलधि लांघि गए अचरज नाहीं।

अर्थ - राम नाम की अंगुठी अपने मुख में रखकर आपने समुद्र को लांघ लिया, इसमें कोई अचरज नहीं है।

अगर आपमें खुद पर और अपने परमात्मा पर पूरा भरोसा है तो आप कोई भी मुश्किल से मुश्किल काम को आसानी से पूरा कर सकते हैं। प्रतिस्पर्धा के दौर में आत्मविश्वास की कमी नहीं होनी चाहिए। कार्य की सफलता के लिए सर्वप्रथम जरूरी है कि आप अपने ऊपर और ईश्वर पर पूर्ण विश्वास रखें।

हनुमान जयंती के दिन बन रहा है अद्भुत संयोग

रामभक्त हनुमान को संकटमोचन कहते है। अपने भक्तों को हनुमान जी हर भय, पीड़ा से मुक्त रखते हैं। दरअसल, हनुमान जी का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को हुआ था। इसलिए हर साल चैत्र पूर्णिमा को हनुमान जयंती मनाई जाती है। बता दें कि इस साल हनुमान जयंती के मौके पर एक अध्दुत संयोग बन रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, हनुमान जी भगवान शिव के अवतार हैं और उन्होंने त्रेतायुग में प्रभु श्री राम की मदद के लिए यह अवतार लिया था। वैदिक पंचांग के मुताबिक इस साल चैत्र शुक्ल पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ 23 अप्रैल को 03 बजकर 25 मिनट पर होगा।

ऐसा कहा जाता है कि जब हनुमान जी का जन्म हुआ था तो उस दिन मंगलवार था। इस साल भी हनुमान जयंती के दिन मंगलवार है। इसलिए मंगलवार को हनुमान जी का जन्म होने कि वजह से उस दिन ज्यादातर लोग व्रत रखते हैं और बजरंगबली की पूजा भी करते हैं।

23 अप्रैल के दिन चित्रा नक्षत्र और वज्र योग है। वज्र योग 23 अप्रैल की सुबह से लेकर 24 अप्रैल को सुबह 04 बजकर 57 मिनट तक है। वहीं चित्रा नक्षत्र भी सुबह से लेकर रात 10 बजकर 32 मिनट तक है, उसके बाद स्वाति नक्षत्र है।

हनुमान जयंती 2024 मुहूर्त

हनुमान जयंती का शुभ मुहूर्त सुबह 04 बजकर 20 मिनट से 05 बजकर 04 मिनट तक ही रहेगी। वहीं इस साल अभिजीत मुहूर्त दिन में 11 बजकर 53 मिनट से दोपहर 12 बजकर 46 मिनट तक है। उस दिन आप हनुमान जी की पूजा सुबह 09 बजकर 03 मिनट से 10 बजकर 41 मिनट के बीच कर सकते है। उस दिन लाभ-उन्नति मुहूर्त 10 बजकर 41 मिनट से दोपहर 12 बजकर 20 मिनट तक है। वहीं अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 20 मिनट से दोपहर 01 बजकर 58 मिनट तक है।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के उपाय ।

✻ हनुमान जी का दिल बहुत ही उदार हैं, इसलिए आपको हमेशा लोगों के लिए उदारता दिखानी चाहिए। खासतौर पर आपको हनुमान जयंती पर गरीबों में अन्न जरूर बांटना चाहिए।

✻ हनुमान जी श्रीराम के परभक्त माने जाते हैं, इसलिए आपको हनुमान जयंती पर भगवान राम की स्तुति भी करनी चाहिए, इससे हनुमान जी प्रसन्न होते हैं।

✻ हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए उन्हें बूंदी, लड्डू का प्रसाद जरूर चढ़ाएं। साथ ही हनुमान जयंती पर उन्हें केसरिया रंग का सिंदूर जरूर चढ़ाएं।

✻ इस दिन हनुमान चालीसा, सुंदरकांड, बजरंग बाण का पाठ करने से हनुमान जी की कृपा हमेशा अपने भक्तों पर बरसती रहती है।

हनुमान जयंती पर शुभ योग

इस साल हनुमान जयंती के दिन मंगलवार है, मान्यताओं के अनुसार जिस दिन बजरंगबली का जन्म हुआ था उस दिन भी मंगलवार था। इसके साथ ही जिस चित्रा नक्षत्र में हनुमान जी का जन्म हुआ था ये नक्षत्र भी हनुमान जयंती के दिन रहेगा और वज्र नामक योग भी इस दिन होगा। मंगल ग्रह भी इस दिन अपने मित्र की राशि मीन में प्रवेश करेंगे। इन शुभ योगों में क्या उपाय आपको लाभ दिला सकते हैं आइए इस बारे में जानते हैं।

हनुमान जयंती के उपाय

हनुमान जयंती के दिन किसी हनुमान मंदिर में जाकर आपको मीठे पान का बीड़ा और सिंदूर अर्पित करना चाहिए। यह उपाय आपके सभी संकटों को दूर कर सकता है। इस उपाय को करने के बाद हनुमान चालसी का आपको कम-से-कम 108 बार जप करना चाहिए।

✻ आर्थिक तंगी और करियर से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए हनुमान जयंती के दिन घर के मंदिर में तेल का दीपक जलाएं और उसके बाद दो लौंग उसमें डाल दें। इसके बाद श्रद्धापूर्वक हनुमान जी की अर्चना करें। आपके करियर और धन से जुड़ी समस्याएं दूर हो सकती हैं।

✻अगर किसी कानूनी मामले में आप फंसे हैं या कहीं कोई सरकारी कार्य अटका हुआ है तो हनुमान जयंती के दिन लाल चोला हनुमान जी को अर्पित आपको करना चाहिए। आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

✻ इस दिन हनुमान चालीसा का पाठ करने से शनि दोष और मंगल दोष से भी मुक्ति मिलती है। यथा संभव जरूरतमंद लोगों की सहायता करने से भी आप बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

✻ जीवन में आ रही किसी भी समस्या को दूर करने के लिए या फिर अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए आपको 11 पीपल के पत्तों पर जय श्री राम लिखकर किसी हनुमान मंदिर में रखकर आ जाना चाहिए। याद रखें कि इन पत्तों को हनुमान जी के पैरों में न रखें। ये उपाय करके आपकी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं, साथ ही जिस समस्या के कारण आप परेशान हैं वो भी दूर हो सकती है।

✻ किसी विशेष फल की प्राप्ति करना चाहते हैं तो बजरंगबाण का पाठ आप हनुमान जयंती के दिन कर सकते हैं।

✻ ऐसा माना जाता है कि हनुमान जयंती के दिन हनुमान चालीसा का 108 बार जप करने से आपके अंदर की नकारात्मकता दूर होती है और आपका आत्मविश्वास बढ़ता है।

पुष्पा 2 के डिजिटल अधिकार 250 करोड़ रुपए में बिके

फिल्म ने तोड़ा आरआरआर का रिकॉर्ड

2021 में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली अल्लू अर्जुन की पुष्पा को भूलना मुश्किल है। इसकी सफलता के बाद से ही दर्शक इसके दूसरे भाग पुष्पा: दर रूल के लिए बेकरार थे।

पुष्पा 2 अब रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। फिल्म का जादू इस कदर है कि टिकट खिड़की पर पहुंचने से पहले ही इसने धमाकेदार कमाई करनी शुरू कर दी है।दरअसल, फिल्म के डिजिटल अधिकार रिकॉर्डतोड़ रकम में नेटफ्लिक्स को बेचे गए हैं।

पुष्पा 2 से जुड़े करीबी सूत्रों ने बताया है कि फिल्म के डिजिटल अधिकार नेटफ्लिक्स को 250 करोड़ रुपये की कीमत पर बेचे गए हैं, जिसे 300 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। सूत्र ने कहा, यह सभी भाषाओं के लिए रिकॉर्ड डील है, जो पिछली सर्वश्रेष्ठ डील को लगभग 100 करोड़ रुपये के अंतर से पीछे छोड़ती है। पुष्पा 2 बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। सभी इसे अपने प्लेटफॉर्म पर लाने के इच्छुक थे।सूत्र ने कहा कि यह डील पुष्पा 2 के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के आधार पर परिवर्तित की जा सकती है।वह बोले, डील करने का नया तरीका यह है कि बेस प्राइस निर्धारित किया जाए और फिर इसे कलेक्शन से जोड़कर बढ़ाया जाए। अर्जुन की फिल्म का बेस प्राइस 250 करोड़ रुपये है, जिसकी कीमत 300 करोड़ रुपये तक बढ़ाई जा सकती है।इसी के साथ यह वह फिल्म बन गई है, जिसके डिजिटल अधिकार सबसे महंगे बिके हैं।पुष्पा: द रूल से पहले डिजिटल अधिकारों की सबसे तगड़ी बिक्री का रिकॉर्ड एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर का था। इसके अधिकार 170 करोड़ रुपये में डिज्नी+ हॉटस्टार ने खरीदे थे। फिल्म में राम चरण और जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिकाओं में थे।हिंदी सिनेमा के बड़े वितरकों में से एक अनिल थडानी ने पुष्पा 2: द रूल के निर्माताओं के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत एए फिल्म्स फिल्म को पूरे उत्तर भारतीय क्षेत्र में रिलीज करेगी।यह सौदा 200 करोड़ रुपये में हुआ है और पूरी रकम रिफंडेबल है।

हिंदी पट्टी के लिए किसी भी दक्षिण भारतीय फिल्म को दी गई यह अब तक की सबसे बड़ी अग्रिम राशि है।पुष्पा 2 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी।फिल्म में अल्लू के साथ एक बार फिर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। श्रीवल्ली के रूप में उनकी पहली झलक सामने आ चुकी है।पुष्पा 2 में फहद फासिल भी नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार कर रहे हैं। पहले भाग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था।

41 साल पुरानी फिल्म हीरो की राधा का बदल गया है अब पूरा लुक

बॉलीवुड की 'दामिनी' की लेटेस्ट फोटो कर देंगी शॉक्ड

महज 17 साल की उम्र में मिस इंडिया का खिताब जीतकर बॉलीवुड में तहलका मचाने वाली नब्बे के दौर की एक्ट्रेस मीनाक्षी शेषाद्रि भले ही इस समय फिल्मों से दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया पर वह एक्टिव हैं। मीनाक्षी शेषाद्रि ने हाल ही में ट्रेडिशनल लुक में फोटोशूट करवाया है जिसे सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। बता दें कि घायल, मेरी जंग, घातक और दामिनी जैसी सुपरहिट फिल्में देने वाली मीनाक्षी शेषाद्रि अपने करियर के पीक पर ही फिल्मों से दूर हो गई थीं। घातक फिल्म के बाद मीनाक्षी शेषाद्रि ने बॉलीवुड को अलविदा कहकर एक बैंकर से शादी कर ली और विदेश में सैटल हो गईं। कई साल बाद मीनाक्षी शेषाद्रि फिर से सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गई हैं। उनका हालिया लुक लोगों को काफी पसंद आ रहा है। तो चलिए आपको दिखाते हैं मीनाक्षी शेषाद्री की वो खूबसूरत तस्वीर जिसने लोगों की धड़कनें बढ़ा दी हैं।

ऐज इज जस्ट अ नंबर

मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपने ऑफिशियल इंस्टा अकाउंट पर अपनी बेहद खूबसूरत से बेज गोल्डन कलर के लहंगे में प्यारी सी तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज़ में मीनाक्षी शेषाद्रि बहुत ही ब्यूटीफुल और एलीगेंट लग रही हैं। उन्होंने गले में हैवी नेकलेस कैरी किया है और गुलाब के फूल लगाकर जूड़ा बनाया है। दामिनी एक्ट्रेस की फ्लॉलेस देख कर ये कहना गलत नहीं होगा कि ऐज इज़ जस्ट अ नंबर। इन तस्वीरों में मीनाक्षी शेषाद्री की खूबसूरती देख फैंस के होश उड़ गए हैं और धड़कनें तेज हो गई हैं। इस उम्र में भी अपनी ब्यूटी से मीनाक्षी शेषाद्रि नई हीरोइनों को मात दे रही हैं।

फैंस ने पूछा– कमबैक कब कर रही हैं

मीनाक्षी शेषाद्रि के इस लुक को उनके फैंस काफी सराह रहे हैं। एक फैन ने तो मीनाक्षी शेषाद्रि ने पूछ लिया है कि आप कब कमबैक कर रही हैं। एक यूजर ने कहा कि आप मेरा चाइल्डहुड क्रश हो। आपको बता दें कि मीनाक्षी शेषाद्रि अपने बच्चों की परवरिश के साथ साथ टेक्सास में डांस क्लास चलाती हैं। वो एक बेहतरीन क्लासिकल डांसर हैं और अपनी पूरी टीम के साथ देश विदेश में इवेंट्स भी करती रहती हैं।

कैटरीना कैफ की हमशक्ल एक्ट्रेस एमी एला का बिंदास फोटोशूट

इंडियन-ऑस्ट्रेलियाई एक्ट्रेस और मॉडल एमी एला आए दिन अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में रहती हैं। अपने डांस और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के लिए मशहूर इस मॉडल को कैटरीना कैफ की हमशक्ल भी कहा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी खूबसूरती देखक हर कोई उनका दीवाना हो गया है।एक्ट्रेस और मॉडल एमी एला सोशल मीडिया संसेशन हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल होने लगती हैं।बता दें कि एक्ट्रेस इंटरनेट मीडिया स्टार हैं और आए दिन अपनी बोल्डनेस ने फैंस के होश उड़ा देती हैं। उनका हर एक अंदाज फैंस के बीच छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस एमी एला ने अपनी कुछ ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकर रहे हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने व्हाइट कलर का ब्रालेट टॉप और उसके बाहर से श्रग कैरी किया है, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। नो मेकअप लुक, अपने बालों को ओपन कर के और साथ ही चेहरे पर क्यूट सी स्माइल देकर एक्ट्रेस एमी एला ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एमी एला अपनी इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं। साथ ही अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करते हुए सोशल मीडिया का तापमान भी बढ़ा रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस एमी एला कैटरीना कैफ की तरह हर अंदाज में कहर बरपाती हैं। और उनकी तरह सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है। उन्हें इंस्टाग्राम पर 212 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

ईशा गुप्ता ने स्टायलिश आउटफिट में कराया बोल्ड फोटोशूट

बॉलीवुड की बोल्ड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता बाखूबी जानती हैं कि उन्हें अपने फैंस के दिलों में कैसे राज करना है। हाल ही में एक्ट्रेस ने बोल्डनेस की सारी हदें पार करते हुए बेहद सेक्सी तस्वीरें शेयर की हैं। ईशा गुप्ता ने पिस्ता कलर का डीप नेक स्टायलिश आउटफिट पहना है। न्यूड मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने हेयर ओपन रखे हैं और सेक्सी पोज दे रही हैं। साथ ही हार्ट शेप का नेकलेस उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है।एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स का पसीना छूटना लाजमी है। फैंस कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट की बौछर कर रहे हैं। ईशा आखिरी बार प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम 3 में नजर आई थीं, जिसमें उनका बेहद बोल्ड अवतार देखने को मिला था। फैंस उनके आगामी प्रोजेक्ट का बेसब्री के साथ इतजार कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। आज का दिन उन्माद में घिर जाने का है; क्योंकि आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा आपके खिन्न मन को ख़ुश करने में काफ़ी मददगार साबित होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जी–वनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी सृजनात्मक काम में ख़ुद को व्यस्त रखना बेहतर रहेगा। साथ ही बीमारी से जूझने के लिए ख़ुद को उत्साहित करते रहें। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। पुराने दोस्त मददगार और सहयोगी साबित होंगे। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। घर के कामों को पूरा करने के बाद ऐसा लगता है कि आपके जी–वनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं– लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ि संभावना है। दोस्त अकेलापन दूर करने के सबसे अच्छे माध्यमों में से एक हैं। दोस्तों के साथ समय बिताकर आज के दिन आप बेहतरीन चीज़ में समय निवेश कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत अच्छी रहेगी। जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आप महसूस करेंगे कि आपकी रचनात्मकता कहीं खो गयी है और फ़ैसले करने में आपको ख़ासी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 22 अप्रैल 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 03:27 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 08:00 तक
योग : हर्षण उत्तर रात्रि 04:27 तक
करण : गर दोपहर 02:23 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– शिव दमनक चतुर्दशी, विश्व पृथ्वी दिवस , भद्रा उत्तर रात्रि 03:26 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दबंगई छोड़ दें या फिर कड़े परिणाम भुगतान के लिए तैयार रहें : सैनी

चंडीगढ़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रविवार व्यापारियों को मिल रही धमकियों पर कड़ा संज्ञान लेते हुए चेतावनी दी है कि या तो दबंगई छोड़ दें या फिर कड़े परिणाम भुगतान के लिए तैयार रहें। श्री सैनी ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि व्यापारियों की सुरक्षा में किसी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। मुख्यमंत्री रोहतक लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार डॉक्टर अरविंद शर्मा के समर्थन में बहादुरगढ़ में आयोजित विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रदेश की सभी लोकसभा सीटें व करनाल सीट बड़े अंतराल से जीतने का आह्वान करते हुए कहा कि हर घर जाकर लोगों को साधने का काम करें, ताकि भाजपा की बड़ी जीत सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई है कि उनके पास टिकट लेने वाला कोई नहीं है। कोई चुनाव लड़ना ही नहीं चाहता। इसलिए कांग्रेस अब तक प्रत्याशियों की घोषणा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि 55-60 साल में जो कांग्रेस देश में गरीबी कम नहीं कर पाई, वो अब कैसे एक झटके में गरीबी कम कर देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी को अब बताना चाहिए कि अब उनके पास ऐसा कौन सा अलादीन का चिराग है, जिसके सहारे वह एक झटके में गरीबी को खत्म करने का काम करेंगे।

फाइनेंस कंपनी का ऋण अधिकारी सहित दो गिरफ्तार

भरतपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान में धौलपुर के आंगई थाना क्षेत्र में एक निजी फाईनेसं कंपनी की कलेक्शन राशि को हड़पने के लिए लूट की झूठी साजिश रचने वाले कम्पनी के ऋण अधिकारी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्पन्दना स्फूर्ति फाईनेस लिमिटेड शाखा बाड़ी में ऋण अधिकारी के पद पर काम करने वाले सायपुर, डहरा मोड थाना लखनपुर जिला भरतपुर निवासी 23 वर्षीय लोकेश जाटव ने 16 अप्रैल को आंगई क्षेत्र के कुछ गांवों से फाइनेन्स का पैसा इकटठा कर आंगई से बाडी आते समय चिलाचैद टोल से आगे अपने साथ बाइक सवार अज्ञात हथियारबंद बदमाशों द्वारा एक लाख पांच हजार 750 रुपयों को लूट ले जाने की सूचना मोबाइल फोन से कम्पनी को दी गई।

इस पर कम्पनी के प्रबंधक प्रदीप कुमार नरूका ने पुलिस में मामला दर्ज कराया था। थानाधिकारी आंगई राम अवतार मीना ने बताया कि तकनीकी सहायता. पूछताछ, व अनुसंधान

में लूट की घटना झूठी पाये जाने के बाद सहायक उपनिरीक्षक नवीन कुमार ने कम्पनी के लोन आफिसर के साथ साजिश में शरीक उसके दोस्त नरेश जाटव निवासी खेडला गदाली थाना महुआ जिला दौसा को गिरफतार लोकेश के कब्जे से फाईनेसं कपंनी के 105750 रुपये एवं घटना में प्रयोग की गई एक मोटरसाईकिल को जब्त कर लिया गया।

हमने डेढ़ महीने में ही 45 प्रतिशत वादों को किया पूरा : भजनलाल

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि राजनीतिक चुनाव कार्यकर्ता की परीक्षा है और इसमें कर्तव्य कैसे पूरा करना है, यह ध्यान में रखना चाहिए। श्री शर्मा रविवार को राजसमंद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं की बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा हम सौभाग्यशाली हैं कि हम भाजपा के कार्यकर्ता है जिस विचार और संस्कृति को लेकर चलते हैं वही हमारे देश की संस्कृति है।

उन्होंने कहा यह भाजपा में ही संभव है जो आज मेरे सामने बैठे हैं वो यहां पर उपर बैठने वाले हैं। हम सभी कार्यकर्ताओं का ध्यान रखते हैं, इसलिए वे कहते हैं ना आप सभी कैमरे की नज़र में हैं। उन्होंने कहा जनता के बीच में छाती ठोक कर कहे कि हमारी सरकार ने आते ही प्रदेश में 45 प्रतिशत वादों को हमने पूरा किया। वहीं पेपर लीक की बात कहे तो हमने लगभग 90 अपराधियों को गिरफ़्तार किया ये तो सिर्फ़ दुकान वाले थे, शोरूम वाले भी बाक़ी है। उन्होंने कहा हम वायदों को पूरा करने में समय नहीं लगाते, कांग्रेस वालों ने साढ़े चार साल पूरा होने के बाद वादों को पूरा करने में जुटे रहे। हमने डेढ़ महीने में ही 45 प्रतिशत वादों को पूरा किया और आगे आने वाले समय में 55 प्रतिशत भी जल्द पूरा करेंगे हम पांच साल का इंतज़ार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बूथ पर जाकर आम जनता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बताएं।

सवा छह करोड़ की ठगी का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा पुलिस ने सवा छह करोड़ की ठगी के मामले में रविवार छठे व मुख्य आरोपी को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। यह जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 21 दिसम्बर को विटजील टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के पदाधिकारी ने पुलिस थाना साईबर अपराध दक्षिण में एक लिखित शिकायत दी कि 16 से 19 दिसम्बर के बीच उनकी कंपनी के खाते से धोखाधड़ी से लगभग छह करोड़ 14 लाख रुपए निकाल लिए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था।

सहायक पुलिस आयुक्त साईबर अपराध प्रियांशु दीवान के निर्देशानुसार कार्य करते हुए निरीक्षक मनीष कुमार, प्रबंधक थाना साईबर अपराध दक्षिण ने कार्यवाही करते हुए एक और आरोपी हरमीत सिंह मलिक को मुंबई एयरपोर्ट से काबू करके पूछताछ करने उपरांत नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया। पुलिस थाना साईबर अपराध दक्षिण द्वारा आरोपी के विरुद्ध लुक आउट सर्कुलर भी जारी करवाया गया था।

इसी के आधार पर आरोपी को मुंबई एयरपोर्ट से पकड़ा गया जब वह देश छोडक़र भागने वाला था। अभी तक के अनुसंधान में आरोपी पर हवाला का कारोबार करने और पैसे को क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से देश से बाहर मंगाने के आरोप है। इससे पहले पुलिस ने शांतनु आनंद, कार्तिक शर्मा, तरुण कुमार डूडेजा, राकेश शर्मा व यश शर्मा को पहले ही गिरफ्तार किया गया था। आगामी पूछताछ व बरामदगी के लिए आरोपी को न्यायालय में पेश करके दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

सिरसा में 22 क्विंटल 45 किलो डोडा चूरा पोस्त से भरा ट्रक बरामद

सिरसा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा में सिरसा जिला की एंटी नारकोटिक्स सेल ने एक महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए डोडा चूरा पोस्त से भरे एक ट्रक को बरामद किया तथा इस ट्रक से 22 क्विंटल 45 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया। यह बरामदगी दिल्ली–सिरसा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–09 पर डिंग मोड़ के पास काबू किया है। बरामद डोडा पोस्त की कीमत पुलिस एक करोड़ रुपए आंक रही है।

हरियाणा में मौजूदा वर्ष की जिला सिरसा पुलिस ने सबसे बड़ी खेप पकड़ी है। इस खेप को रांची से लाया गया था तथा पड़ोसी राज्य राजस्थान के श्री गंगानगर में सप्लाई किया जाना था। बताया जा रहा है कि इस खेप का असली मालिक गंगानगर क्षेत्र का ही है। उपरोक्त जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान विकास कुमार पुत्र बीरबल राम निवासी 2–जी तहसील जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल किया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान डोडापोस्त चूरा पोस्त तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी हासिल कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

श्री भूषण ने बताया कि जिला की एंटी नारकोटिक्स सेल, सिरसा के प्रभारी सब इंस्पेक्टर अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए डिंग रोड क्षेत्र से डोडा चुरापोस्त से भरे हुए उक्त ट्रक तथा आरोपी को काबू किया गया है। उन्होंने बताया कि राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में नियमानुसार ट्रक की तलाशी लेने पर 117 प्लास्टिक कट्टों में भरा हुआ, 2245 किलोग्राम डोडा चूरा पोस्त बरामद हुआ है । उन्होंने बताया कि इस संबंध में डिग थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है, कि उक्त डोडा चूरा पोस्त झारखंड के रांची क्षेत्र से लाया गया था, और उसे राजस्थान के गंगानगर क्षेत्र में सप्लाई किया जाना था। उन्होंने बताया कि पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए आरोपियों ने उक्त ट्रक को काली तिरपाल से ढक कर ट्रक के आगे आर्मी ऑन ड्यूटी लिखा हुआ था। पुलिस के पास इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी थी, इसलिए आरोपी अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके।

26 लाख रुपए से भरी एटीएम मशीन उखाड़कर ले गए बदमाश

अलवर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

जिले के खैरथल तिजारा में ततारपुर थाना क्षेत्र में पुलिस रिजर्व लाईन के सामने कुछ बदमाश रीको औद्योगिक क्षेत्र के इस्माईलपुर रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक की एटीएम मशीन को उखाड़कर अपने साथ गाड़ी में उठा ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात हुई वारदात में एटीएम मशीन के अंदर करीबन 26 लाख रुपये की नगदी थी। अब पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस की नाक के नीचे ही अज्ञात चोरों ने इस बड़ी वारदात को अंजाम दे डाला।

एटीएम के पास ही चाय का खोखा चलाने वाला राजकुमार अलसुबह 4 बजे जब अपनी चाय की थड़ी को खोलने के लिए वहां पहुंचा। वहां उसे एटीएम का शीशा टूटा हुआ मिला और एटीएम मशीन का खोल साइड में पड़ा हुआ था जिससे उसे एहसास हुआ कि कोई अज्ञात चोर एटीएम को उखाड़ ले गए हैं। जिसकी सूचना उसने पास ही की इंडस कंपनी के गार्ड और अन्य लोगों को दी। घटना की सूचना मिलते ही किशनगढ़ बास पुलिस उपाधीक्षक राजेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पीएनबी के शाखा प्रबंधक बलराम मीणा ने बताया कि रविवार का अवकाश होने के चलते शनिवार को ही एटीएम मशीन में साढ़े 28 लाख रुपए का कैश डाला गया था जिसमें से करीब दो ढाई लाख रुपए का कैश निकाला है एटीएम मशीन में करीब 26 लाख रुपए का कैश बताया गया है। एक किया कंपनी की कार शनिवार रात्रि 2 बजकर 17 मिनिट पर आकर रुकी थी जिसमें सवार अज्ञात चोर 2 बजकर 34 मिनिट तक महज 17 मिनट के अंदर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

ततारपुर थाना अधिकारी अंकेश चैधरी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना करने के पश्चात पास ही में इंडस कंपनी के सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को देखा। एटीएम उखाड़ने की वारदात को अंजाम देने से पूर्व अज्ञात बदमाशों ने बिजली के मीटर से एटीएम लाइट का कनेक्शन काट दिया। उसके बाद एटीएम बूथ पर प्रवेश कर वहां लगे सीसीटीवी कैमरों पर स्प्रे कर धूंधला कर दिया ताकि वारदात के समय करंट ना आ सके और घटना सीसीटीवी कैमरे में भी ना आए।

अधेड़ व्यक्ति ने रेलगाड़ी के आगे कूदकर की आत्महत्या

अजमेर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान में अजमेर के क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र के माकड़वाली रेलवे ट्रेक पर रविवार को एक व्यक्ति ने रेलगाड़ी के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मारवाड़–पुष्कर–अजमेर पैसेंजर के आगे कूदकर माकड़वाली निवासी ओंकार गुर्जर (55) ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि माकड़वाली रेलवे ट्रैक पर अधेड़ ने ट्रेन के आगे छलांग लगा दी जिससे उसकी मृत्यु हो गई। ट्रेन की गार्ड और रेलवे सुरक्षा बल ने शव को ट्रेन में रखवा कर पुष्कर रेलवे स्टेशन लेकर आए।

मामले की सूचना मिलते ही पुष्कर थाना पुलिस और क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अजमेर के जेएलएन चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवा कर मामले में जांच शुरू कर दी।

प्रदेश में महावीर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान में रविवार को जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजधानी जयपुर में त्रिपोलिया बाजार से रामलीला मैदान तक हजारों जैन श्रद्धालुओं की उपस्थिति और आचार्य चैत्य सागर महाराज, आचार्य शशांक सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सानिध्य में शोभायात्रा निकाली गई।

राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के तहत रविवार को त्रिपोलिया बाजार के दिगंबर जैन मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया जो बड़ी चौपड़, जोहरी बाजार, सांगानेर गेट, बापू बाजार होते हुए रामलीला मैदान पर संपन्न हुई जहां संतों और माताजी ने धर्मसभा को संबोधित किया। इस दौरान ब्रह्मचारी राकेश जैन को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की गई।

इस अवसर पर आचार्य शशांक सागर महाराज का 24 वां दीक्षा दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, पूर्व जयपुर शहर अध्यक्ष भाजपा संजय जैन, कांग्रेस नेता संजय बापना, राजस्थान जैन सभा अध्यक्ष सुभाष जैन पांड्या सहित जयपुर जैन समाज के कई लोग सम्मिलित हुए। इस मौके पर अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक जैन ने भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अनुसरण करने की जरूरत बताते हुए कहा कि दुनिया में जैन धर्म ऐसा धर्म है जो अहिंसा का संदेश देता, जियो और जीने का सिद्धांत बताता है, सभी प्राणियों को अहिंसा ही सबसे बड़ा धर्म है का पालन करने का उपदेश देता है। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर शोभायात्राएं निकाली गई।

शिक्षक भर्ती पेपर लीक केस में पांच आरोपी मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

बिहार लेकर आ रही ईओयू की टीम

पटना (एजेंसियां)।

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने मध्य प्रदेश के उज्जैन से एक युवती और चार युवक समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी पहचान बदलकर उज्जैन में छिपे थे। ईओयू की टीम को इनकी जानकारी मिली तो फौरन मध्य प्रदेश पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापेमारी कर पांचों को गिरफ्तार कर लिया।

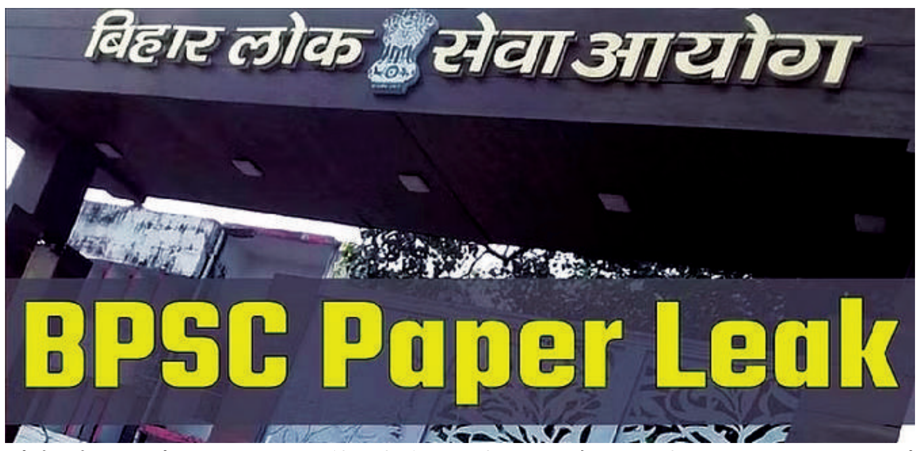

आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू)के डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने कहा कि तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक केस में पांच आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह सभी एक गिरोह के सदस्य हैं। इन्हें वापस पटना लाने के लिए ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया गया है।

आर्थिक अपराध इकाई के अनुसार, इन पांचों आरोपियों के पास से कई महत्वपूर्ण सबूत एकत्र किए गए हैं और उन्हें सोमवार को पटना की अदालत में पेश किया जाएगा। बता दें कि तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा 15 मार्च को 415 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। परीक्षा में लगभग 3.75 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इसके बाद पेपर लीक की बात सामने आई।

आर्थिक अपराध इकाई ने बिहार लोक सेवा आयोग को एक रिपोर्ट सौंपी। इसमें कहा कि परीक्षा से एक दिन पहले ही तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। शिक्षक भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों को परीक्षा से पूर्व प्रश्न पत्र एवं उत्तर मुहैया कराने के एवज में दस-दस लाख रुपये सॉल्वर गैंग ने लिया था। आर्थिक अपराधी इकाई की टीम ने हजारीबाग और पटना के करबिगहिया में छापेमारी कर कुल सॉल्वर गैंग के सदस्य और अभ्यर्थी समेत 313 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें से 266 को जेल गया। इसके लिए शनिवार देर रात को ही सिविल कोर्ट में इनकी पेशी हुई। इनमें 266 अभ्यर्थियों में 88 महिला अभ्यर्थी भी शामिल थीं।

बाहुबली अनंत सिंह की तबीयत बिगड़ी

बेऊर जेल प्रशासन ने अस्पताल में करवाया भर्ती

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व विधायक और बाहुबली अनंत सिंह की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बेऊर जेल के डॉक्टरों की सलाह पर उन्होंने आईजीआईएमएस में भर्ती करवाया गया है। पुलिस अभिरक्षा में अनंत सिंह का इलाज चल रहा है। दरअसल, पूर्व विधायक की जेल में अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें पेट में काफी दर्द हो रहा था। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जांच में पेट से जुड़ी कुछ बीमारी की बात सामने आई है। आईजीआईएमएस के डॉक्टरों की टीम पूर्व विधायक का इलाज कर रही है। जेल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, अनंत सिंह को पहले से बीपी और

डायबिटीज है। कुछ दिन पहले उन्हें तेज बुखार भी हुआ था। पेट से जुड़ी समस्या की शिकायत उन्होंने जेल प्रशासन से की। इसके बाद उन्हें जेल अस्पताल में भर्ती करवाया। जांच के बाद जेल अस्पताल के डॉक्टरों बेहतर इलाज के लिए पटना के आईजीआईएमएस में भर्ती करवाया। कड़ी सुरक्षा में बीच आईजीआईएमएस में अनंत सिंह का इलाज चल रहा है।

एके-47 और हैंड ग्रेनेड मामले में अनंत सिंह को दस साल की सजा हुई है। साथ ही अनंत सिंह के नौकर को भी दस साल की सजा सुनाई गई है। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष जज त्रिलोकी नाथ दुबे की अदालत ने विधायक और एक अन्य अभियुक्त को 10-10 साल की सजा सुनाई है।

बिहार में दूसरे चरण का चुनाव नीतीश के लिए अग्नि परीक्षा से कम नहीं

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण का चुनाव मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के लिए अग्नि परीक्षा से कम नहीं माना जा रहा है। पूर्वी बिहार और सीमांचल के किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर और बांका में होने वाले चुनाव में एनडीए की ओर से जदयू के उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। इनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए जदयू के अध्यक्ष सहित अन्य नेता भी पूरा जोर लगा रहे हैं। इधर, महागठबंधन भी इन सीटों को लेकर कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाह रहा।

जदयू ने भागलपुर से निवर्तमान सांसद अजय कुमार मंडल, कटिहार से दुलाल गोस्वामी, पूर्णिया से संतोष कुशवाहा और बांका से गिरिधारी यादव को फिक्र से चुनावी अखाड़े में उतारा है। हालांकि मुस्लिम बहुल क्षेत्र किशनगंज से जदयू ने चेहरा बदल दिया है।

पिछले चुनाव में किशनगंज एक मात्र ऐसी सीट थी, जहां एनडीए को हार का मुंह देखना पड़ा था। वहां कांग्रेस के प्रत्याशी मोहम्मद जावेद ने जदयू के महमूद अशरफ को पराजित किया था। जदयू ने इस चुनाव में किशनगंज से मुजाहिद आलम पर दांव लगाया है। नीतीश की नजर इन सीटों पर लगी हुई है। नीतीश लगातार इन क्षेत्रों में दौरा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि नीतीश के खास लोग इन क्षेत्रों में कैम्प कर रहे हैं। महागठबंधन कि बात करें तो किशनगंज से कांग्रेस ने एक बार फिर मोहम्मद जावेद को चुनावी मैदान में उतारा है। जबकि, कटिहार से तारिक अनवर ताल ठोक रहे हैं। भागलपुर भी कांग्रेस के कोटे में गई है, जहां से अजीत शर्मा अखाड़े में हैं।

बांका से राजद के जय प्रकाश यादव जबकि, पूर्णिया से राजद की बीमा भारती चुनावी मैदान में है। कांग्रेस के लिए ये सीटें कितना महत्व रखती हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भागलपुर में चुनावी रैली कर चुके हैं। जबकि, पार्टी अध्यक्ष मल्लिलार्जुन खरगे कटिहार और किशनगंज में चुनावी सभा कर अपने प्रत्याशी के लिए वोट मांग चुके हैं।

लालू यादव की बेटी ने सुंदर कांड की पंक्तियों को बदलकर क्या से क्या कर दिया! किसपर साधा निशाना?

पटना (एजेंसियां)।

रामचरितमानस की पंक्तियों पर पिछले साल तत्कालीन महागठबंधन सरकार में राष्ट्रीय जनता दल कोटे के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर लगातार आपत्तियां कर रहे थे। अब राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की बेटी ने उसी रामचरितमानस की पंक्तियों का इस्तेमाल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जवाब देने के लिए किया है। सारण लोकसभा क्षेत्र से पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ उतरीं रोहिणी आचार्य ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निजी हमले के लिए मानस के सुंदर कांड की पंक्तियों को बदल डाला है। उन्होंने पंक्तियां बदलते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और पत्नी पर निशाना साधा है। रोहिणी आचार्य के सोशल मीडिया पोस्ट की इन पंक्तियों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उस बयान का जवाब माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने लालू प्रसाद यादव को बहुत सारे बच्चे जन्म देने और पत्नी-बच्चों को कुर्सी सौंपने पर आपत्ति जताई थी।

लालू प्रसाद यादव को अपनी किडनी दान कर उन्हें जीवनदान देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य अब औपचारिक तौर पर राजनीति

में कूद गई हैं। वह राजनीति में नहीं थीं, तब भी लालू के विरोधियों पर हमले के लिए जानी जाती थीं। जनवरी तक बिहार में चल रही महागठबंधन सरकार के गिरने की आशंका भी रोहिणी के सोशल मीडिया पोस्ट से ही सही हुई थी, जब उन्होंने सीधे सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला था। इस बार चुनाव में उतरीं रोहिणी ने कुछ देर पहले सोशल मीडिया पर लिखा है- 'जहां सुमति तहां पूत - यश और कर्म गुणवाना। जहां कुमति तहां पूत-परिवार पर विपत्ति निधाना।।' रोहिणी ने चूंकि रामचरितमानस के सुंदर कांड के दोहे को बदल डाला है, इसलिए इसका सीधा अर्थ किसी किताब में नहीं मिल सकता है। जहां तक भाव का सवाल है तो कर्मकांड के जानकार पंडित शशिकांत मिश्र इसका अर्थ समझाते हैं कहते हैं कि शायद उनका आशय यह होगा- 'सद्बुद्धि के कारण पूत (पुत्र), यश (धन-वैभव-पहचान), कर्म (सुखी संपन्न परिवार) और गुण (प्रगति के पथ पर अग्रसर) लालू परिवार को मिला है। दूसरी ओर चूंकि कुमति के कारण पूत, परिवार पर विपत्ति है। संभवत: नीतीश कुमार के बेटे और मृत पत्नी को लेकर यह बातें कही गई हैं, क्योंकि पिछली बार भी जब नीतीश एनडीए में थे तो लालू परिवार से ऐसी बात सामने आयी थी।

सुंदर कांड में एक जगह पर विभीषण अपने बड़े भाई रावण को समझाते हुए कहते हैं- 'सुमति कुमति सब कें उर रहहीं। नाथ पुरान निगम अस कहहीं।। जहां सुमति तहं संपति नाना। जहां कुमति तहं बिपति निदाना।।' इसका अर्थ भी बताया गया है- 'पुराण और वेद ऐसा कहते हैं कि सुबुद्धि और कुबुद्धि सभी के ह्रदय में रहती है।

जहां सुबुद्धि है, वहां कई प्रकार की सुख-संपदाएं रहती हैं। जहां कुबुद्धि हैं, वहां परिणा में विपत्ति रहती है।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जवाब देने के लिए रोहिणी आचार्य ने मानस के इन्हीं दोहे को अपने हिसाब से बदलकर इस्तेमाल किया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कटिहार में जनसभा को संबोधित करते हुए लालू परिवार पर विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि कुछ लोग इन दिनों सब कुछ दावा करते हैं। जब उन्हें हटाया गया तो उन्होंने अपनी पत्नी को नियुक्त किया। अब, इन दिनों यह उनके बच्चे हैं। आप पैदा तो बहुत कर दिए। इतना ज्यादा बाल-बच्चा किसी को पैदा करना चाहिए क्या? लेकिन, इतना किया। अब उन्होंने अपने बेटे-बेटियों सबको शामिल कर लिया है। वह हर जगह कुछ-न-कुछ कहते रहते हैं, पुरानी बातें भूल जाते हैं, इसलिए मैं सबको बताना चाहता हूं कि कोई भी काम नहीं हो पाता था बाहर, कोई सड़क या शिक्षा नहीं थी।'

इस मामले पर तेजस्वी यादव ने कल जवाब देते हुए कहा था नीतीश जी मेरे आदरणीय हैं, अभिभावक हैं। वह हमें कुछ भी कह सकते है, पहले भी तो ऐसी बात कह चुके हैं। उनकी हर बात हमारे लिए आशीर्वचन एवं आशीर्वाद है। वैसे ये सब बातें कोई चुनावी मुद्दा नहीं है। हमारे ऊपर व्यक्तिगत बात करने से या हमारे द्वारा विपक्ष पर व्यक्तिगत आरोप एवं बात करने से जनता का क्या भला होगा? हम राजनीति और लोकतंत्र में लोग की बातें करते हैं ना कि स्वयं की। तेजस्वी यादव ने कहा कि व्यक्तिगत चीजें केवल घर के ड्राइंग रूम तक ही होनी चाहिए। वर्षों से सत्ता पर काबिज एनडीए के नेता गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, नौकरी, विकास-निवेश जैसे मुद्दों का जिक्र राजनीतिक मंचों से क्यों नहीं करते? तेजस्वी यादव ने कहा कि मुद्दों से क्यों भाग रहे है?

बिहार में गेस्ट टीचर के बाद अब इनकी गई नौकरी

केके पाठक के एक फैसले से सड़क पर आ गए इंस्ट्रक्टर

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

बिहार के स्कूलों के आईसीटी लैब में नियुक्त इंस्ट्रक्टर को हटाने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। ये सभी इंस्ट्रक्टर एजेंसी के माध्यम से बहाल किए गए थे। नौकरी से इनका परिवार चलता था, पर सरकार के एक निर्णय से इनके हाथ से नौकरी निकल गई है और ये अचानक सड़क पर आ गए है। गौरतलब है कि हाल में शिक्षा विभाग ने हजारों अतिथि शिक्षक को नौकरी से बाहर निकाल दिया था। इन दोनों में एक मात्र अंतर यही है कि अतिथि शिक्षक की बहाली की कार्रवाई विभाग खुद ने की थी, जबकि इंस्ट्रक्टर की बहाली एजेंसी के माध्यम से की गई है।

कल तक जो इंस्ट्रक्टर स्कूलों में आईसीटी इंस्ट्रक्टर के रूप में नौकरी करते थे, वो अब बेरोजगार होकर रोड पर आ गए हैं। इनकी बहाली अगस्त-

सितंबर 23 में की गई थी। इसको लेकर खुद एसीएस केके पाठक ने सूबे के सभी डीईओ को पत्र जारी किया था। स्कूलों में आईसीटी लैब के साथ आईसीटी इंस्ट्रक्टर और गार्ड की बहाली के लिए 13 एजेंसियों का चयन किया गया था। इन एजेंसियों को प्रत्येक जिले के पांच विद्यालयों में आईसीटी लैब के लिए कंप्यूटर समेत अन्य व्यवस्था करने की जिम्मेवारी सौंपी गई थी।

शिक्षा विभाग के स्तर से आईसीटी लैब वाले स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षक की नियुक्ति की गई है और जहां नहीं है, वहां नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। विभाग ने एक आदेश जारी किया है कि जिन विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षक नियुक्त किए जा चुके है, वहां से आईसीटी के इंस्ट्रक्टर को हटा दें। हटाने वाला यह अभियान पूरे बिहार में चल रहा है। सीतामढ़ी डीईओ प्रमोद कुमार साहू ने 10 अप्रैल 24 को ही संबंधित प्रधानाध्यापक को पत्र भेजकर कंप्यूटर शिक्षक की नियुक्ति के बाद इंस्ट्रक्टर को हटाने का आदेश दिया था।

इस बीच, डीईओ ने एक बार फिर संबंधित प्रधान शिक्षकों को पत्र भेज इंस्ट्रक्टर को हटाने का आदेश दिया है। दरअसल, 10 अप्रैल के जारी पत्र के आलोक में किसी भी प्रधान शिक्षक ने यह सूचना नहीं दी है कि इंस्ट्रक्टर को हटा दिया गया है या हटाने की कार्रवाई की जा रही है। जवाब के आभाव में ही डीईओ को फिर से पत्र भेजने की नौबत आई है। डीईओ ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर कंप्यूटर शिक्षक पदस्थापित हैं और वहां आईसीटी इंस्ट्रक्टर कार्यरत है, तो उनके वेतन भुगतान के लिए सीधे प्रधान शिक्षक जिम्मेवार होंगे। यानी प्रधान शिक्षक के वेतन से कटौती कर इंस्ट्रक्टर को भुगतान किया जायेगा।

सीएम नीतीश ने तेजस्वी पर साधा निशाना

हमने 10 लाख की नौकरी देने की बात की तो वो उसी पर दावा करता है

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिना नाम लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- बिहार में उनके माता-पिता भी सीएम रहे, उन्होंने किसी को नौकरी कहां दी है? पहले नौकरी किसे मिलती थी? हमलोग कुछ दिन साथ रखे थे। हम ही उसे बताए कि 10 लाख नौकरी देने वाले हैं, तो आजकल बोलता है कि हम लोग इतना दिए, हम लोग करवाये हैं सब। जो हम किए हैं उसी पर दावा करता रहता है।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार किशनगंज में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा- 'मैंने विश्व बैंक से ऋण लेकर स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की शुरुआत की। हमने एसएचजी का नाम 'जीविका' रखा और जब दिल्ली के लोगों ने इसे देखा, तो उन्होंने 'आजीविका' शुरू की।

इधर, रांची में 'इंडिया' अलायंस की रैली में शामिल होने के लिए तेजस्वी यादव रविवार को रांची पहुंचे। रांची पहुंचने पर पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा- भाजपा भगाओ देश का लोकतंत्र बचाओ, भाजपा भगाओ देश का संविधान बचाओ। इंडिया गठबंधन है।' उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के साथ जो अन्याय हुआ है, झारखंड की जनता इसका बदला लेगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि सीबीआई, ईडी, आईटी इलेक्टोरल बॉन्ड, हिन्दू-मुस्लिम और मस्जिद न हो तो बीजेपी 100 सीट भी पार नहीं कर सकती है, एनडीए के नेता डरे हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com